ಶುಭ್ ಲಾಭ್
खबरें जो सोच बदल दे
शुभ लाभ
DAILY
हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

हमारे संविधान के निर्माता का सम्मान करना हमारा कर्तव्य: शिवकुमार @ नम्मा बेंगलूरु

Postal Regd.No. HQ/SD/523/2023-25 । शुक्रवार, 20 दिसंबर, 2024 । हैदराबाद और नई दिल्ली से प्रकाशित । epaper.shubhlabhdaily.com । संपादक : गोपाल अग्रवाल । पृष्ठ : 14 । मूल्य-6 रु.। वर्ष-6 । अंक-350

संसद भवन के द्वार पर धक्का-मुक्की भाजपा के दो सांसद घायल

कांग्रेस और भाजपा ने एक-दूसरे के खिलाफ दर्ज कराई शिकायत

नयी दिल्ली, 19 दिसंबर (एजेंसियां)। संसद भवन के मकर द्वार पर गृह मंत्री अमित शाह के राज्यसभा में डॉ. भीमराव अंबेडकर के बारे में दिये गये बयान के विरोध में गुरुवार को प्रदर्शन कर रहे इंडी गठबंधन के सांसदों एवं लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी के साथ धक्का-मुक्की में गिरकर भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के दो सांसद घायल हो गये, जिन्हें यहां उपचार के लिए राममनोहर लोहिया अस्पताल में ले जाया गया। जहां उनका इलाज चल रहा है। इस घटना को लेकर भाजपा और कांग्रेस ने एक-दूसरे के खिलाफ संसद मार्ग थाने में शिकायत दर्ज कराई है।

संसद भवन के मकर द्वार पर पूर्वाह्न 11 बजे बाबा साहेब डॉ भीमराव अंबेडकर का चित्र लेकर भाजपा और इंडिया समूह के सांसद प्रदर्शन कर रहे थे। इसी दौरान हुई धक्का-मुक्की में भाजपा सांसद प्रताप सारंगी और मुकेश राजपूत गिर गये जिससे वे घायल हो गये। श्री सारंगी के सिर में चोट आयी है। श्री सारंगी को व्हील चेयर पर और श्री राजपूत को स्ट्रेचर पर एम्बुलेंस तक ले जाया गया। श्री सारंगी ने कहा कि वह सीढ़ियों के पास खड़े थे तभी कांग्रेस के नेता राहुल गांधी आये और उन्होंने एक सांसद को धक्का दिया जो मेरे (श्री सारंगी के) ऊपर गिरा जिससे वह भी गिर गये।

बाद में दोनों घायल सांसदों को यहां डॉ राम मनोहर लोहिया अस्पताल में ले जाया गया। पता चला है कि श्री राजपूत को आईसीयू में भर्ती कराया गया है।

संसदीय कार्य, विधि एवं न्याय राज्य मंत्री अर्जुन राम मेघवाल ने कहा कि इस धक्कामुक्की में दो नेता घायल हुए हैं। 4-5 अन्य सांसदों ने इस बारे में शिकायत की है...सभी सांसदों को विरोध करने का अधिकार है। उन्होंने (राहुल गांधी) शारीरिक हिंसा की और वे सारंगी जी की हालत देखने भी नहीं गए। उन्होंने (कांग्रेस ने) हमेशा बीआर अंबेडकर के साथ अन्याय किया है। ▶10 पर

संसद परिसर में हम पर हमला किया गया : खड़गे-राहुल

नयी दिल्ली, 19 दिसम्बर (एजेंसियां)।

कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे तथा पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी ने कहा है कि सत्ता पक्ष के सदस्यों ने संसद भवन परिसर में गृहमंत्री अमित शाह के बयान के खिलाफ शांतिपूर्ण प्रदर्शन कर रहे विपक्षी सदस्यों पर हमला किया और यह सरकार का जनता के मुद्दों से ध्यान भटकाने का प्रयास है। ▶10 पर

बीजेपी ने राहुल गांधी के खिलाफ दर्ज कराई शिकायत

संसद परिसर में प्रदर्शन के दौरान हुई धक्का-मुक्की को लेकर बीजेपी ने कांग्रेस सांसद राहुल गांधी के खिलाफ शिकायत दर्ज कराई है और राज्यसभा के सभापति जगदीप धनखड़ को चिट्ठी लिखी है। बीजेपी सांसद अनुराग ठाकुर और बांसुरी स्वराज ने एनडीए के कई नेताओं के साथ संसद मार्ग थाने में शिकायत दर्ज कराई है। अनुराग ठाकुर ने कहा, हमने राहुल गांधी के खिलाफ दिल्ली पुलिस में शिकायत दर्ज कराई है। उसमें आज जो संसद में पूरा घटनाक्रम हुआ है उसकी जानकारी दी है। राहुल गांधी का जिस तरह का रवैया है उन्हें लगता है कि वह कानून से ऊपर हैं। गांधी परिवार अपने आप को कानून से ऊपर समझता है। बीजेपी नेता ने आरोप लगाया कि राहुल गांधी ने शारीरिक हमला और उकसाने का काम किया है । उन्होंने कहा कि कांग्रेस की हालत ऐसी हो गई है की जैसे खिसियानी बिल्ली खंबा नोचे। अनुराग ठाकुर ने बताया कि राहुल गांधी के ऊपर भारतीय दंड संहिता (आईपीसी) की धारा 109 115, 117, 125, 131 और 351 के तहत शिकायत दी है। धारा 109 अटेम्प्ट टू मर्डर की धारा है, जबकि धारा 117 जानबूझकर गंभीर चोट पहुंचाना है। ▶10 पर

राहुल जानबूझकर सांसदों के पास गए, वह नेता प्रतिपक्ष बनने के लायक नहीं : भाजपा

बाबा साहेब अंबेडकर के अपमान से संबंधित मुद्दे पर सत्ता पक्ष और विपक्ष के बीच आज संसद भवन परिसर में धक्का-मुक्की हो गई। इस दौरान भाजपा सांसद प्रताप सारंगी और मुकेश राजपूत घायल हो गए। उन्हें इलाज के लिए अस्पताल ले जाया गया। इस बीच केंद्रीय मंत्री शिवराज चौहान ने इस मामले पर प्रतिक्रिया दी। उन्होंने कांग्रेस पर सदन के भीतर अस्भयता करने का आरोप लगाया। भाजपा नेता ने बताया कि राहुल गांधी जानबूझकर सांसदों के पास गए। वे गुंडे जैसा व्यवहार कर रहे थे। उन्होंने बताया कि इस मामले में भाजपा उचित कार्रवाई करेगी। इसके साथ ही उन्होंने कहा कि राहुल गांधी नेता प्रतिपक्ष बनने के लायक नहीं हैं। कांग्रेस के आरोपों पर केंद्रीय मंत्री शिवराज चौहान ने कहा, मल्लिकार्जुन खरगे और राहुल गांधी ने अभी प्रेस कॉन्फ्रेंस की। हमें लगा कि वे आज जो कुछ भी किया उसके लिए माफी मांगेंगे। लेकिन उन्होंने ऐसा नहीं किया। मुझे समझ नहीं आया कि उन्होंने प्रेस कॉन्फ्रेंस क्यों की? ▶10 पर

उपराष्ट्रपति के खिलाफ अविश्वास प्रस्ताव त्रुटिपूर्ण : हरिवंश

नयी दिल्ली, 19 दिसंबर (एजेंसियां)। राज्यसभा के उप सभापति हरिवंश ने उपराष्ट्रपति के विरुद्ध विपक्ष के अविश्वास प्रस्ताव को त्रुटिपूर्ण तथा राष्ट्र के दूसरे सर्वोच्च संवैधानिक पद को जानबूझकर तुच्छ बनाने और नीचा दिखाने का दुस्साहस बताते हुए कहा है कि इस संबंध में समीचीन हुआ, तो विस्तृत आदेश 24 दिसंबर के बाद ही दिया जाएगा।

श्री हरिवंश ने गुरुवार को राज्यसभा में भोजनावकाश के बाद पटल पर रखे अंतरिम आदेश में कहा कि संविधान के अनुच्छेद 67-ख के तहत उप राष्ट्रपति को पद हटाये जाने पर विचार करने वाले किसी भी प्रस्ताव के लिए कम से कम 14 दिन की पूर्व सूचना अलंघनीय रुप से अनिवार्य है। आदेश में कहा गया है कि विपक्ष के 60 सदस्यों के कथित हस्ताक्षर वाला यह प्रस्ताव 10 दिसंबर को दिया गया था। इस प्रकार इस पर 24 दिसंबर 2024 के बाद ही कोई अनुमति दी जा सकती है। उप सभापति ने कहा है कि विपक्ष के इस प्रस्ताव पर एक विस्तृत आदेश समीचीन होने पर बाद में जारी किया जाएगा।

आदेश में यह भी कहा गया है कि विपक्षी सदस्यों के संबंधित पत्र में किसी विशिष्ठ प्राधिकारी को संबोधित नहीं किया गया है और बाद में मुख्य विपक्षी दल कांग्रेस ने इसका प्रचार किया। उप सभापति ने अपनी अंतरिम व्यवस्था में कहा है कि प्रस्ताव लाने वालों को जानकारी थी कि यह प्रस्ताव इस सत्र के दौरान विचार के लिए नहीं लाया जा सकता है। फिर भी इसे इस उद्देश्य के साथ लाया गया कि देश के दूसरे सर्वोच्च संवैधानिक पद के खिलाफ एक कहानी फैलायी जा सके। ▶10 पर

भाजपा महिला सांसद ने राहुल गांधी पर अभद्र व्यवहार का आरोप लगाया

नयी दिल्ली, 19 दिसंबर (एजेंसियां)। लोक सभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी पर संसद भवन परिसर में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की महिला सदस्य के साथ 'अभद्र' व्यवहार किये जाने के आरोप को लेकर गुरुवार अपराह्न राज्य सभा में सत्ता पक्ष और विपक्ष के सदस्यों के बीच तकरार के बीच सदन की कार्यवाही दिन भर तक के लिये स्थगित कर दी गयी। इससे पहले, एक स्थगन के बाद राज्य सभा की कार्यवाही दोपहर दो बजे से शुरू होते ही ▶10 पर

कुलगाम में मारा गया आतंकी कमांडर

श्रीनगर, 19 दिसंबर (ब्यूरो)।

जम्मू-कश्मीर के कुलगाम जिले में बृहस्पतिवार को सुरक्षाबलों के साथ मुठभेड़ में हिज्बुल मुजाहिदीन के एक स्वयंभू शीर्ष कमांडर सहित संगठन के पांच आतंकवादी मारे गए। अधिकारियों ने यहां यह जानकारी दी।अधिकारियों ने बताया कि मुठभेड़ में सुरक्षाबलों के दो जवान घायल हुए हैं।

उन्होंने कहा कि संदिग्ध आतंकवादियों की मौजूदगी की सूचना मिलने के बाद सुरक्षाबलों ने बीती रात जिले के बेहिबाग इलाके के कद्दर गांव में घेराबंदी कर तलाश अभियान शुरू किया।

उन्होंने बताया कि तलाश अभियान के दौरान आतंकवादियों ने सुरक्षाबलों पर गोलियां चलाईं जिसके बाद अभियान मुठभेड़ में तब्दील हो गया। अधिकारियों के अनुसार, मारे गए आतंकवादियों में हिज्बुल मुजाहिदीन का स्वयंभू शीर्ष कमांडर फारूक अहमद भट उर्फ नाली भी शामिल है जो कथित तौर पर दक्षिण कश्मीर क्षेत्र में आतंकवाद से ▶10 पर

पहले हमें सलाह दी जाती थी लेकिन अब हम देख रहे हैं... : भागवत

पुणे, 19 दिसंबर (एजेंसियां)। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ प्रमुख मोहन भागवत ने गुरुवार को कहा कि भारत को अक्सर अपने अल्पसंख्यकों के मुद्दों पर ध्यान देने की सलाह दी जाती है, लेकिन अब हम देख रहे हैं कि दूसरे देशों में अल्पसंख्यक समुदायों को किस तरह की स्थिति का सामना करना पड़ रहा है। हिंदू सेवा महोत्सव के उद्घाटन के मौके पर बोलते हुए उन्होंने यह भी कहा कि विश्व शांति की बात करके आधिपत्य स्थापित करने की कोशिश की जा रही है। भागवत ने कहा,'विश्व शांति के बारे में बड़ी-बड़ी घोषणाएं की जा रही हैं। हमें (भारत को) भी विश्व शांति के बारे में सलाह दी जा रही है लेकिन साथ ही, जंग नहीं रुक रही हैं। जबकि हमें अक्सर अपने देश में अल्पसंख्यकों के बारे में चिंता करने के लिए कहा जाता है, हम देख रहे हैं कि अल्पसंख्यकों को बाहर किस तरह के हालात का सामना करना पड़ रहा है।

हालांकि आरएसएस प्रमुख ने पड़ोसी बांग्लादेश में हिंदू समुदाय के खिलाफ हिंसा का कोई संदर्भ नहीं दिया, लेकिन आरएसएस ने हाल के हफ्तों में शेख हसीना सरकार के हटने के बाद उस देश में हिंदुओं के हालात के बारे में चिंता जाहिर की है। भागवत ने कहा,'मानव धर्म सभी धर्मों का शाश्वत धर्म है, जो विश्व धर्म है और इसे हिंदू धर्म भी कहा जाता है लेकिन दुनिया इस धर्म को भूल गई है। उनका धर्म एक ही है, लेकिन वे भूल गए और इसी वजह से आज हम पर्यावरण और अन्य मुद्दों जैसी विभिन्न प्रकार की समस्याओं को देख रहे हैं। मोहन भागवत ने कहा कि हमारे देश के बाहर बहुत से लोग सोचते हैं कि भारत के किरदार के बगैर विश्व शांति संभव नहीं है। उन्होंने कहा,'उनका मानना है कि यह सिर्फ भारत और इसकी समृद्ध परंपरा ही कर सकती है, जिस तरह से 3,000 वर्षों से इसका प्रदर्शन किया गया है, दुनिया की इस आवश्यकता को पूरा करना हमारी जिम्मेदारी है।

केटीआर के खिलाफ एफआईआर

राज्यपाल ने दी शिकायत दर्ज करने की अनुमति

हैदराबाद, 19 दिसंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो (एसीबी) ने पिछली सरकार के दौरान हैदराबाद में फॉर्मूला-ई रेस के आयोजन में अनियमितताओं को लेकर बीआरएस के कार्यकारी अध्यक्ष और विधायक केटी रामा राव (केटीआर) के खिलाफ एफआईआर दर्ज की। तेलंगाना के राज्यपाल जिष्णु देव वर्मा ने हाल ही में इस मुद्दा पर केटी रामा राव के खिलाफ शिकायत दर्ज करने की अनुमति दी थी। भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम की विभिन्न धाराओं के तहत रामा राव और दो अन्य अधिकारियों के खिलाफ मामला दर्ज किया गया है। तेलंगाना सरकार ने राज्यपाल को नवंबर में चिट्ठी लिखी थी। उन्होंने इस मामले में कथित अनियमितताओं को लेकर रामा राव के खिलाफ शिकायत दर्ज कराने की अनुमति मांगी थी। नगर निगम प्रशासन एसीबी से मामले की जांच करने की अपील की। इस साल की शुरुआत में सरकार ने सक्षम प्राधिकारी की मंजूरी के बिना फॉर्मूला-ई रेस से संबंधित समझौते को लेकर 55 करोड़ रुपये का भुगतान करने पर एक वरिष्ठ नौकरशाह से स्पष्टीकरण मांगा था। ▶10 पर

मोदी सरकार के तहत भारत रक्षा क्षेत्र में अभूतपूर्व गति से आगे बढ़ रहा है : राजनाथ

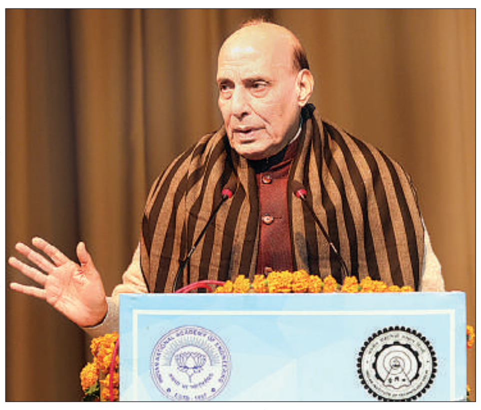

नयी दिल्ली, 19 दिसंबर (एजेंसियां)। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने बृहस्पतिवार को कहा कि भारत आधुनिक हथियारों और तकनीक के मामले में पीछे रह गया था, लेकिन मोदी सरकार के सत्ता में आने के बाद यह रक्षा क्षेत्र में अभूतपूर्व गति से आत्मनिर्भरता की ओर बढ़ा है।

सिंह ने एक कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि आधुनिक युद्धकला तेजी से बदल रही है और राष्ट्रीय सुरक्षा चुनौतियों से निपटने के लिए उच्चस्तरीय तकनीक अपनाये जाने की जरूरत है।

रक्षा मंत्री ने वैज्ञानिकों और इंजीनियरों से बदलते समय के अनुरूप कृत्रिम बुद्धिमत्ता (आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस) और क्वांटम कंप्यूटिंग जैसी महत्वपूर्ण तकनीकों पर पकड़ मजबूत करने का आह्वान किया तथा उनसे भारत की विरासत को कभी न भूलने का आग्रह किया। सिंह आईआईटी दिल्ली में भारतीय राष्ट्रीय इंजीनियरिंग अकादमी के वार्षिक सम्मेलन के उद्घाटन सत्र को संबोधित कर रहे थे।रक्षा मंत्री ने इस बात पर जोर दिया कि ये विशिष्ट प्रौद्योगिकियां आने वाले समय में लगभग हर क्षेत्र को बड़े पैमाने पर प्रभावित करेंगी।उन्होंने कहा, अभी हम शुरुआती चरण में हैं। हमारा लक्ष्य सबसे पहले इन तकनीकों पर पकड़ मजबूत करना होना चाहिए, ताकि भविष्य में इनका उपयोग लोगों के कल्याण के लिए किया जा सके और उनकी तत्काल बुनियादी आवश्यकताओं को पूरा किया जा सके।

सिंह ने कहा कि दुनिया निरंतर विकसित हो रही है और रक्षा क्षेत्र इस परिवर्तन से बचा नहीं रह सकता।

रक्षा मंत्रालय के अनुसार, सिंह ने कहा कि पहले कुछ कारणों से भारत आधुनिक हथियारों और तकनीक के मामले में पीछे रह गया था, लेकिन जब से मोदी सरकार सत्ता में आई है, देश अभूतपूर्व गति से रक्षा क्षेत्र में आत्मनिर्भरता की ओर आगे बढ़ा है।

उन्होंने कहा, आधुनिक युद्धकला में तेज गति से बदलाव हो रहा है, इसलिए उच्च तकनीक को अपनाने की जरूरत है। इस दिशा में हमने युवाओं की प्रतिभा को सामने लाने के लिए रक्षा उत्कृष्टता के लिए नवाचार (आईडीईएक्स) और प्रौद्योगिकी विकास निधि (टीडीएफ) जैसी योजनाएं शुरू की हैं, जिसके माध्यम से उनके साथ-साथ देश के सपने भी साकार हो सकते हैं। सिंह ने कहा कि भारत एक निर्णायक दौर से गुजर रहा है, क्योंकि वह उन हथियारों का भी निर्यात कर रहा है, जिनका वह कभी आयात करता था। उन्होंने इस ''क्रांतिकारी परिवर्तन'' का श्रेय सार्वजनिक और निजी क्षेत्रों, शिक्षाविदों, इंजीनियरों और नवोन्मेषकों के सामूहिक प्रयासों को दिया और विश्वास जताया कि देश जल्द ही वैश्विक क्षेत्र में एक सशक्त तकनीकी बढ़त हासिल कर लेगा। ▶10 पर

सर्राफ़ा बाज़ार

(24 कैरेट गोल्ड)

सोना : 77,680/- (प्रति 10 ग्राम)

चाँदी : 87,800/- (प्रति किलोग्राम)

मौसम विजयवाड़ा

अधिकतम : 29^0

न्यूनतम : 24^0

इतना बड़ा 'खजाना', अमेरिका को नहीं हो रहा यकीन, चीन के छूटे पसीने

भारत को ऑस्ट्रेलिया से दोस्ती का मिलेगा लाभ

नई दिल्ली, 19 दिसंबर (एजेंसियां)। भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच की दोस्ती तो जगजाहिर है। भारत के इसी मित्र देश की किस्मत चमक गई है, वहां इतना बड़ा खजाना मिला है कि अमेरिका को यकीन ही नहीं हो रहा है। वहीं, चीन के पसीने छूट गए हैं। ऑस्ट्रेलियाई वैज्ञानिकों ने दुनिया के सबसे बड़े लोहे के भंडार की खोज का दावा किया है, जिसकी अनुमानित कीमत लगभग 6 ट्रिलियन डॉलर है। लोहे के अलावा ऑस्ट्रेलिया में यूरेनियम का भंडार मिलने की भी संभावनाएं हैं। इस भंडार के मिलने के ऑस्ट्रेलिया, भारत, अमेरिका और चीन के लिए क्या मायने हैं, ऑस्ट्रेलियाई वैज्ञानिकों ने जो लोहे का भंडार खोजा है, वो साधारण नहीं है। इसे दुनिया का सबसे बड़ा लोहे का भंडार कहा जा रहा। ऑस्ट्रेलिया के लिए इस लोहे के इस विशाल भंडार का मिलना, उसके हाथ जबरदस्त जैकपॉट लगने जैसा है। ▶10 पर

नए साल की सौगात : शादी करने वालों को मोदी सरकार देगी 2.5 लाख!

नई दिल्ली, 19 दिसंबर (एजेंसियां)। भारत सरकार की ओर से आम जनता के लिए कई तरह की सुविधाएं चलाई जा रही हैं। कुछ योजना युवाओं के लिए हैं तो कुछ योजनाएं महिलाओं के लिए। किसानों से लेकर बुजुर्गों तक हर वर्ग के लिए कुछ न कुछ खास योजना संचालित हो रही है। इस बीच एक और बड़ी खबर सामने आई है। दरअसल केंद्र की मोदी सरकार अब नव विवाहितों के खातों में ढाई लाख रुपए की रकम जमा करेगी। जी हां सरकार की ओर से एक खास योजना चलाई जा रही है जिसके तहत ये तोहफा विवाहितों को दिया जाएगा।

दरअसल सरकार अंतरजातीय विवाह को प्रोत्साहित करने के मकसद से एक खास योजना का संचालन कर रही है। सरकार की ओर से इस तरह के विवाह को बढ़ावा दिया जा रहा है। इस योजना का नाम अंतरजातीय विवाह योजना है। इस योजना के तहत इंटर कास्ट मैरिज करने वाले कपल को सरकार की ओर से ढाई लाख रुपए की आर्थिक मदद की जा रही है। नव विवाहितों को आर्थिक मदद करने के पीछे सरकार का मकसद उनकी नई जिंदगी को ▶10 पर

कार्टून कॉर्नर

2 दिवसीय उड़ान प्रदर्शनी का उद्घाटन

समय की पाबंदी और जीवन में अनुशासन से ही हम बच्चों में संस्कारों का करते हैं निर्माण : निर्मल कुमार सुराणा

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। जीतो महिला विंग बेंगलूरु साउथ द्वारा गुरुवार को महावीर धर्मशाला में स्वयं की प्रमुख परियोजना के तहत आराम चेयर्स द्वारा प्रायोजित 2 दिवसीय उड़ान प्रदर्शनी का उद्घाटन किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ दीप प्रज्वलन एवं नवकार महामंत्र से किया गया। इस अवसर पर पूर्व विधायक और भाजपा राष्ट्रीय कार्यकारिणी सदस्य पुद्दुचेरी स्टेट प्रभारी निर्मल कुमार सुराणा मुख्य अतिथि के रूप में मौजूद थे। जीतो बेंगलूरु चैप्टर के चेयरमैन रंजीत सोलंकी, वाइस चेयरमैन महेंद्र जियानी व महेंद्र रांका, मुख्य सचिव नितिन लूनिया, सह कोषाध्यक्ष महावीर दातेवादिया, इंदर चंद जैन, महिला विंग कन्वीनर प्रवीण सोफाडिया और अन्य प्रबंधन समिति के सदस्यों, जीतो युवा विंग के चेयरमैन मेहुल जैन एवं उनकी कमेटी, जीतो महिला विंग की पूर्व अध्यक्ष ललिता गुलेछा, निशा सामर, प्रमिला भंडारी, अनीता पिरगल एवं पिंकी जैन, जीतो महिला विंग नॉर्थ चेयरपर्सन लक्ष्मी बाफना, सचिव रक्षा छाजेड़, उपाध्यक्ष सुमन वेद मुथा व सुमन सिंघवी की उपस्थिति में प्रदर्शनी का औपचारिक उद्घाटन किया गया। मुख्य सचिव निधि पारलेचा ने मंच संचालन किया। अध्यक्ष बबीता रायसोनी ने उपस्थित सभी सदस्यों एवं मेहमानों का स्वागत करते हुए पंछी बनू उड़ती फिरू आज गगन में आज मैं आजाद हूं दुनिया के चमन में की पंक्तियों को मधुर वाणी में बताते हुए कहा कि 2014 में जीतो महिला विंग की शुरुआत हुई, जिसमें आज 2000 से अधिक महिला सदस्य जुड़ चुकी है। सेवा, धार्मिक एवं कौशल विकास के अंतर्गत उत्साह एवं जुनून के साथ टीम के सहयोग से अपने लक्ष्य को प्राप्त करने का कार्य कर रही है। उन्होंने उड़ान के बारे में बात की और बताया कि उड़ान ने शुरुआत में कैसे पंख लगाए और यह धीरे-धीरे कैसे विकसित हुआ। उन्होंने रोशनी परियोजना पर भी बात की। रोशनी महिलाओं के लिए खुद को बनाए रखने और स्वतंत्र होने के लिए अपने उत्पादों को प्रदर्शित करने की एक परियोजना है। जीतो बेंगलूरु चैप्टर के अध्यक्ष रंजीत सोलंकी ने उपस्थित सदस्यों व अतिथियों को संबोधित करते हुए महिला विंग के कार्यों की सराहना की। उन्होंने कहा कि उड़ान फ्लैगशिप प्रोगाम है, जो जीतो के तीनों स्तंभ सेवा, आर्थिक सदृढ़ता, शिक्षा के सिद्धांतों पर खड़ा है। इस साल उड़ान अपने छठे वर्ष में उड़ान भरने के लिए तैयार हो चुका है, जहां पर हर वर्ग की महिलाओं को अपने व्यापारिक कौशल के लिए एक मंच प्रदान किया गया है। वह अपने व्यापार कौशल को और अच्छे से बाहर निकाल सकती है और अपनी उड़ान को और ऊंचाइयों तक लेकर जा सकती है। मुख्य अतिथि और प्रायोजक, प्रवीण सोफाडिया आराम चेयर्स परिवार तथा नितिन सोनीगरा फूड स्पॉन्सर प्रेस्टाइन वेंचर्स प्राइवेट लिमिटेड परिवार का अभिनंदन उपस्थित गणमान्य व्यक्तियों द्वारा किया गया। उनका परिचय उड़ान कन्वीनर अंजलि जैन एवं को कन्वीनर नीतू गुलेछा ने दिया। केकेजी जोन महिला विंग कन्वीनर पिंकी जैन ने शुभकामनाए देते हुए कहा कि 11 साल से उड़ान प्रदर्शनी के कार्य को महिला विंग करती आई है। लेआउट से लेकर वेंडर्स के लिए प्रत्येक कार्य को बहुत ही सुन्दर तरीके से करती आई हैं। जीतो महिला विंग कन्वीनर प्रवीण सोफादिया ने महिला विंग का उत्साहवर्धन करते हुए कहा कि उड़ान महिला सशक्तिकरण के लिए एक उपलब्धि है। किसी भी व्यवसाय को सफल बनाने के लिए शोध एवं विकास जरूरी है। अपने ब्रांड को प्रोडक्ट बनाना ही सफल बिजनेस बनाता है। आराम चेयर्स के काम की प्रेरणा उन्हें अपनी माता से मिली है। मुख्य अतिथि निर्मल सुराणा ने जीतो महिला विंग के कार्यों की सराहना एक कहानी के माध्यम से करते हुए कहा कि समाज सेवा आत्मसंतुष्टि प्रदान करता है। साधर्मिक भक्ति, साधु संतों की सेवा द्वारा सामाजिक उत्थान होता है। समय की पाबंदी और जीवन में अनुशासन द्वारा हम बच्चो में भी संस्कार निर्माण कर सकते हैं। जीतो जॉब्स से भारती छाजेड़ ने इसके महत्व पर प्रकाश डाला। जेप्वाइंट से अंजलि ने बताया कि जैन समाज के व्यक्ति इसमें रजिस्टर करवा सकते हैं। चेयरपर्सन बबीता रायसोनी ने स्वयं संयोजक अंजलि जैन, सह-संयोजक नीतू गुलेछा, कोषाध्यक्ष संगीता पारख, संयुक्त सचिव चंद्रा जैन और साक्षी जैन, प्रबंधन समिति के सदस्य अस्मिता चौहान, हेमा सोलंकी, रेखा जैन, रेखा किशोर, कविता मुथा, निशा जैन, संगीता सियाल और प्रिया गांधी, तरुणा मेहता, सोमना सिसोदिया की टीम को धन्यवाद दिया। सहसचिव साक्षी जैन ने धन्यवाद ज्ञापित किया।

अमित शाह स्वतंत्र भारत में भारत के सबसे अक्षम गृह मंत्री: प्रियांक खड़गे

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। कर्नाटक के मंत्री प्रियांक खड़गे ने गुरुवार को पूर्व कानून और न्याय मंत्री बीआर अंबेडकर पर उनकी टिप्पणी के लिए केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह पर हमला किया और कहा कि वह स्वतंत्र भारत में भारत के सबसे अक्षम गृह मंत्री हैं। अमित शाह केंद्रीय गृह मंत्री बूढ़े हो गए हैं। वह शायद स्वतंत्र भारत में भारत के सबसे अक्षम गृह मंत्री हैं। जिस तरह से उन्होंने बात की, उनका लहजा, उनका लहजा और बॉडी लैंग्वेज पूरी तरह से अहंकार से भरा हुआ था। वह सत्ता के नशे में चूर हैं। वह बूढ़े हो गए हैं और उन्हें नहीं पता कि वह क्या बोल रहे हैं। यह कुछ और नहीं बल्कि उनकी मनुस्मृति विचारधारा है जो उन्हें

इतना अहंकारी बना रही है। 240 सीटें होने पर ही वे इस तरह की बातें कर रहे हैं, कल्पना करें कि अगर उन्हें 400 सीटें मिलतीं तो क्या होता। भाजपा द्वारा बार-बार बीआर अंबेडकर का अपमान बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। उन्होंने आगे कहा कि कांग्रेस मनुस्मृति को इस देश की विचारधारा पर हावी नहीं होने देगी। उन्होंने कहा हम किसी भी स्थिति में मनुस्मृति को इस देश की विचारधारा पर हावी नहीं होने देंगे। यह देश डॉ. बीआर अंबेडकर द्वारा दिए गए भारत के संविधान द्वारा संचालित है। यह देश मनुस्मृति द्वारा संचालित नहीं है। इससे पहले राज्यसभा में विपक्ष के नेता मल्लिकार्जुन खड़गे ने राज्यसभा में एक बहस के दौरान पूर्व कानून और न्याय मंत्री बीआर अंबेडकर पर अपनी टिप्पणी के लिए अमित शाह के खिलाफ विशेषाधिकार हनन का नोटिस दायर किया। खड़गे ने आरोप लगाया कि शाह की टिप्पणी अंबेडकर का अपमान करती है और उनके खिलाफ विशेषाधिकार कार्यवाही की मांग की। राज्यसभा के सभापति को लिखे अपने पत्र में खड़गे ने भारत के संविधान के 75 वर्षों की गौरवशाली यात्रा पर चर्चा के दौरान शाह के बयान का जिक्र किया। शाह ने कथित तौर पर कहा था, सर, यह अब एक फैशन बन गया है, अंबेडकर, अंबेडकर, अंबेडकर, अंबेडकर, अंबेडकर, अंबेडकर, अंबेडकर। अगर आपने भगवान का इतना नाम लिया होता, तो आपको 7 जन्मों के लिए स्वर्ग मिल जाता। खड़गे ने टिप्पणी को व्यंग्यपूर्ण बताया और कहा कि यह बुरे इरादे से की गई थी। उन्होंने लिखा सबसे पहले, मैं यह बताना चाहूंगा कि यह अच्छी तरह से स्थापित है कि सदन की उपस्थिति में कोई भी कदाचार या अपमानजनक बयान देना विशेषाधिकार का उल्लंघन और सदन की अवमानना है।

श्री मरुधरा जैन संघ के सदस्यों का शपथ ग्रहण समारोह रविवार को

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। श्री मरुधरा जैन संघ के 31 गांवों के कुल 27 मनोनीत सदस्यों का शपथग्रहण समारोह रविवार को गोडवाड भवन में होगा। संघ के अध्यक्ष डॉ. जवरीलाल लूनावत की अध्यक्षता में कार्यकारिणी की प्रथम बैठक रविवार को सुबह दस बजे गोडवाड भवन में शुरू होगी। साथ ही सभी सदस्यों को पद व गोपनीयता की शपथ दिलाई जायेगी। लूनावत ने बताया बैठक में चार सलाहकार सदस्य एवं नवयुवक व महिला मंडल के अध्यक्ष व मंत्री को भी आमंत्रित किया गया है। बैठक में कई महत्वपूर्ण मुद्दों पर चर्चा की जायेगी।

कांग्रेसियों के लिए संविधान लेकर घूमना नौटंकी के अलावा कुछ नहीं:चलवाडी नारायणस्वामी

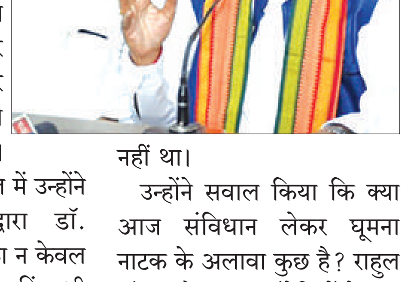

बेलगावी/शुभ लाभ ब्यूरो। विधान परिषद में विपक्ष के नेता चलवाडी नारायणस्वामी ने कांग्रेस पार्टी पर डॉ. बीआर अंबेडकर पर लगातार आहत और धोखा देने का आरोप लगाया। यहां मीडिया से बातचीत में उन्होंने कहा, कांग्रेसियों द्वारा डॉ. अम्बेडकर के बयानों का न केवल विरोध किया गया बल्कि निंदा भी की गई। जब बाबा साहेब ने अंग्रेजों से दलितों के लिए अलग निर्वाचन क्षेत्र की मांग की, तो कांग्रेसियों ने इसका विरोध किया।

उन्होंने बताया कि जब वह चुनाव में खड़े हुए थे, तब भी उन्हें नेहरू ने हरा दिया था। इतने प्रतिभाशाली व्यक्ति ने भले ही संविधान लिखा, लेकिन उन्होंने इस बात पर अफसोस जताया कि इस देश में उनके द्वारा लिखा गया संविधान जम्मू-कश्मीर में लागू नहीं था।

उन्होंने सवाल किया कि क्या आज संविधान लेकर घूमना नाटक के अलावा कुछ है? राहुल गांधी और अन्य कांग्रेसियों ने शुरू से ही संविधान की प्रति क्यों नहीं पकड़ी? उन्होंने पूछा कि क्या आज हमें आजादी मिली है। उन्होंने आपत्ति जताई कि संविधान प्रदर्शनी महज एक नाटक है। दलितों को आकर्षित करने और वोट बैंक के लिए आपके द्वारा उठाए गए कदम निंदनीय हैं। अमित शाह ने जो कहा वह 100 प्रतिशत सच है। कांग्रेस दलित विरोधी है। कांग्रेस पार्टी डॉ. अंबेडकर के खिलाफ हैं।

बेलगावी में शताब्दी एआईसीसी अधिवेशन

वक्फ विरोध प्रदर्शन की योजना पर भाजपा को कानूनी कार्रवाई की चेतावनी

बेलगावी/शुभ लाभ ब्यूरो। कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्धरामैया ने भाजपा को चेतावनी दी कि अगर बेलगावी में 100 साल पुराने ऐतिहासिक एआईसीसी सत्र में बाधा डाली गई तो कानूनी कार्रवाई की जाएगी। बेलगावी में सुवर्ण विधान सौधा में पत्रकारों से बात करते हुए, मुख्यमंत्री सिद्धरामैया ने एआईसीसी सत्र के साथ भाजपा के वक्फ विरोध पर टिप्पणी करते हुए कहा अगर वे महात्मा गांधी से प्रेरित एआईसीसी सत्र में बाधा डालने का प्रयास करते हैं, तो कानूनी कार्रवाई की जाएगी। कांग्रेस महात्मा गांधी के एआईसीसी अध्यक्ष बनने और 1924 में बेलगावी सत्र के दौरान स्वतंत्रता संग्राम में नेतृत्व की भूमिका संभालने की घटना को याद करने के लिए 26 और 27 दिसंबर को एक बड़े राष्ट्रीय स्तर के कार्यक्रम का आयोजन कर रही

है। भाजपा उसी दिन वक्फ विवाद के सिलसिले में बेलगावी में एक बड़े विरोध प्रदर्शन की योजना बना रही है। अगर महात्मा गांधी ने स्वतंत्रता संग्राम का नेतृत्व नहीं किया होता, तो क्या हमें स्वतंत्रता मिलती? सीएम सिद्धरामैया ने सवाल किया कि आज हम जिन अधिकारों का इस्तेमाल कर रहे हैं, वे संविधान लागू होने के बाद ही संभव हैं। उन्होंने कहा गोलवलकर, हेडगेवार और सावरकर जैसे नेताओं का संविधान विरोधी रुख था। भाजपा भारतीय मूल्यों में विश्वास नहीं करती और इसके बजाय मनुस्मृति को बढ़ावा देती है। बेलगावी सत्र के दौरान भाजपा द्वारा बार-बार व्यवधान डालने के आरोप पर सीएम सिद्धरामैया ने कहा विपक्ष के तौर पर भाजपा को राज्य के विकास और सरकार की कमियों पर चर्चा करनी चाहिए। हालांकि, वे सत्र का इस्तेमाल राजनीतिक उद्देश्यों के लिए कर रहे हैं। भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष बी.वाई. विजयेंद्र द्वारा उनके खिलाफ 150 करोड़ रुपये के रिश्वत मामले और वक्फ मामलों को सीबीआई को सौंपने की मांग पर जवाब देते हुए सिद्धरामैया ने पूछा, 2008 से 2013 और 2018 से 2023 तक, क्या भाजपा ने कोई मामला सीबीआई को सौंपा? ऐसी मांग करने के लिए उनके पास नैतिक आधार नहीं है। सिद्धरामैया ने आगे कहा कि गृह लक्ष्मी योजना को बंद करने का कोई सवाल ही नहीं है, जो महिलाओं को आर्थिक और सामाजिक रूप से सशक्त बनाती है। उन्होंने बेलगावी में सुवर्ण सौधा में एकत्रित गृह लक्ष्मी लाभार्थियों से भी मुलाकात की और उनसे बातचीत की। मैंने 25 से अधिक लाभार्थियों से बातचीत की, जिन्होंने गृह लक्ष्मी योजना के धन का उपयोग अपने जीवन के लिए विभिन्न अवसर बनाने के लिए किया है। लाभार्थियों ने योजना से मिलने वाले लाभों के बारे में विस्तार से बताया। उन्होंने इस पहल को लागू करने के लिए मुख्यमंत्री, संबंधित मंत्रियों और सरकार का आभार व्यक्त किया, जिसने उनके जीवन में नई ऊर्जा लाई है। उन्होंने भाजपा के इस आरोप को खारिज कर दिया कि इस योजना ने घरों में बहू और सास के बीच विवाद पैदा किया है। आज, सास और बहू बड़ी संख्या में एक साथ कार्यक्रम में शामिल हुईं और योजना से उन्हें मिले लाभों के बारे में सकारात्मक बातें कीं।

जरूरतमंदों में कम्बल का वितरण

गदग/शुभ लाभ ब्यूरो। भारतीय जैन संगठना गदग शाखा, लायन क्लब गदग बेटगेरी और चैम्बर ऑफ कॉमर्स के सयुंक्त तत्वावधान में जरूरतमंदों में कम्बल का वितरण किया गया। पिछले कुछ दिनों से गदग में तेज ठंडी हवा चल रही है।

शीतलहरी का कहर भी जारी है। दोपहर को भी काफी ठंड पड़ रही है। ठंड का पारा बढ़ने के कारण लोग काफी परेशान है। सड़कों के किनारे सोने वाले गरीब बेसहारा लोगों को काफी मुश्किलों का सामना करना पड़ रहा है।

इसी को ध्यान में रखते हुए भारतीय जैन संगठना गदग शाखा ने गदग शहर के उदारमन सदस्यों के सहयोग से शहर के विभिन्न इलाकों, जैसे रेलवे स्टेशन, बस स्टैंड पर सोने वालों में कंबल का वितरण किया। बीजेएस गदग शाखा के अध्यक्ष अरविन्द बंदा ने बताया कि यह कार्यक्रम फिलहाल दो तीन दिनों तक जारी रहेगा और जरूरत होने पर बढ़ाया जायेगा। गदग शाखा के कार्यदर्शी शैलेष शाह ने सहयोग देने वाले सदस्यों का आभार व्यक्त किया। खजाँची पवन ओस्तवाल ने सभी का आभार व्यक्त किया। इस अवसर पर अरविन्द बंदा, शैलेष शाह, पवन ओस्तवाल, पृथ्वीराज संकलेचा, मदन ओसवाल, जयंतीलाल कवाड़, रतनचंद भंसाली, कमलेश बोरा, दिनेश फोलामुथा, सज्जन पारेख, लायन क्लब के नितीश साली, चैम्बर ऑफ कॉमर्स के राजु लिंगराज समेत कई सदस्य उप-स्थित थे।

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। *विजय सेना बेंगलूरु द्वारा राजगोपाल नगर में आयोजित भुवनेश्वरी उत्सव में मुख्य अतिथि महेंद्र मुणोत ने जरूरतमंद बच्चों में शिक्षण सामग्री वितरित कर मेधावी विद्यार्थियों को पुरस्कृत किया। आयोजकों ने मुणोत को सम्मानित किया।*

मांडोत कर्नाटक आइकॉनिक एक्सीलेंस एवार्ड से सम्मानित

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। प्रगति मीडिया इवेंट्स ने एक समारोह में कर्नाटक राज्य और लोगों के लिए उनके योगदान और उपलब्धियों के लिए पूरे कर्नाटक से चुने गए कई प्रतिष्ठित व्यक्तियों और सामाजिक कार्यकर्ताओं को कर्नाटक आइकॉनिक एक्सीलेंस एवार्ड 2024 से सम्मानित किया।

इसी क्रम में क्षेत्रीय रेलवे उपयोगकर्ता परामर्शदात्री समिति दक्षिण पश्चिमी रेलवे और दक्षिणी रेलवे के पूर्व सदस्य, बेंगलूरु मेट्रो और उपनगरीय रेल यात्री संघ के संस्थापक अध्यक्ष प्रकाश मांडोत को रेलवे क्षेत्र में पूरे भारत और विशेष रूप से कर्नाटक सामाजिक और सार्वजनिक सामुदायिक सेवा में उनकी 30 वर्षों की सेवा और योगदान के लिए सम्मानित किया गया।

यह सम्मान डॉ. सी. सोमशेखर आईएएस (सेवानिवृत्त) और डॉ.मीना कोडंडाराम रामिआहा निदेशक रामिआहा कैपिटल प्राइवेट लिमिटेड और संस्थापक और निदेशक टील आयुर्वेद थावरे ने दिया।

प्रकाश मांडोत के प्रयासों के कारण कई परियोजनाओं को मंजूरी दी गई, नई ट्रेनें शुरू की गईं और यात्री सुविधाएं और बुनियादी ढांचे को रेल मंत्रालय द्वारा मंजूरी दी गई। इससे पहले प्रकाश मांडोत को रेलवे क्षेत्र से संबंधित बेंगलूरु कर्नाटक राज्य के लिए बहुमूल्य योगदान के लिए राज्योत्सव पुरस्कार 2024 लाइफटाइम अचीवमेंट अवार्ड से सम्मानित किया गया था।

स्नेह मिलन व नेत्र परीक्षण शिविर 22 को

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। उत्तर प्रदेश सेवा मंडल का दीपावली स्नेह मिलन समारोह दीपोत्सव रविवार को वैष्णव समाज भवन, गांधी नगर में आयोजित किया जाएगा। जिसमें सेवा मंडल के सदस्य सपरिवार शामिल होंगे।

मंडल के अध्यक्ष केके दूबे एवं सचिव वीके पटेल ने बताया कि दीपोत्सव सायं 5.30 बजे से रात्रि 9.30 बजे तक चलेगा। स्नेह मिलन की शुरुआत दीप प्रज्ज्वलन से होगी और इसके पश्चात दीपोत्सव धमाल में विविध मनोरंजन, गीत-संगीत एवं बच्चों के लिए रोचक कार्यक्रम भी होंगे। इसके साथ ही सेवा मंडल की ओर से नेत्र परीक्षण शिविर भी रखा गया है, जिसमें डॉक्टर टी. मोहन राज शिविर में आने वाले लोगों की आँखों की जाँच करेंगे। शिविर प्रात: 10.30 से प्रारंभ होगा और दोपहर 1.30 बजे तक चलेगा।

हमारे संविधान के निर्माता का सम्मान करना हमारा कर्तव्य: शिवकुमार

बेलगावी/शुभ लाभ ब्यूरो। राज्य विधानसभा में गुरुवार को अभूतपूर्व दृश्य देखने को मिले, जब सत्तारूढ़ कांग्रेस के सभी सदस्यों ने केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह की अपमानजनक टिप्पणी के खिलाफ अपनी सीटों के सामने भारतीय संविधान के निर्माता डॉ. बी.आर. अंबेडकर की तस्वीरें लेकर एक अनोखा विरोध प्रदर्शन किया, जबकि विपक्षी भाजपा और जेडीएस के सदस्यों ने सदन से वॉकआउट किया। बुधवार को भारतीय संविधान के 75 साल पूरे होने पर राज्यसभा में हुई बहस के जवाब में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के बाद भाजपा के दूसरे सबसे प्रमुख नेता ने टिप्पणी की थी कि विपक्षी सदस्यों के लिए अंबेडकर का नाम बार-बार जपना एक फैशन बन गया है और अगर उन्होंने भगवान राम का नाम उतनी ही बार जप लिया होता, जितनी बार वे अंबेडकर का जप करते हैं, तो वे स्वर्ग चले जाते। बेलगावी सुवर्ण विधान सौधा में अपनी सीटों के सामने डॉ. अंबेडकर की तस्वीरें रखकर सत्तारूढ़ कांग्रेस सदस्यों द्वारा एक अनोखे विरोध प्रदर्शन के खिलाफ भाजपा और जेडीएस सदस्यों द्वारा विधानसभा से वॉकआउट करने के बाद, उपमुख्यमंत्री डी के शिवकुमार ने अंबेडकर के खिलाफ अमित शाह की अपमानजनक टिप्पणी को अहंकार की पराकाष्ठा करार दिया और पूछा कि अंबेडकर के नाम और संविधान की शपथ के अलावा और किसका नाम लिया जा सकता है। शिवकुमार ने कहा हमारे संविधान के निर्माता का सम्मान करना हमारा कर्तव्य है। हम बसवन्ना की शिक्षा कार्य ही कर्म है में विश्वास करते हैं। उपमुख्यमंत्री ने सत्तारूढ़ कांग्रेस सदस्यों द्वारा अपनी सीटों के सामने अंबेडकर की तस्वीरें रखकर अमित शाह के खिलाफ विरोध प्रदर्शन को उचित ठहराया और कहा कि डॉ. अंबेडकर के अपमान पर व्यापक बहस की आवश्यकता है। सत्तारूढ़ कांग्रेस पार्टी द्वारा पोस्टर युद्ध का जवाब देते हुए, भाजपा ने भी कांग्रेस ने अंबेडकर का अपमान किया नारे वाले पोस्टर सदन में लाए और उन्हें अपनी डेस्क पर रख दिया।

राजस्व निरीक्षक को लोकायुक्त ने 4 लाख की रिश्वत लेते रंगे हाथों पकड़ा

मेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। लोकायुक्त पुलिस ने सूरतकल जंक्शन के पास एक संपत्ति में वारिसों के नाम जोड़ने की प्रक्रिया के लिए 4 लाख रुपये की रिश्वत लेते हुए राजस्व निरीक्षक जी एस दिनेश को रंगे हाथों गिरफ्तार किया।

रिपोर्ट के अनुसार, शिकायतकर्ता की दादी पद्मावती का निधन हो गया था, और शिकायतकर्ता ने संपत्ति के आरटीसी (अधिकार, किरायेदारी और फसलों का रिकॉर्ड) में वारिसों के नाम अपडेट करने के लिए पिछले साल मुल्की तालुक तहसीलदार के कार्यालय से संपर्क किया था। आवेदन को मुल्की राजस्व निरीक्षक के कार्यालय में भेज दिया गया था, लेकिन जी एस दिनेश कथित तौर पर एक साल से अधिक समय तक इस पर कार्रवाई करने में विफल रहे। 9 दिसंबर को, जब शिकायतकर्ता आवेदन की स्थिति के बारे में पूछताछ करने के लिए राजस्व निरीक्षक के कार्यालय गए, तो दिनेश ने कथित तौर पर इसे संसाधित करने के लिए 4 लाख रुपये की रिश्वत की मांग की। शिकायतकर्ता ने इस मांग की सूचना लोकायुक्त पुलिस स्टेशन को दी। शिकायत पर कार्रवाई करते हुए लोकायुक्त पुलिस ने जाल बिछाया और गुरुवार को सूरतकल जंक्शन के पास शिकायतकर्ता से रिश्वत लेते हुए दिनेश को रंगे हाथों पकड़ लिया। राजस्व निरीक्षक को लोकायुक्त टीम ने हिरासत में ले लिया है। यह कार्रवाई कर्नाटक लोकायुक्त मेंगलूरु के एसपी एमए नटराज की देखरेख में की गई। कार्रवाई करने वाली टीम में एएसपी डॉ गण पी कुमार, इंस्पेक्टर अमानुल्लाह ए, सुरेश कुमार पी, चंद्रशेखर के एन और अन्य अधिकारी शामिल थे।

एएसआई ने हम्पी के पान सुपारी बाजार की शुरू की खुदाई

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण (एएसआई) के अधिकारी विजयनगर जिले के हम्पी में हजारा राम मंदिर और श्रृंगारदा हेब्बागिलु (सुंदर मुख्य प्रवेश द्वार) के बीच एक किलोमीटर लंबे पान सुपारी बाजार की खुदाई कर रहे हैं।

उनका मानना है कि विजयनगर काल के दौरान पेड्डा अंगदी वीधी कहलाने वाली सड़क का यह हिस्सा वह जगह है जहाँ विशाल मध्ययुगीन दक्षिण भारतीय साम्राज्य के चरम के दौरान सोना और अन्य कीमती धातुएँ बेची जाती थीं। खुदाई के पिछले 10 दिनों में, अधिकारियों ने लाल मिट्टी के बर्तन, ग्रेवेयर और चीनी मिट्टी के बर्तन जैसे बर्तनों के टुकड़े निकाले हैं। 15वीं शताब्दी से संबंधित बताए जाने वाले कांस्य या तांबे से बने टेराकोटा मनके और एक सिक्का भी मिला है। यह खुदाई यात्रियों द्वारा विभिन्न मंदिरों, स्मारकों और पुस्तकों में पाए गए इतिहास और शिलालेखों पर आधारित है। विजयनगर में अधिकांश शोध शहर के दक्षिणी, पश्चिमी और उत्तरी क्षेत्रों पर केंद्रित है।

एएसआई हम्पी सर्किल के पुरातत्वविद् निखिल दास ने बताया शहर का पूर्वी हिस्सा अपेक्षाकृत कम खोजा गया है। मंदिरों पर शिलालेख और विदेशी यात्रियों के अभिलेखों से इस बात के निर्विवाद प्रमाण मिलते हैं कि एक जगह पर एक संपन्न बाजार था जिसे अब पान सुपारी बाजार के नाम से जाना जाता है। उन्होंने कहा कि विवरण से यह भी पता चलता है कि पेड्डा अंगदी वीधी वह जगह है जहाँ कीमती धातुओं का व्यापार होता था। फारसी यात्री अब्दुल रज्जाक ने अपने इतिहास में राजा के महल के पास चार बाजारों की मौजूदगी के बारे में लिखा है जो एक दूसरे के विपरीत स्थित बहुत लंबे और चौड़े थे। उनके इतिहास में यह भी वर्णन है कि प्रत्येक पेशे से जुड़े प्रत्येक वर्ग के लोगों की दुकानें थीं। जौहरी बाजारों में सार्वजनिक रूप से मोती, माणिक, पन्ना और हीरे बेचते थे। पुर्तगाल के एक यात्री डोमिंगो पेस ने भी बाजार का विवरण देते हुए शाम के मेले के साथ-साथ मूल्यवान उत्पादों की बिक्री का उल्लेख किया है। दास ने कहा उनकी किताबों में जो वर्णन है, वह पान सुपारी बाजार की ओर ले जाता है।

मुडा घोटाला मामला

सीबीआई जांच की मांग वापस लेने के दबाव के आरोपों पर कांग्रेस ने कार्यकर्ता पर किया पलटवार

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। कांग्रेस प्रवक्ता एम. लक्ष्मण ने आरटीआई कार्यकर्ता स्नेहमयी कृष्णा पर हाल ही में लोकायुक्त से की गई शिकायत पर कटाक्ष किया कि उन पर मुडा मामले में सीबीआई जांच की मांग वापस लेने का दबाव था। कार्यकर्ता मुख्यमंत्री सिद्धरामैया की पत्नी पार्वती को मुडा द्वारा भूमि आवंटन के संबंध में कथित अनियमितताओं से संबंधित मामले में शिकायतकर्ता हैं और लोकायुक्त पुलिस द्वारा इसकी जांच की जा रही है। लेकिन लोकायुक्त में विश्वास की कमी का हवाला देते हुए, कृष्णा ने सीबीआई जांच के लिए निर्देश देने की मांग करते हुए कर्नाटक उच्च न्यायालय के समक्ष एक मामला दायर किया है। बुधवार को कृष्णा ने लोकायुक्त के समक्ष एक नई शिकायत भी दर्ज की, जिसमें कहा गया कि उन पर कुछ लोगों द्वारा दबाव डाला जा रहा है, जिन्होंने कथित तौर पर सीबीआई जांच की अपनी मांग वापस लेने पर बड़ी रकम देने की पेशकश की है। घटनाक्रम पर प्रतिक्रिया देते हुए लक्ष्मण ने गुरुवार को मैसूरु में मीडियाकर्मियों से बात करते हुए न केवल कृष्णा द्वारा दायर शिकायत की सामग्री का खंडन किया, बल्कि अदालतों में मामले को आगे बढ़ाने के लिए उनके धन के स्रोत पर भी सवाल उठाया। लक्ष्मण ने पूछा आपकी ओर से बहस करने के लिए देश के शीर्ष वकीलों को नियुक्त करने के लिए धन का स्रोत क्या है? लक्ष्मण ने कृष्णा से उनके आवास पर सुबह 10.30 बजे दो व्यक्तियों की मुलाकात के वीडियो वाली सीडी का जिक्र करते हुए उन्हें पूरे दिन की फुटेज उपलब्ध कराने की चुनौती दी। उन्होंने कहा हमारे पास भी कुछ वीडियो फुटेज हैं और हम उन्हें पुलिस को सौंप देंगे। केपीसीसी प्रवक्ता ने पूरे प्रकरण में कृष्णा को साइड एक्टर करार देते हुए कहा कि इसके पीछे भाजपा और जेडी(एस) के अन्य निर्देशक और निर्माता हैं। उन्होंने कहा हम उन्हें उचित समय पर बेनकाब करेंगे।

कृष्णा पर सरकारी अधिकारियों से जबरन वसूली और ब्लैकमेलिंग का आरोप लगाते हुए लक्ष्मण ने कहा कि कांग्रेस को पता है कि मुडा मामले में उनके पीछे कौन-कौन ताकतें और लोग हैं। केपीसीसी प्रवक्ता ने डॉ. बी.आर. अंबेडकर पर की गई टिप्पणी के लिए केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह पर भी निशाना साधा। उन्होंने कहा कि डॉ. अंबेडकर किसी जाति या समुदाय के नहीं थे, बल्कि सभी के थे और संविधान की वजह से ही नरेंद्र मोदी प्रधानमंत्री बने हैं। लक्ष्मण ने कहा शाह की टिप्पणी लोकतंत्र और संविधान का अपमान है और इसलिए उन्हें बर्खास्त किया जाना चाहिए। इससे पहले राज्य के मुख्यमंत्री सिद्धरामैया से जुड़े मैसूरु शहरी विकास प्राधिकरण (मुडा) मामले में याचिकाकर्ता स्नेहमयी कृष्णा ने बुधवार को दावा किया था कि मामले की केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) जांच की मांग करने वाली अपनी याचिका वापस लेने के लिए उन्हें बड़ी रकम की पेशकश की जा रही है। यह घटनाक्रम इसलिए महत्वपूर्ण हो गया है क्योंकि कर्नाटक उच्च न्यायालय गुरुवार को मुडा मामले की सीबीआई जांच की मांग करने वाली याचिका पर सुनवाई करने वाली थी। कृष्णा ने इस संबंध में बुधवार को कर्नाटक लोकायुक्त के समक्ष शिकायत दर्ज कराई और जांच अधिकारी से मामले की जांच करने का आग्रह किया।

हर्ष तुरंत मेरे पैरों पर गिर पड़ा

उन्होंने एक कथित सीसीटीवी फुटेज की प्रति भी उपलब्ध कराई है जिसमें हर्ष नामक व्यक्ति सीएम सिद्धरामैया की पत्नी का निजी सहायक होने का दावा करते हुए उनके परिवार से संपर्क करता हुआ दिखाई दे रहा है। हर्ष नामक व्यक्ति सीएम सिद्धरामैया की पत्नी पार्वती का निजी सहायक होने का दावा करते हुए एक परिचित व्यक्ति श्रीनिधि के माध्यम से मेरे पास आया और मुझसे मुडा मामले में सहयोग करने के लिए कहा। जब मैंने मना कर दिया, तो हर्ष मेरे घर के पास आया, मेरे बेटे से बात की और उसे किसी भी राशि का लालच देने की कोशिश की। 13 दिसंबर को दोपहर 12 बजे, जब मैं मुडा कार्यालय में था, श्रीनिधि हर्ष को साथ लेकर आया और उसे सीएम सिद्धरामैया की पत्नी पार्वती के निजी सहायक के रूप में पेश किया। श्रीनिधि ने मुझसे कहा कि हर्ष मुझसे व्यक्तिगत रूप से बात करना चाहता है। हर्ष तुरंत मेरे पैरों पर गिर पड़ा और कहा कि पार्वती मानसिक रूप से परेशान है और सो या खा नहीं पा रही है। उसने दावा किया कि उसने आधी रात को उसे फोन किया, और कहा कि वह सो नहीं पा रही है और मुडा मामले की वजह से उसे मानसिक रूप से प्रताड़ित किया जा रहा है। हर्ष ने मुझसे मुडा मामले को सीबीआई को न सौंपने की विनती की, इसके बजाय लोकायुक्त से जांच करवाने का सुझाव दिया।

प्राइमरी और हाई स्कूलों में शिक्षकों के 59,772 पद खाली: मधु बंगारप्पा

बेलगावी/शुभ लाभ ब्यूरो। स्कूल शिक्षा और साक्षरता मंत्री एस. मधुबंगारप्पा ने विधानसभा को बताया कि राज्य में सरकारी प्राथमिक और उच्च विद्यालयों में शिक्षकों के 59,772 पद खाली हैं। प्रश्नोत्तरी सत्र के दौरान भाजपा विधायक के. गोपालैया की ओर से विधायक भैरती बसवराजू द्वारा उठाए गए सवाल का जवाब देते हुए मंत्री ने कहा कि राज्य में कुल 46,755 स्कूल हैं और शिक्षकों के 1,65,618 पद खाली हैं। प्राथमिक शिक्षा में 50,067 रिक्तियां और उच्च विद्यालयों में 9,705 रिक्तियां हैं। छात्रों को परेशानी न हो इसके लिए 45,000 अतिथि शिक्षकों की नियुक्ति की गई है। 13,500 शिक्षकों की भर्ती प्रक्रिया पहले ही पूरी हो चुकी है और 12,000 शिक्षकों की नियुक्ति हो चुकी है। 700 शिक्षकों की नियुक्ति का मामला सुप्रीम कोर्ट में लंबित है। उन्होंने कहा कि कल्याण कर्नाटक में 5,300 शिक्षकों की भर्ती की प्रक्रिया शुरू कर दी गई है। पिछली सरकार में साढ़े तीन साल में मात्र 4500 शिक्षकों की नियुक्ति हुई थी। सहायता प्राप्त विद्यालयों में शिक्षकों की नियुक्ति का भी प्रावधान किया गया है। महालक्ष्मी लेआउट विधानसभा क्षेत्र में 20 शिक्षकों की कमी है और अतिथि शिक्षकों की नियुक्ति की गई है। पिछले तीन वर्षों में 20 कमरों के निर्माण के लिए 241.19 लाख का अनुदान दिया गया हैं। भाजपा विधायक बीसी पाटिल की ओर से विधायक वी. सुनीलकुमार के सवाल का जवाब देते हुए मंत्री ने कहा कि स्नातक महाविद्यालयों के अतिथि शिक्षकों का मानदेय बढ़ाने के प्रयास किये जा रहे हैं। अतिथि शिक्षकों के धरना स्थल पर जाकर यह याचिका प्राप्त की

गई। मानदेय में बढ़ोतरी की मांग को वित्त विभाग ने खारिज कर दिया है। मानदेय 30 हजार रुपये प्रतिमाह करना मुश्किल है। सुनील कुमार ने कहा आप पूर्व मुख्यमंत्री बंगारप्पा के बेटे हैं। बंगारप्पा साहसपूर्वक परियोजनाओं को लागू कर रहे थे। उन्होंने कहा कि जब आप जवाब देंगे तो मुख्यमंत्री सिद्धरामैया भी बंगारप्पा की तरह ही कार्रवाई करेंगे। जिसके बाद मंत्री ने कहा कि अतिथि व्याख्याताओं का मानदेय 9 हजार से बढ़ाकर 12 हजार प्रतिमाह कर दिया गया है। उन्होंने कहा कि अतिथि व्याख्याताओं का कार्यभार सप्ताह में 10 घंटे निर्धारित है। स्पीकर यूटी खादर ने हस्तक्षेप करते हुए कहा कि गेस्ट लेक्चरर्स की सैलरी बढ़ाई जानी चाहिए। उनका तनाव कम होना चाहिए। उन्होंने इसका जल्द समाधान निकालने की सलाह दी। विपक्ष के नेता आर अशोक ने कहा कि न्यूनतम वेतन 18 हजार रुपये है। अतिथि व्याख्याताओं को तो और भी कम मानदेय दिया जाता है। स्नातक कॉलेजों के अतिथि व्याख्याताओं का मानदेय पहले ही बढ़ाया जा चुका है। उन्हें भी बढ़ाना चाहिए। उन्होंने मांग की कि उन्हें हर माह मानदेय देकर सम्मान से जीने दिया जाए। मंत्री मधुबंगरप्पा ने जेडीएस विधायक जीटी देवेगौड़ा के सवाल के जवाब में कहा कि चामुंडेश्वरी विधानसभा क्षेत्र में 173 सरकारी स्कूल हैं और 88 स्कूलों के 200 कमरे जर्जर हैं। विद्यालय भवनों के मरम्मत कार्य हेतु विगत तीन वर्षों में विभिन्न योजनाओं के अंतर्गत 56 विद्यालयों के 74 कक्षों के मरम्मत कार्य हेतु 174.21 लाख का अनुदान स्वीकृत हुआ है। जीटी देवेगौड़ा ने कहा कि सैकड़ों साल पुराने स्कूल भवन की मरम्मत नहीं करायी गयी है। पेड़ के नीचे स्कूल लगते हैं। कम से कम 10 लाख दी जानी चाहिए। उन्होंने कहा कि उद्योगों को अपने-अपने क्षेत्र में सीएसआर फंड देना चाहिए। तब स्पीकर ने हस्तक्षेप कर कहा सीएसआर फंड का अधिक उपयोग होना चाहिए। विधायकों की भी जिम्मेदारी है। उन्होंने सुझाव दिया कि स्कूलों के भवन निर्माण के लिए विशेष निधि अनुदान दिया जाना चाहिए।

हाथी के हमले में वृद्ध किसान की मौत

चिक्कमगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। जिले के एन.आर. पुरा तालुक के मदाबुर में एक जंगली हाथी ने एक किसान को कुचलकर मार डाला। मृतक की पहचान 72 वर्षीय के.के. अलियाज के रूप में हुई है। किसान और उसका बेटा एक भैंस की तलाश कर रहे थे जो गायब थी। जंगली हाथी का सामना होने पर बेटा खुद को बचाने के लिए पेड़ पर चढ़ गया, लेकिन उसका पिता हाथी से बच नहीं सका। घटना के बाद स्थानीय पुलिस और वन विभाग के अधिकारी गांव पहुंचे। पिछले 20 दिनों में जिले में हाथी के हमले से यह दूसरी मौत है। इससे पहले, एन.आर. पुरा तालुक के सीथुर निवासी उमेश की हाथी के हमले में मौत हो गई थी। स्थानीय लोगों ने कर्नाटक सरकार से इलाके में घूम रहे सभी जंगली हाथियों को पकड़कर उन्हें दूसरे इलाके में स्थानांतरित करने की मांग को लेकर विरोध प्रदर्शन किया था।

कर्नाटक विधानसभा में अमित शाह के अंबेडकर पर टिप्पणी को लेकर हंगामा

बेलगावी/शुभ लाभ ब्यूरो। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह द्वारा भारतीय संविधान के निर्माता बी आर अंबेडकर पर कथित टिप्पणी को लेकर गुरुवार को कर्नाटक विधानसभा में हंगामा हुआ। जब विपक्ष के नेता आर अशोक बल्लारी और राज्य के अन्य स्थानों पर मातृ मृत्यु पर चर्चा के दौरान बोल रहे थे, तो कांग्रेस विधायक एच सी बालकृष्ण ने बीच में टोकते हुए कहा कि वह एक प्रस्ताव पेश करना चाहते हैं। कांग्रेस के कई विधायक अंबेडकर की तस्वीरें लेकर खड़े हो गए और नारे लगाने लगे। सदन में जय भीम, हमें न्याय चाहिए और अमित शाह को मंत्रिमंडल से हटाओ जैसे नारे लगाए गए, जिससे विधानसभा अध्यक्ष यू टी खादर को सदन को कुछ समय के लिए स्थगित करना पड़ा। राज्यसभा में संविधान पर चर्चा के दौरान अमित शाह ने कहा था अभी अंबेडकर, अंबेडकर, अंबेडकर, अंबेडकर, कहना एक फैशन बन गया है।

अगर उन्होंने इतनी बार भगवान का नाम लिया होता तो उन्हें स्वर्ग में जगह मिल जाती। शाह ने कहा कि भाजपा खुश है कि कांग्रेस अंबेडकर का नाम ले रही है, लेकिन पार्टी को उनके प्रति अपनी वास्तविक भावनाओं के बारे में भी बोलना चाहिए। उन्होंने बताया कि कैसे अंबेडकर को अनुच्छेद 370 सहित तत्कालीन कांग्रेस नीत सरकार की नीतियों से असहमति का हवाला देते हुए पहले मंत्रिमंडल से इस्तीफा देना पड़ा था। इससे पहले कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्धरामैया ने बुधवार को गृह मंत्री अमित शाह पर बी आर अंबेडकर पर की गई टिप्पणी के लिए निशाना साधा और इसे संविधान के मुख्य निर्माता का अपमान बताया। उन्होंने कहा कि संसद में शाह की टिप्पणी आरएसएस की पुरानी विचारधारा का विस्तार मात्र है। मुख्यमंत्री ने कहा कि अंबेडकर के योगदान के बिना शाह गृह मंत्री नहीं होते और नरेंद्र मोदी प्रधानमंत्री नहीं होते। मुख्यमंत्री राज्यसभा में संविधान पर बहस के दौरान विपक्ष पर कटाक्ष करते हुए शाह की टिप्पणी का जिक्र कर रहे थे। सीएम ने कहा कि कांग्रेस पार्टी और उनके (सिद्धरामैया) लिए अंबेडकर कोई फैशन नहीं बल्कि शाश्वत प्रेरणा हैं। शाह को लिखे एक खुले पत्र में सीएम ने कहा सबसे पहले, मैं आपको डॉ. बाबासाहेब अंबेडकर के बारे में भाजपा की वास्तविक राय को खुलकर सामने लाकर आखिरकार सच बोलने के लिए बधाई देता हूं। संसद में आपके बयान ने हमें आश्चर्यचकित नहीं किया। हम आपकी पार्टी की असली मानसिकता पहले से ही जानते थे। लेकिन अब, पूरे देश ने भारतीय संविधान के निर्माता के प्रति आपके अनादर को देखा है। उन्होंने कहा कि अंबेडकर के संविधान के तहत चलने वाली संसद में खड़े होकर उनकी याद को आदत कहना शाह के अहंकार को दर्शाता है। शाह को इस बेशर्मी भरे कृत्य के लिए बधाई। यह कहकर देश को गुमराह करने की कोशिश न करें। मैं बाबासाहेब का बहुत सम्मान करता हूं, और मेरे शब्दों को तोड़-मरोड़ कर पेश किया गया। सीएम ने कहा हम भोले नहीं हैं। अपनी बात पर कायम रहें और देश का सामना करें।

स्वास्थ्य विभाग को संविदा कर्मचारियों को स्थायी करने की अनुमति नहीं: गुंडूराव

बेलगावी/शुभ लाभ ब्यूरो। स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्री दिनेश गुंडू राव ने विधानसभा को बताया कि केंद्र सरकार की राष्ट्रीय स्वास्थ्य अभियान योजना के तहत अनुबंध और आउटसोर्सिंग के आधार पर अपनी ड्यूटी निभा रहे कर्मचारियों को स्थायी करने का कोई अवसर नहीं है।

लेकिन वेतन में 15 प्रतिशत की बढ़ोतरी की गई है। प्रश्नोत्तरी सत्र के दौरान उडुपी विधायक यशपाल सुवर्णा के सवाल का जवाब देते हुए मंत्री ने कहा कि एनएचएम अभियान कार्यक्रम के कार्यान्वयन के लिए कर्मचारियों को अनुबंध के आधार पर नियुक्त किया गया था और यदि अभियान समाप्त हो गया, तो भर्ती भी समाप्त हो जाएगी। सेवानिवृत्त आईएएस अधिकारी पीएन श्रीनिवासचारी की रिपोर्ट के आधार पर हर साल वेतन में 5 प्रतिशत की बढ़ोतरी की जाएगी। एपीएल राशन कार्ड के साथ भी 5 लाख रुपये तक का स्वास्थ्य बीमा प्रदान किया जाता है। मृत्यु की स्थिति में 10 लाख की बीमा सुविधा प्राप्त करने का आदेश जारी कर दिया गया है। एक बार स्थानांतरण की भी अनुमति है और भर्ती के समय 2 प्रतिशत ग्रेच्युटी दी जाएगी। उन्होंने कहा कि इस संबंध में जल्द ही आदेश जारी किया जायेगा। यादगिरि विधायक चन्नारेड्डी पाटिल तुन्नूर के एक प्रश्न का उत्तर देते हुए, मंत्री ने कहा कि 2022-23 के बजट में यादगिरि जिला अस्पताल में आयुष विभाग शुरू करने की एक नई योजना की घोषणा की गई थी। लेकिन फंडिंग की कमी है। अनुदान का उपयोग जिला अस्पताल की मरम्मत और उन्नयन के लिए किया गया था। यादगिरी जिला अस्पताल में 10-10 बिस्तरों की क्षमता वाले आयुर्वेदिक और यूनानी अस्पताल कार्यरत हैं। फंड के अभाव में आयुष अस्पताल फिलहाल संभव नहीं है। उन्होंने आने वाले दिनों में धन की उपलब्धता के आधार पर यह अस्पताल उपलब्ध कराने का वादा किया।

प्रसूताओं की मौत मामले की होगी न्यायिक जांच: मंत्री दिनेश गुंडूराव

बेलगावी/शुभ लाभ ब्यूरो। स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री दिनेश गुंडूराव ने विधानसभा में कहा कि बल्लारी में मातृ मृत्यु मामले की जांच एक सेवानिवृत्त न्यायाधीश के नेतृत्व में की जाएगी। राज्य में हाल ही में हुई मौत के संबंध में नियम 69 पर हुई बहस का जवाब देते हुए उन्होंने कहा कि ऐसी मौत के लिए जिम्मेदार लोगों और जो भी दोषी हैं, उनके खिलाफ कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने कहा कि हम नियंत्रण लाने के लिए एक नीति लागू करेंगे ताकि ऐसे मामले दोबारा न हों। भारतीय फार्मेसी कंपनियों की दुनिया भर में डिलीवरी की अच्छी प्रतिष्ठा है। इसी तरह दवा कंपनियों की लॉबी भी बहुत बड़ी है। कुछ गलतियों पर पर्दा डाल दिया जाता है। उन्होंने कहा कि इस संबंध में मुख्यमंत्री से न्यायिक जांच की मांग की जायेगी। हिमाचल प्रदेश, उत्तराखंड राज्यों में अधिक दवा निर्माता कंपनियां हैं। यदि खराब दवा से दवा लेने वाला व्यक्ति मर जाता है तो ऐसी कंपनी को अधिक सजा मिलनी चाहिए। साथ ही परिजनों को मुआवजा दिया जाएगा। अगर मेरे और हमारे बीच कोई असफलता है तो उसे कार्रवाई में उजागर होने दीजिए। इस मामले में कोई छुपी बात नहीं है। राज्य में अन्यत्र होने वाली मौतों पर भी मेडिकल ऑडिट किया जाता है। उन्होंने कहा कि इस मामले को यहीं नहीं छोड़ा जाएगा और इसे बड़े पैमाने पर ले

जाया जाएगा। ऐसी मौतों से हम भी दुखी हैं। दवा की खराब आपूर्ति घोर अन्याय है। सभी को समान गुणवत्ता की दवाएँ उपलब्ध करायी जानी चाहिए। दूसरे देशों को एक तरह की दवा, हमारे लिए एक तरह की दवा की आपूर्ति सही नहीं है। उनकी लॉबी बड़ी है। ऐसे मामलों में अब तक कोई सख्त कार्रवाई नहीं की गई है। बल्लारी अस्पताल को आपूर्ति किए गए खत सॉल्यूशन का पांच बार परीक्षण किया गया और इसे ठीक पाया गया। लेकिन छठी बार जब इसका परीक्षण किया गया तो यह खराब निकला। उन्होंने कहा कि क्या इस तरह से एनएबीएल पर निर्भर रहना संभव होगा। यह मामला यहीं खत्म नहीं होना चाहिए, इसलिए हमने ड्रग कंट्रोलर को लंबी-चौड़ी जानकारियों वाला एक पत्र लिखा है। उन्होंने कहा कि ड्रग रे-गुलेटर को ऐसे मामलों में कार्रवाई करनी चाहिए। नवंबर में बल्लारी अस्पताल में 34 सीजेरियन ऑपरेशन किए गए। उनमें से, 7 को समस्याएँ हुईं, 5 की मृत्यु हो गई और 2 बच गए। इस मामले की जानकारी होने पर राजीव गांधी स्वास्थ्य वि. वि. की टीम ने जांच कर रिपोर्ट प्राप्त की है। डॉक्टर ने सेवा की और अपना कर्तव्य ठीक से निभाया। लेकिन जाहिर तौर पर यह दवा संबंधी त्रुटि थी। यहां जो दवा खराब गुणवत्ता की पाई गई, उसे सीडीएल ने अच्छी गुणवत्ता का बताया है। हालाँकि, हमने यह दवा जारी नहीं की। इस दवा के अलावा बैच 192 भी जारी नहीं किया गया। मार्च माह में ही इसका परीक्षण किया गया तो गड़बड़ी पकड़ी गयी। लेकिन जून के बाद मांग में तेजी आई। केवल गुणवत्तापूर्ण दवाएँ जारी की गईं। अक्टूबर तक कोई समस्या नहीं थी। दिनेश गुंडूर राव ने कहा कि जब मैं मंत्री बना तो राज्य में दवा का स्टॉक 50 से 60 फीसदी ही था। अब यह 70 से 80 फीसदी तक बढ़ गया है। 736 विभिन्न दवाओं में से 476 दवाओं की आपूर्ति की जाती है। इस साल हम 1120 अलग-अलग तरह की दवाएं खरीद रहे हैं। हम वर्ष 2025-26 के लिए भी निविदा आमंत्रित कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि दवा की आपूर्ति में सुधार हुआ है।

कांग्रेसियों के पास डॉ. अंबेडकर की तस्वीर रखने की भी नैतिकता नहीं: आर अशोक

बेलगावी/शुभ लाभ ब्यूरो। विपक्ष के नेता आर अशोक ने आपत्ति जताई कि लगातार संविधान रचयिता बाबासाहेब डॉ. बीआर अंबेडकर का अपमान करने वाले कांग्रेसियों के पास बाबा साहेब की तस्वीर रखने की भी क्षमता नहीं है। यहां मीडिया प्रतिनिधियों से बातचीत में उन्होंने कहा कि कांग्रेसी डॉ. अम्बेडकर का पोस्टर लगाकर कह रहे हैं कि वे अंबेडकर के पक्ष में हैं। ऐसा कहने के लिए उनके पास क्या नैतिकता है? उन्होंने सवाल किया कि उनके पास उनकी फोटो लेने का अधिकार और क्षमता कहां है। महाराष्ट्र के चुनावों में दो बार पूरी कांग्रेस पार्टी आयी और अम्बेडकर को हराने का जश्न मनाया। पटाखे जलाए गए। उन्होंने पूछा, क्या आपको शर्म नहीं आती? डॉ. अम्बेडकर ने संविधान लिखा। जब अम्बेडकर की मृत्यु हुई तो कांग्रेसियों ने उनके लिए कोई उचित स्थान भी नहीं दिये। जब किसी कांग्रेस सदस्य की मृत्यु हो जाती थी, तो उन्हें जितनी चाहें उतनी एकड़ जमीन मिल जाती थी। इंदिरा गांधी की मृत्यु होने पर उन्हें 10 एकड़ या 20 एकड़ जमीन मिल गई थी और राजीव गांधी की मृत्यु पर उन्हें पचास एकड़ जमीन मिल गई थी। उन्होंने बताया कि ये कांग्रेसी पापी हैं जिन्होंने अंबेडकर के निधन पर छह या तीन सीटें भी नहीं दीं। उनके अनुरोध के बावजूद उन्हें जगह नहीं दी गई, इसलिए उनका अंतिम संस्कार महाराष्ट्र में करना पड़ा। उन्होंने इसकी वजह कांग्रेस

को बताया। इंदिरा गांधी के लिए भारत रत्न, नेहरू के लिए भारत रत्न, राजीव गांधी के लिए भारत रत्न दिया तो डॉ. अम्बेडकर को क्यों नहीं दिया गया? उन्होंने निंदा करते हुए कहा कि आपमें बीआर अंबेडकर की तस्वीर रखने की भी क्षमता नहीं है। बीआर अंबेडकर को भाजपा समर्थित सरकार ने भारत रत्न से सम्मानित किया था। लन्दन सहित विभिन्न स्थानों पर डॉ. बीआर अंबेडकर के 5 महत्वपूर्ण केंद्र भी विकसित किए हैं। उन्होंने इस तथ्य की ओर ध्यान आकर्षित किया कि प्रधानमंत्री ने संसद में जाते समय कहा था कि यह संविधान भगवद गीता की तरह पवित्र है। उन्होंने कांग्रेस नेता से सवाल किया कि क्या उन्होंने इस जीवन में कभी ऐसा कहा है। उन्होंने पूछा कि क्या वह नैतिकता रखकर सदन को बर्बाद कर रहे हैं। उन्होंने लगातार हो रही मातृ मृत्यु के कारण सरकार को ठग सरकार कहा। उन्होंने कहा कि यह साबित हो गया है कि मौत आपके द्वारा दी गयी दवा से हुई है। वहां एक्सपायर्ड दवाएं हैं। इसलिए हमने स्वास्थ्य मंत्री से इस्तीफा मांगा। सरकार ने पूरी योजना बनाई थी कि यह मुद्दा चर्चा में नहीं आना चाहिए। उन्होंने आपत्ति जताई कि अगर सदन को खराब करने का कोई कारण है, तो वह कांग्रेस पार्टी है। हम उनके कृत्य की निंदा करते हैं। अपने बयान पर केंद्रीय मंत्री अमित शाह पहले ही सफाई दे चुके हैं। उन्होंने बताया कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी भी स्पष्टीकरण दे चुके हैं। उन्होंने मांग की कि स्पीकर को सदन को ठीक से चलने देना चाहिए। उत्तर कर्नाटक को लेकर जवाब दिया जाना चाहिए। बारिश से किसान संकट में हैं, इसका जवाब देने की मांग की।

इंद्राली रेलवे ओवरब्रिज पूरा करने के लिए 10 जनवरी की समय सीमा तय

उडुपी/शुभ लाभ ब्यूरो। डिप्टी कमिश्नर (डीसी) डॉ. के विद्याकुमारी ने इंजीनियर और ठेकेदार को 10 जनवरी, 2025 तक इंद्राली रेलवे ओवरब्रिज का निर्माण पूरा करने का निर्देश दिया है, ताकि वाहनों की आवाजाही सुचारू रूप से हो सके। यहां डीसी कार्यालय सभागार में ओवरब्रिज निर्माण की प्रगति पर आयोजित बैठक के दौरान बोलते हुए डीसी ने त्वरित कार्रवाई की आवश्यकता पर जोर दिया। उन्होंने कहा इंद्राली रेलवे ओवरब्रिज के संबंध में पत्राचार 2018 में शुरू हुआ था। जिला प्रशासन को परियोजना को पूरा करने में देरी के बारे में जनता से प्रतिदिन शिकायतें मिल रही हैं। हर सप्ताह प्रगति रिपोर्ट प्रस्तुत की जानी चाहिए। इसकी तात्कालिकता पर प्रकाश डालते हुए डीसी ने कहा रेलवे विभाग ने पहले ही परियोजना को मंजूरी दे दी है। सिविल कार्य और लोहे के पुल की स्थापना दो शिफ्टों में चौबीसों घंटे चलनी चाहिए। सभी निर्माण गतिविधियाँ 7 जनवरी तक पूरी होनी चाहिए। बैठक में एसपी डॉ. अरुण के., कोंकण रेलवे के वरिष्ठ इंजीनियर गोप-ालकृष्ण, श्रृंगेरी-चिक्कमगलूरु एनएच डिवीजन के सहायक कार्यकारी इंजीनियर मंजूनाथ और जिला सूचना अधिकारी मंजूनाथ बी उपस्थित थे।

अहंकार से भरी यह कुप्रबंधित सरकार किसानों को कर रही विस्थापित : आर. अशोक

बेलगावी/शुभ लाभ ब्यूरो। कर्नाटक भाजपा ने बुधवार शाम को कहा कि वह राज्य में हिंदुओं को दूसरे दर्जे का नागरिक मानने वाली कांग्रेस सरकार की वक्फ नीति के खिलाफ अपनी लड़ाई जारी रखेगी। वक्फ मुद्दे पर वॉकआउट के बाद सुवर्ण विधान सौधा में मीडियाकर्मियों से बात करते हुए विपक्ष के नेता आर. अशोक ने कहा कि वक्फ भूमि अधिग्रहण नीति के खिलाफ लड़ाई विधानसभा सत्र में उठाई गई है और भविष्य में यह सड़कों पर भी जारी रहेगी।

उन्होंने आगे कहा वक्फ से संबंधित नोटिस वापस लेने से समस्या का समाधान नहीं होगा। यह केवल लोगों को धोखा देने की एक चाल है। हमने मुख्यमंत्री को सूचित किया है कि जब तक राज्य सरकार द्वारा जारी 1974 के गजट नोटिफिकेशन को वापस नहीं लिया जाता, तब तक कोई लाभ नहीं होगा। हालांकि, मुख्यमंत्री सिद्धरामैया ने यह कहते हुए अधिसूचना वापस लेने से इनकार कर दिया है कि वे मुसलमानों का समर्थन करते हैं।

उन्होंने मुख्यमंत्री सिद्धरामैया पर हिंदुओं

को दूसरे दर्जे का नागरिक मानने का आर-ोप लगाया। विपक्ष के नेता अशोक ने कांग्रेस सरकार की आलोचना करते हुए कहा किसान परेशान हैं, फिर भी मुख्यमंत्री ने 1974 के गजट को वापस लेने की बात नहीं की है। इसके बजाय, वे तीन चुनाव जीतने का दावा करते हैं। जब हमारी भाजपा सरकार सत्ता में थी, तब हमने 18 उपचुनाव जीते थे। क्या इसका मतलब यह है कि हमें हर जीत का जश्न मनाना चाहिए? अहंकार से भरी यह कुप्रबंधित सरकार किसानों को विस्थापित कर रही है। मुख्यमंत्री ने एक बार भी किसानों के पक्ष में बात नहीं की। विपक्ष के नेता अशोक ने मुख्यमंत्री के इस दावे को चुनौती दी कि वक्फ बोर्ड के पास केवल 21,000 एकड़ जमीन है। उन्होंने चुनौती देते हुए कहा मेरे पास वक्फ बोर्ड द्वारा प्रकाशित दस्तावेज हैं, जिसमें कहा गया है कि 84,000 एकड़ जमीन विवादित है। वक्फ बोर्ड की वेबसाइट देखें। उन्होंने कहा कि विवादित होने का मतलब है कि यह वक्फ बोर्ड की है। उन्होंने कांग्रेस सरकार पर 136 विधायकों का समर्थन होने के कारण अहंकार का आरोप लगाया और दावा किया कि यह किसानों और हिंदुओं के हितों के खिलाफ काम करती है। अशोक ने कहा विधानसभा से बाहर निकलकर हमने राज्य के लोगों को दिखा दिया है कि हम किसानों के साथ खड़े हैं। उन्होंने सरकार पर मुसलमानों द्वारा भूमि जिहाद का समर्थन करने का भी आरोप लगाया। उन्होंने पूछा, मुनेश्वर नगर, मैसूरु में, यह सरकार 110 परिवारों को बेदखल कर रही है। वे एम. विश्वेश्वरैया से जुड़ी जमीन पर भी वक्फ बोर्ड की संपत्ति होने का दावा कर रहे हैं। 110 साल के इतिहास वाली इमारत अचानक वक्फ बोर्ड की कैसे हो सकती है? अशोक ने वक्फ बोर्ड को एक धोखेबाज संस्था करार दिया, जो कर्नाटक के किसानों और हिंदुओं की जमीनों को भूत की तरह हड़प रही है। उन्होंने चेतावनी देते हुए कहा हमने विधानसभा में इसके खिलाफ लड़ाई लड़ी है और यह लड़ाई यहीं नहीं रुकेगी। हम इस लड़ाई को सड़कों पर ले जाएंगे।

जम्मू-कश्मीर को जल्द ही आतंक से मिलेगी मुक्ति: अमित शाह

नई दिल्ली, 19 दिसंबर (एजेंसियां)।

केन्द्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह ने गुरुवार को यहां जम्मू कश्मीर पर उच्च स्तरीय सुरक्षा समीक्षा बैठक की अध्यक्षता की और कहा कि आतंक के खिलाफ 'जीरो टालरेंस' नीति के तहत जल्द ही केन्द्र शासित प्रदेश को आतंकवाद मुक्त करने के लक्ष्य को हासिल कर लिया जायेगा।

गृह मंत्रालय की विज्ञप्ति के अनुसार बैठक में जम्मू-कश्मीर के उपराज्यपाल मनोज सिन्हा, केंद्रीय गृह सचिव, निदेशक (आईबी), रॉ प्रमुख, सेनाध्यक्ष, जीओसी-इन-सी (उत्तरी कमान), डीजीएमओ, जम्मू-कश्मीर के मुख्य

सचिव और पुलिस महानिदेशक, केन्द्रीय सशस्त्र पुलिस बलों के महानिदेशक और गृह मंत्रालय के वरिष्ठ अधिकारियों ने भाग लिया।

बैठक को संबोधित करते हुए केन्द्रीय गृह मंत्री ने कहा , प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में आतंकवाद के खिलाफ जीरो टालरेंस की नीति के तहत, हम जल्द से जल्द 'आतंक मुक्त जम्मू और कश्मीर' के लक्ष्य को प्राप्त करेंगे और इसके लिये सभी संसाधन उपलब्ध कराये जायेंगे। उन्होंने कहा कि मोदी सरकार, सभी सुरक्षाबलों के एकजुट प्रयासों के साथ जम्मू और कश्मीर में आतंकवाद पर संपूर्ण वर्चस्व स्थापित करने के प्रति कटिबद्ध है।

श्री शाह ने कहा कि विधानसभा चुनाव और लोकसभा चुनाव में जम्मू-कश्मीर के लोगों की अभूतपूर्व भागीदारी से पता चलता है कि उनका देश के लोकतंत्र पर पूरा विश्वास है। गृह मंत्री ने आतंकवाद की घटनाओं, घुसपैठ और आतंकवादी संगठनों में युवाओं की भर्ती में उल्लेखनीय गिरावट के लिये सुरक्षा एजेंसियों के प्रयासों की सराहना की।

केन्द्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री ने कहा कि मोदी सरकार के निरंतर और समन्वित प्रयासों के कारण जम्मू-कश्मीर में आतंकवाद का इको-सिस्टम लगभग खत्म हो गया है। उन्होंने सभी सुरक्षा एजेंसियों को जम्मू-कश्मीर में आतंकवाद को खत्म करने के लिए समन्वित तरीके से काम जारी रखने का निर्देश दिया। उन्होंने एरिया डॉमिनेशन प्लान और ज़ीरो टेरर प्लान का कार्यान्वयन मिशन मोड में करने पर ज़ोर दिया।

अनुकरणीय आचरण करें सांसद : धनखड़

नई दिल्ली, 19 दिसंबर (एजेंसियां)।

उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने सांसदों से अनुकरणीय आचरण करने का आह्वान करते हुए कहा है कि यदि संसद संवाद और बहस का केंद्र नहीं बनी रही तो यह अप्रासंगिक हो जाएगी।

श्री धनखड़ ने गुरुवार को यहां भारतीय वन सेवा के परिवीक्षार्थियों को संबोधित करते हुए कहा कि संसद संवाद, विचार विमर्श और बहस का स्थान है। उन्होंने कहा, अगर संसद संवाद, बहस और चर्चा का केंद्र नहीं बनी रही और अगर लोगों के मुद्दों पर ध्यान नहीं दिया गया तो संसद अप्रासंगिक हो जाएगी। इस तरह का पतन हमारे लोकतांत्रिक मूल्यों के लिए एक गंभीर खतरा पैदा करेगा। उपराष्ट्रपति ने सभी राजनीतिक दलों से भारतीय

संविधान को अंगीकार करने के बाद से एक सदी के अंतिम चौथाई में प्रवेश करने के महत्व पर जोर देने की अपील की।

श्री धनखड़ ने कहा कि विकास या पर्यावरण संबंधी मुद्दों को राजनीतिक चश्मे से नहीं देखा जाना चाहिए। उन्होंने जोर देकर कहा , अगर हम राष्ट्रीय सुरक्षा या विकास के मुद्दों को राजनीतिक चश्मे से देखना शुरू करते हैं, तो हम संविधान की शपथ के प्रति सच्चे नहीं हैं। इसके लिए हम सभी को राष्ट्रवाद के प्रति दृढ़ प्रतिबद्धता रखने की आवश्यकता है। हमें हमेशा राष्ट्रीय हित को सर्वोपरि रखना होगा।

उपराष्ट्रपति ने कहा , हम अमृत काल में हैं और वर्ष 2047 तक विकसित भारत बनने की राह पर हैं। पूरा देश इस महान लक्ष्य को हासिल करने के लिए उत्साहित है। चुनौती कठिन है, लेकिन हासिल की जा सकती है। वर्तमान में, हम पांच वीं सबसे बड़ी वैश्विक अर्थव्यवस्था हैं, जो जापान और जर्मनी से आगे तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनने की राह पर है। इसे हासिल करने के लिए हमें अपनी आय को आठ गुना बढ़ाना होगा। हर सांसद को लोगों की आकांक्षाओं पर ध्यान केंद्रित करना चाहिए और देश के सपनों को साकार करने के लिए आगे बढ़कर काम करना चाहिए।

सुप्रीम कोर्ट ने दिए निर्देश

दिल्ली की तरह यूपी-हरियाणा भी पटाखों की बिक्री पर लगाएं बैन

नई दिल्ली, 19 दिसंबर (एजेंसियां)।

सुप्रीम कोर्ट ने पटाखों की बिक्री को लेकर दिल्ली और हरियाणा को बड़ा अहम निर्देश दिया है। सुप्रीम कोर्ट ने कहा है कि दिल्ली की तरह ही उत्तर प्रदेश और हरियाणा भी पटाखों की बिक्री पर पूर्ण प्रतिबंध लगाएं। सुप्रीम कोर्ट ने निर्देश दिल्ली एन-सीआर में खतरनाक स्तर तक बढ़ते वायु प्रदूषण को देखते हुए दिया है। बता दें कि सर्दियां आते ही दिल्ली में वायु प्रदूषण खतरनाक लेवल पर पहुंच जाता है। मौजूदा समय में राजधानी में ऐसे हालत है कि जैस वो गैस चैंबर बन गया हो

दिल्ली वायु प्रदूषण मामले की सुनवाई के दौरान सुप्रीम कोर्ट ने यह निर्देश दिया, जिसे जस्टिस अभय एस ओका और जस्टिस ऑगस्टीन जॉर्ज मसीहकी पीठ ने दिया। सर्वोच्च अदालत ने एमसी मेहता मामले के हिस्से के रूप में राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र (एनसीआर)

में प्रदूषण से निपटने के उपायों की समीक्षा जारी रखी है। कोर्ट ने कहा कि हम उत्तर प्रदेश और हरियाणा राज्यों को उसी तरह का प्रतिबंध लगाने का निर्देश देते हैं जैसा कि दिल्ली राज्य ने 19 दिसंबर 2024 के आदेश के तहत लगाया है।' बता दें कि ये प्रतिबंध दिल्ली में पटाखों की बिक्री को लेकर था।

नेहरू ने अंबेडकर से सिर्फ नफरत की, कांग्रेस को अब झूठ बोलना बंद करना चाहिए : जेपी नड्डा

नई दिल्ली , 19 दिसंबर (एजेंसियां)।

भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के राष्ट्रीय अध्यक्ष और केंद्रीय मंत्री जेपी नड्डा ने गुरुवार को बाबासाहेब भीमराव अंबेडकर पर जारी राजनीति के बीच कांग्रेस पर पलटवार किया।

उन्होंने सोशल मीडिया मंच एक्स पर कहा, कल से, सत्य, लोकतंत्र और सामाजिक न्याय में विश्वास करने वाले सभी लोगों द्वारा कांग्रेस और उसके सड़े हुए इकोसिस्टम को बेनकाब किया गया है। इसलिए, मैंने डॉ. अम्बेडकर के प्रति कांग्रेस की गहरी नफरत को दर्शाने के लिए कुछ तथ्य साझा करने के बारे में सोचा।

उन्होंने अपने सोशल मीडिया पोस्ट पर आगे कहा, पंडित नेहरू डॉ. अम्बेडकर से नफरत करते थे। हां, यह विशुद्ध नफरत थी। इसीलिए पंडित नेहरू ने डॉ. अम्बेडकर को दो बार हराया। और, वह गर्व से विदेशों में लोगों को पत्र लिख रहे थे, इस बात पर खुशी व्यक्त कर रहे थे कि आदरणीय बाबासाहेब अब कैबिनेट में नहीं हैं।

उन्होंने आगे कहा, 26, अलीपुर रोड को बहुत पहले ही एक भव्य स्मारक में

बदल दिया जाना चाहिए था जो लोगों को प्रेरित करता। लेकिन, डॉ. अंबेडकर से नफरत करने वाली कांग्रेस ने कुछ नहीं किया। यह हमारी एनडीए सरकार थी जिसे 26, अलीपुर रोड को एक प्रतिष्ठित स्थान के रूप में विकसित करने का सम्मान मिला। मुंबई में चैत्य भूमि... दशकों तक कांग्रेस में सामाजिक न्याय के स्वयंभू संरक्षकों ने वहां एक भव्य स्मारक बनाने के खोखले वादे किए। 2015 में, हमने सुनिश्चित किया कि भूमि हस्तांतरण किया जाए। ये नरेंद्र मोदी ही हैं, जिन्होंने हाल के वर्षों में वहां दो बार प्रार्थना की।

नड्डा ने सैम पित्रोदा की तस्वीर साझा करते हुए कहा, राजवंश के सबसे वफादार दरबारी ने बताया कि कांग्रेस वास्तव में डॉ. अम्बेडकर के बारे में क्या सोचती है, कि हमारे संविधान के निर्माण में बाबासाहेब की कोई भूमिका नहीं थी। कुछ स्क्रीनशॉट वास्तव में हजारों शब्द बोलते हैं। एक्स पोस्ट को हटाया जा सकता है लेकिन उनकी वास्तविक भावनाएं कभी नहीं जाएंगी।

उन्होंने आगे अपने पोस्ट में कहा, 15, जनपथ पर डॉ. अंबेडकर की स्मृति में एक विश्व स्तरीय केंद्र बनाया जाना था। दुख की बात है कि कांग्रेस उस सड़क पर एक घर से आगे नहीं देख सकती थी, इसलिए उन्होंने यह काम अधूरा छोड़ दिया। आखिरकार 2017 में डॉ. अंबेडकर इंटरनेशनल सेंटर का उद्घाटन पीएम मोदी ने किया। कांग्रेस नेताओं को विदेशी धरती पर भारत के बारे में झूठ फैलाना पसंद है। लेकिन, उन्होंने लंदन में उस जगह की कभी परवाह नहीं की, जहां खुद डॉ. अंबेडकर रहते थे। पीएम नरेंद्र मोदी 2015 की यूके यात्रा के दौरान वहां गए, और बाद में इसे महाराष्ट्र सरकार द्वारा अधिग्रहित कर लिया गया।

जेपी नड्डा ने कांग्रेस पर निशाना साधते हुए कहा, मैं कांग्रेस और उनके सड़े हुए इको-सिस्टम को बताना चाहता हूं कि जून में आप लगातार तीसरी बार लोकसभा चुनाव हारे। इसके साथ ही आपने आंध्र प्रदेश, अरुणाचल प्रदेश, ओडिशा और सिक्किम में निराशाजनक प्रदर्शन किया। अक्टूबर में आप हरियाणा में हार गए। वहीं, नवंबर में आप महाराष्ट्र में बुरी तरह हारे। कम से कम अब तो झूठ बोलना बंद कर दीजिए, क्योंकि आपका झूठ अनियंत्रित नहीं होगा। सत्य की हमेशा जीत होगी... जय भीम।

बता दें कि संविधान पर चर्चा के दौरान केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने कांग्रेस को आड़े हाथों लेते हुए कहा था कि अभी अंबेडकर, अंबेडकर , अंबेडकर का नाम लेना फैशन बन चुका है। अगर इन लोगों ने इतना भगवान का नाम लिया होता, तो अब इन्हें भगवान प्राप्त हो चुके होते।

इसी बयान को लेकर कांग्रेस सहित विपक्षी पार्टियां भाजपा और अमित शाह पर हमलावर हैं। कांग्रेस का आरोप है कि अमित शाह ने अपने इस बयान से भीमराव अंबेडकर का अपमान किया है, जिसे किसी भी कीमत पर स्वीकार नहीं किया जा सकता है।

साहित्य अकादमी पुरस्कार 2024 का ऐलान

हिंदी की प्रसिद्ध कवयित्री गगन गिल को मिलेगा सम्मान

नई दिल्ली, 19 दिसंबर (एजेंसियां)।

साहित्य अकादमी ने 21 भारतीय भाषाओं के लिए पुरस्कारों का ऐलान कर दिया है। हिंदी की मशहूर कवयित्री गगन गिल को इस वर्ष के साहित्य अकादमी पुरस्कार के लिए चुना गया है। उन्हें यह पुरस्कार मैं जब तक आई बाहर के लिए दिया जाएगा।

साहित्य अकादमी ने पत्र के माध्यम से बताया, साहित्य अकादमी ने बुधवार को अपने प्रतिष्ठित वार्षिक साहित्य अकादमी पुरस्कार 2024 की घोषणा कर दी है। इन पुरस्कारों में आठ कविता-संग्रह, तीन उपन्यास, दो कहानी संग्रह, तीन निबंध, तीन साहित्यिक आलोचना, एक नाटक और एक शोध की पुस्तकें शामिल हैं। बाड़ला, डोगरी और उर्दू में पुरस्कार की घोषणा बाद में की जाएगी।

पत्र में कहा गया, पुरस्कारों की अनुशंसा 21 भारतीय भाषाओं की निर्णायक समितियों द्वारा की गई तथा साहित्य अकादमी के अध्यक्ष माधव कौशिक की अध्यक्षता में आयोजित अकादमी के कार्यकारी मंडल की बैठक में आज इन्हें अनुमोदित किया गया।

कविता-संग्रह : समीर तांती (असमिया), दिलीप झावेरी (गुजराती), गगन गिल (हिंदी), के. जयकुमार (मलयालम), हाओबम सत्यवती देवी (मणिपुरी), पॉल कौर (पंजाबी), मुकुट मणिराज (राजस्थानी), दीपक कुमार शर्मा (संस्कृत)उपन्यास : अरन राजा (बोडो), ईस्टरिन किरे (अंग्रेजी), सोहन कौल (कश्मीरी)।कहानी-संग्रह : युवा बराल (नेपाली), हूंदराज बलवाणी (सिंधी)

निबंध : मुकेश थली (कोंकणी), महेंद्र मलंगिया (मैथिली), वैष्णव चरण सामल (ओडिआ)।

साहित्यिक : के.वी. नारायण (कन्नड), सुधीर रसाल (मराठी)। पेनुगोंडा लक्ष्मीनारायण (तेलुगु)। आलोचना : महेश्वर सोरेन (सताली)। नाटक शोध : ए. आर. वेंकटचलपति (तमिल)।

साहित्य अकादमी ने बताया, इन पुस्तकों को संबंधित भाषा के त्रिसदस्यीय निर्णायक मंडल ने निर्धारित चयन प्रक्रिया का पालन करते हुए पुरस्कार के लिए चुना है। नियमानुसार कार्यकारी मंडल ने निर्णायकों के बहुमत अथवा सर्वसम्मति के आधार पर चयनित पुस्तकों के लिए पुरस्कारों की घोषणा की है। ये पुरस्कार, पुरस्कार-वर्ष पिछले पांच वर्ष (यानी 1 जनवरी 2018 से 31 दिसंबर 2022 के दौरान) पहली बार प्रकाशित पुस्तकों पर दिए गए हैं। पुरस्कार स्वरूप एक उत्कीर्ण ताम्रफलक, शॉल और एक लाख रुपये की राशि पुरस्कृत लेखकों को 8 मार्च 2025 को आयोजित एक भव्य समारोह में प्रदान किए जाएंगे। बता दें कि इन पुस्तकों पर साहित्य अकादमी की तीन सदस्यीय जूरी ने विचार किया, जिसमें प्रोफेसर रामवचन राय, मृदुला गर्ग और डॉ. करुणाशंकर उपाध्याय शामिल थे।

बांग्लादेश के दो संदिग्ध आतंकी मुर्शिदाबाद से गिरफ्तार

भारत को तबाह करने की थी योजना

नई दिल्ली, 19 दिसंबर (एजेंसियां)।

बंगाल एसटीएफ ने असम एसटीएफ की सूचना के बाद मुर्शिदाबाद के हरिहरपाड़ा से बांग्लादेश के प्रतिबंधित आतंकी संगठन जमात-उल-मुजाहिदीन बांग्लादेश (जेएमबी) के दो सक्रिय सदस्यों को गिरफ्तार किया है. इनके नाम मोहम्मद अब्बास और मिनारूल शेख बताये गये हैं. इनके कब्जे से चार एनरॉयड मोबाइल और एक पेन

ड्राइव बरामद किया गया। अब्बास अली इलाके में एक मदरसे में पढ़ाने की आड़ में अपना नेटवर्क बढ़ाने की कोशिश में था। बंगाल एसटीएफ ने आगे की जांच के लिए दोनों को असम एसटीएफ के हवाले कर दिया है।

बंगाल एसटीएफ सूत्रों के मुताबिक हाल ही में असम एसटीएफ ने असम में बांग्लादेश सीमा से सटे इलाकों से तीन जेएमबी के संदिग्ध आतंकियों को गिरफ्तार किया था। उनसे पूछताछ के बाद उन्हें मुर्शिदाबाद में इनके स्लीपर सेल के रूप में काम करने वाले अब्बास व मिनारुल शेख के ठिकाने का पता चला। इसके बाद बंगाल एसटीएफ की टीम को साथ लेकर मुर्शिदाबाद से जेएमबी के दो अन्य संदिग्धों को गिरफ्तार कर लिया गया। इनसे पूछताछ की जा रही है।

महाकुंभ-2025 : कीटाणु मुक्त महाकुंभ के लिए वेक्टर कंट्रोल यूनिट तैनात

महाकुंभनगर, 19 दिसंबर (एजेंसियां)।

महाकुंभ 2025 में देश विदेश से आने वाले श्रद्धालुओं के लिए स्वच्छता का विशेष ध्यान रखा जा रहा है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की मंशा के अनुरूप महाकुंभ को स्वस्थ और स्वच्छ महाकुंभ बनाने के लिए बेहद खास इंतजाम किए जा रहे हैं। इसी कड़ी में मेला क्षेत्र को इंसेक्ट फ्री (मच्छर-मक्खी मुक्त) रखने के लिए वेक्टर कंट्रोल यूनिट को तैनात किया गया है। वेक्टर कंट्रोल यूनिट वेल प्लांड तरीके से महाकुंभ नगर के चप्पे-चप्पे को इंसेक्ट फ्री बनाने का काम करेगी, जिससे श्रद्धालुओं को डेंगू, मलेरिया, चिकनगुनिया जैसी बीमारियों से छुटकारा दिलाया जा सकेगा, जो मच्छरों के काटने से होती हैं। इसके साथ ही, मक्खियों के कारण होने वाली अनहाइजीनिक समस्याओं और बीमारियों से भी निजात मिल सकेगी।

महाकुंभ में आने वाले करोड़ों श्रद्धालुओं के स्वास्थ्य को देखते हुए योगी सरकार कई अहम पहल कर रही है। वेक्टर कंट्रोल यूनिट का गठन इसी का एक उदाहरण है। वेक्टर कंट्रोल यूनिट के द्वारा मेले में व्यापक स्तर पर सैनिटाइजेशन किए जाने की तैयारी है। महाकुंभ के नोडल जॉइंट डायरेक्टर (वेक्टर कंट्रोल) डॉ बीपी सिंह ने बताया कि महाकुंभ के दौरान चप्पे-चप्पे पर कीटनाशक का छिड़काव किए जाने की तैयारी है। उन्होंने बताया कि मेला क्षेत्र को 5 जोन में बांटा गया है। हर जोन में 5 सेक्टर हैं। कुल मिलाकर हमारे पास 25 सेक्टर हैं। प्रत्येक सेक्टर का इंचार्ज असिस्टेंट मलेरिया ऑफिसर (एएमओ) होगा। सभी सेक्टर्स में कुल मिलाकर 35 सैनिटेशन सर्किल हैं। प्रत्येक सर्किल में हमारे मलेरिया इंस्पेक्टर रहेंगे जो मौके पर रहकर वर्कर्स के माध्यम से स्प्रे गतिविधियों को संचालित कराएंगे।

उन्होंने बताया कि प्रत्येक जोन में एक सब स्टोर है, जहां पर तीन दिन का स्टॉक होगा और यहां से अलग-अलग सर्किल को कीटनाशक उपलब्ध होता रहेगा। इसके अतिरिक्त डिस्ट्रीब्यूशन के लिए 25 मैजिक गाड़ियां हायर की गई हैं। हर सेक्टर में एक गाड़ी रहेगी, जिसका उद्देश्य कीटनाशक पहुंचाने के साथ ही मेला क्षेत्र में मुआयना करने का होगा। इस गाड़ी में दो वर्कर और एक सुपरवाइजर रहेंगे। यही टीम इस बार पहली बार मेला क्षेत्र में पार्किंग स्थलों में भी छिड़काव करेगी। सरकार ने इस बार पार्किंग स्थलों में भी शौचालय वगैरह की सुविधा प्रदान की है। इसलिए इन स्थानों पर कीटनाशक का छिड़काव महत्वपूर्ण है, जिसके लिए हम अपने स्टाफ को मोबिलिटी प्रदान कर रहे हैं।

वेक्टर कंट्रोल के असिस्टेंट नोडल और डीएमओ डॉ आनंद कुमार सिंह ने बताया कि मेला की विशेष कार्याधिकारी आकांक्षा राना के निर्देश पर इस बार हमने इमरजेंसी प्लान भी तैयार किया है। इसके लिए हमने 45 वर्कर्स की टीम तैयार की है जो 15-15 वर्कर्स के रूप में प्रत्येक शिफ्ट में अलग-अलग जोन में मौजूद रहेंगे। यह स्टोर के काम में लगेंगे, लेकिन इमरजेंसी की स्थिति में बाकी टीमों को डिस्टर्ब किए बिना इन्हें एक्टिव कर दिया जाएगा और ये मौके पर जाकर स्थिति को काबू करने का प्रयास करेंगे। इस सभी वर्करों को इमरजेंसी में मशीनें संचालित करने की खास ट्रेनिंग दी जाएगी। उन्होंने बताया कि कुंभ की एक किमी. की पेरिफेरी में 150 वर्कर काम करेंगे। हमारी प्लानिंग के अनुसार मेला क्षेत्र के एक किमी. के दायरे में जहां आबादी है वहां भी छिड़काव कराया जा रहा है, क्योंकि अमूमन मच्छर एक से दो किमी. तक उड़कर आ जाता है। पेरीफेरी के सात जोन बनाए गए हैं। आवश्यकता पड़ने पर इन वर्कर्स को भी मेला क्षेत्र में बुलाया जा सकता है। पेरीफेरी क्षेत्र में 15 नवंबर से स्प्रे और एंटी लार्वा के छिड़काव का कार्य जारी है।

उन्होंने बताया कि वेक्टर कंट्रोल का जोन सेक्टर 2 में स्थापित किया गया है। इस क्षेत्र में जो कर्मचारी बाहर से आ रहे हैं उनको वहां रुकवाया जा रहा है। जब उनके टेंट की व्यवस्था उनके क्षेत्र में हो जाएगी तब उन्हें वहां शिफ्ट किया जाएगा। अभी करीब 100 डेली वर्कर्स काम कर रहे हैं। जल्द ही यह संख्या 150 हो जाएगी, जबकि एक जनवरी से 550 वर्कर्स और 11 जनवरी से लगभग 900 डेली वेजेस वर्कर्स पूरे मेला के दौरान अलग-अलग सेक्टर में काम करेंगे। उन्होंने बताया कि अलग-अलग जनपदों से लगभग 250 परमानेंट स्टाफ मांगा गया है। यह डेली वेजेस वर्कर्स का सुपरविजन करेंगे। 45 मलेरिया इंस्पेक्टर, 28 असिस्टेंट मलेरिया इंस्पेक्टर, 5 डिस्ट्रिक्ट मलेरिया ऑफिसर, 80 सुपरवाइजर, 70 ट्रेंड फील्ड वर्कर्स की मांग की गई है। डॉ आनंद कुमार सिंह के अनुसार महाकुंभ में छिड़काव और फॉगिंग करने वाले इन कर्मियों के लिए इस बार विशेष प्रबंध किए गए हैं। इन्हें पहली बार रहने और खाने की सुविधा मुहैया कराई जा रही है। यह व्यवस्था यहां महाकुंभ नगर में काम करने वाले हर दैनिक भोगी कर्मचारी को उपलब्ध होगी। इसका उद्देश्य यही है कि जरूरत पड़ने पर वर्कर्स उपलब्ध रहें और दूसरा उन्हें प्रतिदिन आने-जाने की जद्दोजहद से बचाना है। मेले में उनकी मौजूदगी श्रद्धालुओं को सुरक्षा का अहसास कराएगी।

खबरें जो सोच बदल दे शुभ लाभ हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

संभल के समाजवादी सांसद की करतूत उजागर

दंगा कराने से लेकर बिजली चुराने तक में शामिल

सांसद के घर में 83 बल्ब, 19 पंखे, 3 एसी, 16.5 हजार वाट खपत... बिल जीरो

संभल, 19 दिसंबर (एजेंसियां)। संभल में सांप्रदायिक दंगा कराने से लेकर बिजली चुराने तक के गंभीर आरोपों में समाजवादी सांसद जियाउर्रहमान बर्क फंस चुके हैं। पुराना मीटर बदलने और मीटर टेंपरिंग करने की करतूतें उजागर होने के बाद बिजली विभाग ने बर्क के घर में इस्तेमाल होने वाले इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों की लिस्ट जारी कर दी है।

इस लिस्ट से ही पता चलता है कि सांसद के घर में किस तरह आलीशान तरीके से बिजली का इस्तेमाल हो रहा था, लेकिन हैरान करने वाली बात यह है कि बर्क के घर की पिछले एक साल की मीटर रीडिंग शून्य मिली है। अब जो लिस्ट सामने आई है, उसके मुताबिक बर्क के घर से 16.5 हजार वॉट के उपकरणों का इस्तेमाल हो रहा है।

बिजली विभाग ने लिस्ट जारी कर बताया है कि सपा सांसद के दो मंजिला घर में 83 बल्ब, 19 पंखे और 3 एसी चलाए जा रहे थे।

इसके अलावा गीजर से लेकर माइक्रोवेव तक और टीवी से लेकर हीटर और ब्लोअर तक के तमाम उपकरणों के बारे में भी बताया गया है, जिसका उपभोग सांसद के घर में हो रहा था। सपा सांसद बर्क के घर पर लगे 2 बिजली के मीटरों में छेड़छाड़ (टेम्परिंग) के सबूत मिले हैं। बीते दिनों बिजली विभाग ने सांसद के घर के पुराने मीटर हटाए और उनको सील कर लैब में जांच के लिए भेज दिया था। सांसद के घर के बिजली बिल में सालभर की रीडिंग जीरो थी।

ग्राउंड फ्लोर

उपकरण	संख्या	यूनिट	खपत
LED	2	65 वॉट	130 वॉट
सीलिंग फैन	6	60 वॉट	360 वॉट
वॉल फैन	1	60 वॉट	60 वॉट
फ्रेश एयर फैन	2	45 वॉट	90 वॉट
LED टीवी	1	60 वॉट	60 वॉट
एग्जॉस्ट (फैन)	1	200 वॉट	200 वॉट
स्प्लिट एसी	1	2200 वॉट	2200 वॉट
LED बल्ब	17	9 वॉट	153 वॉट

टोटल यूनिट: 3253

फर्स्ट फ्लोर

उपकरण	संख्या	यूनिट	खपत
डीप फ्रीजर	1	210 वॉट	210 वॉट
LED बल्ब	47	9 वॉट	423 वॉट
फ्रिज	1	250 वॉट	250 वॉट
वॉल फैन	2	60 वॉट	120 वॉट
हीटर	1	2000 वॉट	2000 वॉट
एग्जॉस्ट	1	45 वॉट	45 वॉट
सीलिंग फैन	4	60 वॉट	240 वॉट
स्प्लिट एसी	1	2200 वॉट	2200 वॉट
सबमर्सिबल	1	746 वॉट	746 वॉट
गीजर	1	2000 वॉट	2000 वॉट

टोटल यूनिट: 8234

सेकंड फ्लोर

उपकरण	संख्या	यूनिट	खपत
LED बल्ब	17	9वॉट	153वॉट
फैन	3	60 वॉट	60 वॉट
फ्रिज	1	250 वॉट	250 वॉट
माइक्रोवेव	1	1250 वॉट	1250 वॉट
स्प्लिट एसी	1	2200 वॉट	2200 वॉट
टीवी	1	60 वॉट	60 वॉट
अन्य	1	900 वॉट	900 वॉट

टोटल यूनिट: 4993

सपा सांसद के आवास पर पुराने बिजली मीटर को हटाकर हाल ही में दो नए स्मार्ट मीटर लगाए गए। विभाग की टीम इन मीटरों की जांच करने और उनकी रीडिंग रिकॉर्ड करने पहुंची। सांसद के आवास की दूसरी मंजिल पर सीढ़ी के सहारे पहुंची बिजली विभाग की टीम ने बिजली का लोड चेक किया। टीम यह जांच कर रही है कि सांसद के घर में बिजली का कितना इस्तेमाल हो रहा है। इस पूरी कार्रवाई के दौरान रैपिड एक्शन फोर्स के साथ पीएसी के जवान तैनात रहे। रैपिड एक्शन फोर्स का महिला दस्ता भी तैनात रहा। पुलिस के आला अधिकारी मौके पर मौजूद थे।

महाकुंभ–2025 : मदन मोहन मालवीय पार्क में लगेगी प्रतिमा

वन विभाग करा रहा है पार्क का सौंदर्यीकरण

महाकुंभनगर, 19 दिसंबर (एजेंसियां)। महाकुंभ 2025 का आयोजन प्रयागराज में 13 जनवरी पौष पूर्णिमा की तिथि से होने जा रहा है। इसे लेकर महाकुंभ मेला क्षेत्र और प्रयागराज शहर में निर्माण कार्य, जीर्णोद्धार और सौंदर्यीकरण के कार्य तीव्र गति से हो रहे हैं। इसी क्रम में वन विभाग यमुना बैंक रोड पर स्थित महामना मदन मोहन मालवीय पार्क का सौंदर्यीकरण का कार्य करा रहा है। पार्क में प्रयागराज की महान विभूति महामना मदन मोहन मालवीय जी की प्रतिमा भी लगाई जाएगी। इसके साथ ही पार्क के नए प्रवेशद्वार, वन्य जीवों की कलाकृतियां और महिला व पुरुष प्रसाधन का भी निर्माण किया जाएगा। यह महाकुंभ में आने वाले श्रद्धालुओं के सुखद अनुभव और उन्हें प्रयागराज की महान विभूतियों से परिचित करवाने का प्रयास है।प्रत्येक बारह वर्ष पर महाकुंभ का आयोजन प्रयागराज वासियों के लिए हमेशा गर्व और सम्मान का विषय रहा है। प्राचीन काल से महाकुंभ के आयोजन में साधु, संन्यासी, राजा–महाराजा और तीर्थपुरोहितों के साथ प्रयागराज की महान विभूतियों ने भी महत्व–पूर्ण योगदान दिये हैं। उनमें से महामना मदन मोहन मालवीय जी का नाम सर्वप्रथम है। महामना ने अंग्रेजों के विदेशी शासन के दौर में भी महाकुंभ की सनातन परंपरा को खण्डित नहीं होने दिया बल्कि अंग्रेज शासकों को महाकुंभ का आयोजन करने के लिए सशर्त तैयार भी किया। सीएम योगी की नीति राष्ट्रीय संस्कृति के निर्माण में योगदान देने वाले महापुरुषों का सम्मान करने की रही है। इसी क्रम में प्रयागराज की महान विभूति महामना मदन मोहन मालवीय जी की प्रतिमा लगाई जाएगी। उनकी प्रतिमा वन विभाग के यमुना बैंक स्थित मदन मोहन मालवीय पार्क में लगाई जाएगी।

प्रयागराज के जिला वन अधिकारी अरविंद यादव ने बताया कि मुख्यमंत्री के मार्गदर्शन में महाकुंभ के अवसर पर मदन मोहन मालवीय पार्क का लगभग 2 करोड़ रुपए की राशि से सौंदर्यीकरण का कार्य किया जा रहा है। पार्क में महामना की मूर्ति निर्माण के साथ पार्क के मुख्य प्रवेश द्वार का भी निर्माण किया जाएगा। साथ ही पार्क में बच्चों के ज्ञानवर्धन और मनोरंजन के लिए वन्य जीवों की कलाकृतियां भी बनाई जाएगी। जिनसे परिचित हो कर बच्चे वन्य जीवों के संरक्षण की ओर प्रेरित होंगे।

महाकुंभ–2025 : पुलिस को गाइड करेगा ऐप, क्विक रिस्पॉन्स में होगा मददगार

महाकुंभनगर, 19 दिसंबर (एजेंसियां)। महाकुंभ–2025 के प्रारंभ होने की घड़ी नजदीक आते ही योगी सरकार ने महाकुंभ के महाआयोजन को लेकर अपनी समस्त तैयारियों को अंतिम रूप देना शुरू कर दिया है। इस बार महाकुंभ दिव्य–भव्य होने के साथ ही डिजिटल भी होने जा रहा है और इसी डिजिटल महाकुंभ में जल्द ही एक और कड़ी जुड़ने वाली है। सीएम योगी के विजन अनुसार, महाकुंभ में तैनात पुलिसकर्मियों की चुनौतियों को ध्यान में रखकर एक ऐसे ऐप का विकास होने जा रहा है जिसके जरिए उन्हें मेला क्षेत्र की संपूर्ण जानकारी उपलब्ध होगी। इसमें रूट्स, महत्वपूर्ण स्थल और पुलिस अधिकारियों के नंबर समेत कई फीचर्स होंगे, जो पुलिसकर्मियों के लिए काफी महत्वपूर्ण होगा। इसे विशेष तौर पर क्राउड मैनेजमेंट के दृष्टिगत निर्मित कराया जा रहा है, जिसके जरिए मेला क्षेत्र में किसी भी आपात स्थिति में क्विक रिस्पांस मैनेजमेंट प्रक्रिया को पूरा किया जा सके।

महाकुंभ मेला 2025 पुलिस मोबाइल ऐप विकसित करने का उद्देश्य इस बड़े आयोजन के दौरान पुलिस बल की दक्षता, समन्वय और प्रतिक्रिया क्षमताओं को बढ़ाना है। करोड़ों आगंतुकों के आने की उम्मीद के साथ, ऐप का उद्देश्य एक मजबूत डिजिटल प्लेटफ़ॉर्म प्रदान करना है जो पुलिसकर्मियों के बीच निर्बाध संचार, प्रभावी घटना प्रबंधन और वास्तविक समय की जानकारी साझा करने में सक्षम बनाता है। योजना के अनुसार, ऐप सार्वजनिक सुरक्षा सुनिश्चित करने, कानून और व्यवस्था बनाए रखने और आपात स्थितियों पर तेज़ी से प्रतिक्रिया करने के लिए एक महत्वपूर्ण उपकरण के रूप में काम करेगा। यह केंद्रीकृत समन्वय व संचार से लैस होगा जो चैट कार्यक्षमता व घटना रिपोर्टिंग के माध्यम से विभिन्न रैंक के अधिकारियों के बीच वास्तविक समय के संचार की सुविधा प्रदान करेगा। यह उचित अपडेट पहुंचाने के लिए प्रासंगिक जानकारी तक पहुंचाने, वास्तविक समय की स्थिति अपडेट के साथ ऐप के माध्यम से घटनाओं की आसान लॉगिंग व ट्रैकिंग की सुविधा उपलब्ध कराएगा।

एसएसपी महाकुंभ राजेश कुमार द्विवेदी ने बताया कि यह ऐप महाकुंभ मेला क्षेत्र में तैनात पुलिसकर्मियों के लिए सहायक सिद्ध होगा। यह विशेष रूप से महाकुंभ मेला क्षेत्र में डिप्लॉय होने वाले पुलिसकर्मियों के लिए कारगर होगा।

सुशासन का प्रतीक माने जाते हैं अटल जी : योगी

अटल जी की जयंती 25 दिसंबर तक चलेगा सुशासन सप्ताह

लखनऊ, 19 दिसंबर (एजेंसियां)। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि अटल जी सुशासन का प्रतीक माने जाते हैं। राजनीतिक अस्थिरता को स्थिरता में बदलना, सुशासन के लक्ष्यों को प्राप्त करना, देश के अंदर अंत्योदय की योजना, हर गरीब–वंचित को अधिकार मिले, अंत्योदय कार्ड–राशन उपलब्ध कराने की कार्रवाई हो, प्रधानमंत्री ग्रामीण सड़क योजना, अनुसूचित जाति–जनजाति या पिछड़े वर्ग को उनका अधिकार दिलाने के साथ ही स्वर्णिम चतुर्भुज, विश्व स्तरीय इंफ्रास्ट्रक्चर व हाईवे अटल जी की देन है।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने गुरुवार को संगीत नाटक अकादमी में सुशासन सप्ताह का शुभारंभ किया। सीएम ने अटल जी के व्यक्तित्व, कृतित्व पर लगाई गई प्रदर्शनी का शुभारंभ व अवल–ोकन किया। अटल जी के जन्मदिवस की 100वीं वर्षगांठ पर 25 दिसंबर तक सुशासन सप्ताह मनाया जाएगा। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि भारत मां के महान सपूत, पूर्व प्रधानमंत्री श्रद्धेय अटल बिहारी वाजपेयी जी का यह जन्म शताब्दी वर्ष है। पीएम मोदी की प्रेरणा से आज से पूरे देश–प्रदेश में सुशासन सप्ताह का शुभारंभ हो रहा है। अटल जी की पैतृक जन्मभूमि उत्तर प्रदेश है। उन्होंने अपनी कर्मभूमि के रूप में भी उत्तर प्रदेश को ही चुना। बलरामपुर व लखनऊ से कई बार उन्होंने संसद में उत्तर प्रदेश का प्रतिनिधित्व किया। विदेश मंत्री, प्रधानमंत्री के रूप में भी उन्होंने देश को सक्षम नेतृत्व प्रदान किया। अटल जी कवि, पत्रकार, साहित्यकार व राजनेता थे। वे समन्वय के साथ सबको लेकर चलने का सामर्थ्य रखते थे। वे भारतीय राजनीति के अजातशत्रु कहे जाते थे। अटल जी का छह दशक का सार्वजनिक जीवन बिना किसी कलंक के रहा।

सीएम योगी ने कहा कि आज से हर जनपद में कार्यक्रम प्रारंभ हुए है, जो सप्ताह भर (25 दिसंबर) चलेंगे। स्कूली बच्चों के लिए सुशासन पर निबंध लेखन, उच्च शिक्षा स्तर पर भाषण, पेंटिंग प्रतियोगिता, ग्रामीण क्षेत्र में संगोष्ठी के आयोजन हो रहे हैं। इसके साथ ही पूरे वर्ष भर भी आयोजन होंगे। विजेताओं को 25 दिसंबर को सम्मानित किया जाएगा। इस दिन शाम को अटल जी की कविताओं पर आधारित काव्य संध्या भी हर जनपद, स्कूलों–कॉलेजों में होगी। इसमें नवोदित कवियों को मंच प्रदान किया जाएगा। मुख्यमंत्री ने कहा कि अटल जी की सेवाएं व कृतित्व देशवासियों के लिए प्रेरणा है। सुशासन सप्ताह के शुभारंभ अवसर पर प्रदेश के हर स्कूल–कॉलेज, संस्थान में इससे संबंधित कार्यक्रम होंगे। श्रद्धेय अटल जी के आदर्शों से प्रेरणा हम सभी का मार्गदर्शन होगा। अटल जी ने सुशासन के जिन लक्ष्यों को देखा और सोचा था, पीएम मोदी के नेतृत्व में देश इसे प्रभावी ढंग से लागू भी कर रहा है। यह लक्ष्य प्रदेश भी प्राप्त करेगा। इस अवसर पर उच्च शिक्षा मंत्री योगेंद्र उपाध्याय, संस्कृति व पर्यटन मंत्री जयवीर सिंह आदि मौजूद थे।

महाकुंभ-2025 में भारतीय सेना का अभूतपूर्व योगदान

सेना के नेतृत्व में अनूठा बना पवित्र संगम क्षेत्र

13 दिसंबर को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने उत्तर प्रदेश के प्रयागराज का दौरा किया और 13 जनवरी 2025 से 26 फरवरी 2025 तक होने वाले महाकुंभ की तैयारियों का जायजा लिया। प्रधानमंत्री ने पवित्र संगम क्षेत्र का दौरा किया और दुनिया में मानव जाति के सबसे बड़े समागम के सफल आयोजन के लिए पवित्र अक्षय वट पर प्रार्थना याचना की। संगम क्षेत्र में भूमि का एक बड़ा हिस्सा भारतीय सेना का है। संगम क्षेत्र में स्थित किला प्रयागराज में भारतीय सेना का महत्वपूर्ण रसद प्रतिष्ठान है और अक्षय वट किला परिसर के भीतर स्थित है। इसके अलावा, दो अन्य पवित्र धार्मिक स्थल, सरस्वती कूप और पातालपुरी भी किला परिसर के भीतर स्थित हैं।

किला प्रयागराज का निर्माण 1583 में गंगा और यमुना जलमार्ग को जोड़ने के लिए किया गया। यह किला यमुना नदी के तट पर स्थित है और यमुना और गंगा के संगम बिंदु के बहुत करीब है। इसलिए इस पवित्र स्थान को संगम कहा जाता है, जहां पर स्नान करने का बहुत महत्व है।

संगम क्षेत्र में भूमि का एक बड़ा हिस्सा भारतीय सेना और रक्षा सम्पदा का है। चूंकि महाकुंभ के दौरान संगम क्षेत्र में भारी भीड़ के आने की उम्मीद है, इसलिए सेना से संबंधित भूमि भक्तों के अस्थायी निवास के लिए नागरिक प्रशासन को सौंप दिया जाता है। इसके अलावा, बड़ी संख्या में प्रशासनिक और चिकित्सा सुविधाएं भी इस जगह पर बनती हैं।

शुभ-लाभ अवलोकन

प्रधानमंत्री मोदी ने 16 दिसंबर 2018 को किला परिसर में अक्षय वट का दौरा किया था। उन्होंने पाया कि माघ मेला और कुंभ मेले के दौरान पवित्र अक्षयवट दर्शन के लिए भक्तों के लिए सुलभ नहीं है। उस समय उन्होंने जनवरी–फरवरी 2019 में होने वाले कुंभ में भक्तों के लिए अक्षयवट खोले जाने के निर्देश पारित किए थे। चूंकि समय कम था, इसलिए सेना और नागरिक प्रशासन ने तब अस्थायी व्यवस्था की थी। लेकिन प्रधानमंत्री की विचार प्रक्रिया और भावना के अनुरूप पूरी परियोजना ने वर्ष 2022 में औपचारिक आकार लिया।

जून 2022 में मध्य भारत क्षेत्र के तत्कालीन जनरल ऑफिसर कमांडिंग लेफ्टिनेंट जनरल एमके दास ने प्रयागराज और फोर्ट कॉम्प्लेक्स का दौरा किया था। जीओसी को बताया गया था कि संगम क्षेत्र और किला परिसर में माघ मेले के दौरान सेना हर साल जनवरी–फरवरी में नागरिक प्रशासन की सहायता कैसे करती है। यह भी बताया गया कि स्थानीय नागरिक और सैन्य अधिकारी इस बात पर चर्चा कर रहे हैं कि 2025 में होने वाले महाकुंभ के दौरान श्रद्धालुओं के लिए सुविधाओं को कैसे बेहतर बनाया जाए। जीओसी ने स्थानीय सैन्य प्राधिकरण को विस्तृत योजना बनाने का निर्देश दिया था, ताकि सैन्य प्रतिष्ठान की सुरक्षा से समझौता किए बिना नागरिक भक्तों द्वारा अक्षय वट, सरस्वती कूप और पातालपुरी के दर्शन की सुविधा मिल सके।

यह लोगों की व्यापक भलाई के लिए एक सुंदर नागरिक–सैन्य संबंध की शुरुआत थी। स्थानीय नागरिक अधिकारियों को योजनाओं के बारे में जानकारी दी गई और बाद में वास्तविक स्थल पर ले जाकर विस्तृत जानकारी दी गई। तीन पवित्र स्थानों की साइट और उन्हें आपस में जोड़ने वाले मार्ग की योजना बनाई जानी थी। विस्तृत योजनाओं और कार्य के दायरे पर चर्चा की गई। इसके बाद योजनाओं को लखनऊ में यूपी राज्य प्रशासन के सामने प्रस्तुत किया गया। वर्ष 2022 के उत्त–रार्ध में यूपी के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने संगम और किला परिसर का दौरा किया। उन्हें प्रयागराज के स्थानीय सैन्य प्राधिकरण द्वारा जानकारी दी गई और उनका संचालन किया गया। उन्होंने प्रस्तुत योजनाओं में गहरी दिल–चस्पी ली और तुरंत किले परिसर में स्थित तीन पवित्र स्थानों के बुनियादी ढांचे और उसके सौंदर्यीकरण के लिए सैद्धांतिक मंजूरी दे दी।

सेना की क्षमताओं पर पूरा भरोसा जताते हुए यूपी सरकार ने वित्तीय पैकेज और परिव्यय को मंजूरी दी। चूंकि निर्माण कार्य रक्षा भूमि पर होना था, इसलिए रक्षा मंत्रालय (एमओडी) से मंजूरी प्राप्त की गई। आधिकारिक प्रोटोकॉल के अनुसार, परियोजना को सैन्य इंजीनियरिंग सेवा (एमईएस) द्वारा निष्पादित किया जाना था, जो एमओडी के तहत एक संगठन है जिसमें सेना और नागरिक कर्मचारी दोनों मिलकर काम करते हैं। यह परियोजना वर्ष 2023 की पहली तिमाही में सही मायने में शुरू हुई थी। पुराना ढांचा होने के कारण काम सावधानी से किया जाना था ताकि किसी भी ढांचे को नुकसान न पहुंचे। इसलिए, परियोजना की प्रारंभिक प्रगति श्रमसाध्य रूप से धीमी थी। लेफ्टिनेंट जनरल एमके दास ने वर्ष 2023 में कई बार परियोजना स्थल का दौरा किया। परियोजना के निष्पादन चरण के दौरान, काम का दायरा बढ़ गया जब सेना ने किला परिसर में कुछ और सुविधाएं जोड़ीं। यह सीएम योगी को श्रेय जाता है कि उन्होंने परियोजना के लिए अतिरिक्त धनराशि को तुरंत मंजूरी दी। सेना और नागरिक प्रशासन को इस बात का श्रेय जाता है कि इस परियोजना को रिकॉर्ड समय में बनाया गया और इस साल 13 दिसंबर को प्रधानमंत्री मोदी ने अक्षय वट और सरस्वती कूप में पूजा अर्चना की। उन्होंने सैन्य दक्षता के साथ अपने विजन को निष्पादित होते देखकर संतोष व्यक्त किया।

किला परिसर और उसमें स्थित धार्मिक स्थलों का निर्माण और जीर्णोद्धार अनुकरणीय नागरिक–सैन्य संबंधों का एक और उदाहरण है। महाकुंभ 2025 में इस बार भक्तों की सबसे अधिक रिकॉर्ड संख्या में भक्तों के आने की संभावना है और वे धार्मिक स्थलों को सर्वोतम महिमा और भव्यता के साथ देखेंगे। यह आम लोगों के अनुकूल राष्ट्र निर्माण में भारतीय सेना का एक और विनम्र योगदान है।

महाकुंभ 2025 : नावों का किराया 50 फीसदी बढ़ाने की प्रशासन ने दी मंजूरी

महाकुंभनगर, 19 दिसंबर (एजेंसियां)। जनवरी 2025 से त्रिवेणी के तट पर आयोजित होने जा रहे महाकुंभ के पहले योगी सरकार की तरफ से संगम के नाविकों के लिए अच्छी खबर आई है। मेला प्रशासन ने नाविकों की जीविका और सुरक्षा को देखते हुए महाकुंभ में कई लाभ देने का फैसला किया है।

महाकुंभ की शुरुआत के पहले कुंभ मेला प्रशासन की तरफ से संगम के नाविकों को कई रियायत देने का ऐलान किया गया है। नावों का किराया बढ़ाने पर मेला प्रशासन की सहमति बन गई है। एडीएम महाकुंभ विवेक चतुर्वेदी के मुताबिक संगम में चलने वाली नावों के किराए में 50 फीसदी की बढ़ोत्तरी कर दी गई है। लंबे समय नाविकों की नाव का किराया बढ़ाने की मांग की जा रही थी। प्रयागराज जिला नाविक संघ और मेला प्रशासन के बीच हुई बैठक के बाद यह फैसला लिया गया है।

प्रयागराज जिला नाविक संघ के अध्यक्ष पप्पू लाल निषाद ने प्रशासन के इस फैसले का स्वागत किया है। पप्पू लाल निषाद का कहना है महंगाई में बढ़ोत्तरी के बावजूद कई बरसों से नावों के किराए में कोई बढ़ोतरी नहीं की गई थी। इसे देखते हुए प्रशासन का फैसला नाविकों के हित में है। नावों के किराए में की गई बढ़ोतरी के बाद अब यह भी सुनिश्चित किया जाएगा कि किसी भी श्रद्धालु से तय किए गए किराए से ज्यादा किराया न लिया जाए। इसके लिए पूरी पारदर्शिता बरतने के लिए नाव के किराए की नई सूची भी तैयार की जा रही है। एडीएम मेला के मुताबिक सभी घाटों और पार्किंग स्थल में इस लिस्ट को चस्पा किया जाएगा। उन्होंने बताया कि प्रमुख स्नान पर्व पर भी नावें संचालित की जा सकेंगी, सिर्फ मोटर बोट प्रतिबंधित रहती है।

संपादकीय

कितना, कहां तक हिमाचल

प्रासंगिकता के कई प्रश्नों से रूबरू हिमाचल को अपने औचित्य और अनुचित व्यवहार पर गंभीरता से सोचना होगा। हर खेल सियासी नहीं हो सकता और न ही सियासत ही सफलता का ध्येय होना चाहिए, लेकिन हिमाचल अब हर कदम पर राजनीतिक दिशा-निर्देश देखने लगा है। नए कार्यालयों, नए बस डिपो, नए सरकारी होटलों, नए डाक बंगलों, नई सडक़ों और नए जुमलों की जमीन पर राजनीति की ही खेती होने लगी है, वरना क्यों सरकारी इमारतों में छात्रों की कमी, सरकारी बसों में यात्रियों की कमी और दफ्तरों की खाली कुर्सियों के आगे आशाओं की कमी हो जाती। ऐसे में जब तपोवन में शीतकालीन सत्र का आगाज विपक्ष के विरोध से सराबोर हो जाता है, तो कहीं प्रदेश मुंह छुपा रहा होता है। इस सारे शोर के बीच वह अर्जी भी नजर आती है जहां पांच सौ करोड़ का और ऋण उठाया जा रहा है, ताकि सरकारी कर्मचारियों की तनख्वाह और सेवानिवृत्ति के बाद की पेंशन को बांटा जा सके। आखिर कितनी चिलम पीता है तेरा खजाना, हम इस धुएं की खातिर ही सुलग रहे हैं। इसी बीच कई फैसलों की लौ के बीच आशा यही कि सुशासन की तालीम में जनता की मुराद पूरी हो। लेकिन सपने अब ढोंग करते हैं। हमेशा विपक्ष की आरजू में देखें तो सरकारों के कठोर फैसले रहम नहीं खाते और सत्ता से पूछें तो राज्य का सरकारी ढांचा फिजूलखर्ची के बिना चल नहीं सकता। वर्तमान सरकार के आने पर डिनोटिफिकेशन के पंजे ने अप्रासंगिक संस्थानों के दरवाजे बंद कर दिए, लेकिन खिड़कियों ने फिर से ताले खोलने शुरू कर दिए हैं। ऐसे में अप्रासंगिक कौन और क्यों नहीं, हम विचार कर पाते कि हमारी आर्थिक क्षमता और जरूरत के लिए किस सबब से उधार की व्यवस्था को अंत तक ढोना है। हम एक बार फिर विधानसभा सत्र की गरिमा से पूछेंगे कि सत्ता और विपक्ष के बीच कितना हिमाचल और कहां तक हिमाचल देखा जा रहा है। एक ओर कर्मचारी अपनी कॉडर विसंगतियों के बावजूद अपने वेतन-भत्तों की समांतर रेखाएं खींचने पर उतारू और दूसरी ओर सरकारी कार्य संस्कृति के हर पहलू में रिसाव से तंग जनता सिर्फ राजनीतिक बदलावों से अपनी चुनावी भूमिका में मशरूफ। हर चुनाव पहले से मगरूर और हर सत्र पहले से क्रूर। क्रूर इसलिए क्योंकि बहस के समय में आम जनता के प्रश्नों का कचूमर होते देखा जाता है और चर्चाएं गौण हो जाती हैं। क्या प्रदेश की आर्थिक स्थिति पर पक्ष-प्रतिपक्ष के मजमून और मुद्दे, सदन के भीतर आत्मचिंतन करेंगे या वहां हिमाचल के भविष्य के प्रश्नों पर विचार होगा। आश्चर्य यह कि न सरकार के फैसलों की राह सदन में जवाबदेह है और न ही विपक्ष का विरोध प्रदेश के साथ वहां प्रवेश करता है। उदाहरण के लिए पिछली सरकारों ने शहरी निकायों की सीमा बढ़ाई, तो यह दस्तूर आज भी जारी है और अब राज्य में नए नगर निगम तक बन गए, लेकिन शहरी विकास मंत्रालय का दायरा व वित्तीय व्यवहार वहीं का वहीं ही रहा। सीमेंट उत्पादन करके भी हिमाचल के विकास को सदा महंगी होती बोरी मिल रही है। यह हर सरकार का दस्तूर है, इसलिए चर्चा बेकसूर है। आश्चर्य यह कि राजनीतिक वचन और वादे अपनी फेहरिस्त में सरकारें बना रहे हैं, लेकिन सरकारों की निरंतरता में न काम जारी रहते और न ही योजनाएं। पूरे प्रदेश का सर्वेक्षण करें तो शिलान्यासों के अनेक खंजर चुभे मिलेंगे और आधी-अधूरी इमारतों के खंडहर मजबूर मिलेंगे। इसलिए तपोवन के सत्र को अपने से कुछ दूर कांगड़ा एयरपोर्ट विस्तार के हर पहलू पर दिल व जिगर का हवाला देना है, तो जदरांगल में केंद्रीय विश्वविद्यालय परिसर की खराब हुई मिट्टी की वजह भी बतानी है।

> नए कार्यालयों, नए बस डिपो, नए सरकारी होटलों, नए डाक बंगलों, नई सडक़ों और नए जुमलों की जमीन पर राजनीति की ही खेती होने लगी है, वरना क्यों सरकारी इमारतों में छात्रों की कमी, सरकारी बसों में यात्रियों की कमी और दफ्तरों की खाली कुर्सियों के आगे आशाओं की कमी हो जाती। ऐसे में जब तपोवन में शीतकालीन सत्र का आगाज विपक्ष के विरोध से सराबोर हो जाता है, तो कहीं प्रदेश मुंह छुपा रहा होता है। इस सारे शोर के बीच वह अर्जी भी नजर आती है जहां पांच सौ करोड़ का और ऋण उठाया जा रहा है, ताकि सरकारी कर्मचारियों की तनख्वाह और सेवानिवृत्ति के बाद की पेंशन को बांटा जा सके। आखिर कितनी चिलम पीता है तेरा खजाना, हम इस धुएं की खातिर ही सुलग रहे हैं। इसी बीच कई फैसलों की लौ के बीच आशा यही कि सुशासन की तालीम में जनता की मुराद पूरी हो। लेकिन सपने अब ढोंग करते हैं। हमेशा विपक्ष की आरजू में देखें तो सरकारों के कठोर फैसले रहम नहीं खाते और सत्ता से पूछें तो राज्य का सरकारी ढांचा फिजूलखर्ची के बिना चल नहीं सकता।

अन्तर्राष्ट्रीय मानव एकता दिवस- 20 दिसम्बर 2024 पर विशेष

समर्थ लोग निर्बल लोगों को स्नेह-सहयोग दें

ललित गर्ग

> संयुक्त राष्ट्र ने 22 दिसंबर 2005 को यह दिवस मनाने की घोषणा की थी। इस दिवस को विश्व एकजुटता कोष और संयुक्त राष्ट्र विकास कार्यक्रम द्वारा बढ़ावा दिया जाता है, जो दुनियाभर में गरीबी उन्मूलन के लिए निर्धारित लक्ष्यों को प्राप्त करने पर केंद्रित हैं। इस दिवस को मनाते हुए हर व्यक्ति शिक्षा में योगदान देकर, गरीबों या शारीरिक या मानसिक रूप से अक्षम लोगों की मदद करके अपनी महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकता है। इस दिवस के माध्यम से सरकारों को सतत विकास लक्ष्य के गरीबी और अन्य सामाजिक बाधाओं का जवाब देने के लिए प्रोत्साहित किया जाता है।

लोगों के बीच एकजुटता के महत्व को बताने, गरीबी पर अंकुश लगाने, दुनिया भर में गरीबी उन्मूलन के लिए नए रास्तों की तलाश करने, विकासशील देशों में मानव और सामाजिक विकास को बढ़ावा देने, शांति एवं सौहार्दपूर्ण जीवन को संभव बनाने, सरकारों को अंतरराष्ट्रीय समझौतों पर अपनी प्रतिबद्धताओं का सम्मान करने की याद दिलाने एवं पूरी दुनिया में, विशेष रूप से विकासशील देशों में सहयोग, शांति, सह-जीवन, समानता और सामाजिक न्याय की संस्कृति को बढ़ावा देने के लिये अंतरराष्ट्रीय मानव एकता दिवस हर साल 20 दिसंबर को मनाया जाता है। संयुक्त राष्ट्र ने 22 दिसंबर 2005 को यह दिवस मनाने की घोषणा की थी। इस दिवस को विश्व एकजुटता कोष और संयुक्त राष्ट्र विकास कार्यक्रम द्वारा बढ़ावा दिया जाता है, जो दुनियाभर में गरीबी उन्मूलन के लिए निर्धारित लक्ष्यों को प्राप्त करने पर केंद्रित हैं। इस दिवस को मनाते हुए हर व्यक्ति शिक्षा में योगदान देकर, गरीबों या शारीरिक या मानसिक रूप से अक्षम लोगों की मदद करके अपनी महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकता है। इस दिवस के माध्यम से सरकारों को सतत विकास लक्ष्य के गरीबी और अन्य सामाजिक बाधाओं का जवाब देने के लिए प्रोत्साहित किया जाता है। विविधता में एकता दर्शाने, सतत विकास के लिए लोगों, सरकारों को प्रेरित करने, लोगों को गरीबी, भुखमरी, बीमारियों से बाहर निकालने के लिए इस दिवस का विशेष महत्व है। इसमें भारत अपनी महत्वपूर्ण भूमिका हो सकती है, प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में इस जिम्मेदारी को संभालने का अर्थ है भारत को सशक्त करने के साथ-साथ दुनिया को मानव एकता की दृष्टि से एक नया चिन्तन, नया आर्थिक धरातल, शांति एवं सह-जीवन की संभावनाओं को बल देना। संयुक्त राष्ट्र के अनुसार, "संयुक्त राष्ट्र के निर्माण ने विश्व के लोगों और राष्ट्रों को एक साथ शांति, मानवाधिकारों और सामाजिक और आर्थिक विकास को बढ़ावा देने के लिए आकर्षित किया। संगठन की स्थापना अपने सदस्यों के बीच एकता और सद्भाव के मूल आधार पर की गई थी, जो सामूहिक सुरक्षा की अवधारणा में व्यक्त

की गई थी, जो अंतरराष्ट्रीय शांति और सुरक्षा बनाए रखने के लिए अपने सदस्यों की एकजुटता पर निर्भर करती है।" अंतरराष्ट्रीय मानव एकजुटता दिवस सतत विकास एवं समतामूलक विकास के एजेंडा पर आधारित है, जो अपने आप में गरीबी, भूख और बीमारी जैसे कई दुर्बल पहलुओं से लोगों को बाहर निकालने के लिए केंद्रित है। 'मिलेनियम डिक्लेरेशन' को ध्यान में रखते हुए, एकजुटता को 21वीं सदी में अंतरराष्ट्रीय संबंधों के मूलभूत मूल्यों में से एक माना जाता है, जिसके तहत कम से कम लाभ उठाने वाले और सबसे अधिक मुश्किलों का सामना करने वाले लोग उन लोगों की मदद के योग्य होते हैं जिन्हें सबसे अधिक लाभ मिलता है। मार्टिन लूथर किंग जूनियर ने कहा भी है कि एक व्यक्ति तब तक जीना शुरू नहीं करता जब तक वह अपनी व्यक्तिगत चिंताओं के संकीर्ण दायरे से ऊपर उठकर समस्त मानवता की व्यापक चिंताओं तक नहीं पहुंच जाता। आज समूची दुनिया में मानवीय एकता एवं चेतना के साथ खिलवाड़ करने वाली त्रासद एवं विडम्बनापूर्ण परिस्थितियां सर्वत्र परिव्याप्त हैं-जिनमें आतंकवाद सबसे प्रमुख है। जातिवाद, अस्पृश्यता, सांप्रदायिकता, महंगाई, गरीबी, भिखमंगी, विलासिता, अमीरी, अनुशासनहीनता, पदलिप्सा, महत्वाकांक्षा, उत्पीड़न और चरित्रहीनता आदि अनेक परिस्थितियों से मानवता पीड़ित एवं प्रभावित है। उक्त समस्याएं किसी युग में अलग-अलग समय में प्रभावशाली रहीं होंगी, इस युग में इनका आक्रमण समग्रता से हो रहा है। आक्रमण जब समग्रता से होता है तो उसका समाधान भी समग्रता से ही खोजना पड़ता है। हिंसक परिस्थितियां जिस समय प्रबल हों, अहिंसा का मूल्य स्वयं बढ़ जाता है। महात्मा गांधी ने कहा है कि आपको मानवता में विश्वास खोना नहीं चाहिए। मानवता एक महासागर है। यदि महासागर की कुछ बूंदें गंदी हैं, तो भी महासागर गंदा नहीं होता है।' ऐसे ही विश्वास को जागृत करने के लिये ही विश्व मानव एकता दिवस की आयोजना की गई है। गरीबी का कारण हिंसा, आतंक, अप्रामाणिकता, संग्रह, स्वार्थ, शोषण और क्रूरता आदि हैं, इनके दंश मानवता को मूर्च्छित कर रहे हैं एवं मानव एकता की सबसे बड़ी बाधाएं हैं। इस मूर्च्छा को तोड़ने के लिए अहिंसा, सह-जीवन, सौहार्द, शांति और सह-अस्तित्व का मूल्य बढ़ाना होगा तथा सहयोग एवं संवेदना की पृष्ठभूमि पर स्वस्थ समाज-संरचना की परिकल्पना को आकार देना होगा। दूसरों के अस्तित्व के प्रति संवेदनशीलता मानव एकता का आधार तत्व है। जब तक व्यक्ति अपने अस्तित्व की तरह दूसरे के अस्तित्व को अपनी सहमति नहीं देगा, तब तक वह उसके प्रति संवेदनशील नहीं बन पाएगा। जिस देश और संस्कृति में संवेदनशीलता का स्रोत सूख जाता है, वहाँ मानवीय रिश्तों में लिजलिजापन आने लगता है। अपने अंग-प्रत्यंग पर कहीं प्रहार होता है तो आत्मा आहत होती है। किंतु दूसरों के साथ ऐसी घटना घटित होने पर मन का एक कोना भी प्रभावित नहीं होता। यह संवेदनहीनता की निष्पत्ति है। इस संवेदनहीन मन की एक वजह सह-अस्तित्व का अभाव भी है। नेल्सन मंडेला ने कहा है कि हमारी मानवीय करुणा हमें एक दूसरे से जोड़ती है-दया या संरक्षण के भाव से नहीं, बल्कि ऐसे मानव के रूप में जिसने सीख लिया है कि कैसे अपने साझा दुख को भविष्य के लिए आशा में बदला जाए। आज हम इतने संवेदनशून्य हो गये हैं कि औरों का दुःख-दर्द, अभाव, पीड़ा, औरों की आहें हमें कहीं भी पिघलाती नहीं। देश और दुनिया में निर्दोष लोगों की हत्याएं, युद्ध की विभीषिकाएं, हिंसक वारदातें, आतंकी हमले, अपहरण, जिन्दा जला देने की रक्तरंजित सूचनाएं, महिलाओं के साथ व्यभिचार-बलात्कार की वारदातें पढ़ते-देखते हैं पर मन इतना आदती बन गया कि यूं लगता है कि यह सब तो रोजमर्रा का काम है।

दृश्टि कोण

आर्थिक रोडमैप के साथ दिल्ली से लौटे दिसानायके

सोमवार को प्रधानमंत्री मोदी ने संयुक्त प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा, 'हम सम्मानित महसूस कर रहे हैं कि कॉमरेड दिसानायके ने अपनी पहली आधिकारिक यात्रा के लिए भारत को चुना। इससे हमारे संबंधों में नई गति और ऊर्जा आएगी।' मोदी ने कहा कि भारत और श्रीलंका बिजली ग्रिड संपर्क और बहु-उत्पाद पेट्रोलियम पाइपलाइन स्थापित करेंगे, जिससे दोनों देशों के बीच निवेश और वाणिज्यिक संबंधों को बढ़ावा मिलेगा। दिसानायके की पार्टी, 'नेशनल पीपुल्स पावर' (एनपीपी) की मार्क्सवादी विचारधारा में जड़ें होने के कारण नई दिल्ली में कुछ चिंताएं पैदा हुई थीं, कि उनका झुकाव चीन की ओर होगा। लेकिन, कोलंबो में 'सेंटर फॉर पॉलिसी अल्टरनेटिव्स' के कार्यकारी निदेशक पैकियासोथी सरवनमुट्टू के अनुसार, 'नई दिल्ली को अपना पहला विदेशी पड़ाव बनाकर उन्होंने संकेत दिया, कि भारत वास्तव में हमारा सबसे करीबी सहयोगी होगा। यह इस यात्रा का प्रतीकात्मक आयाम है।' सबसे दिलचस्प यह है कि दिसानायके की रविवार से आरम्भ तीन दिवसीय भारत यात्रा पर चीन से अधिक, अमेरिका की नज़र रही है। राष्ट्रपति अनुरा कुमारा दिसानायके की दिल्ली यात्रा से दस दिन पहले, दक्षिण और मध्य एशियाई मामलों के अमेरिकी सहायक मंत्री डोनाल्ड लू, अमेरिकी वित्त विभाग में एशिया-प्रशांत के उप सहायक मंत्री रॉबर्ट कैप्रोथ, और अंतर्राष्ट्रीय विकास एजेंसी (यूएसएआईडी) में एशिया ब्यूरो की उप सहायक प्रशासक अंजलि कौर कोलम्बो आये, और उन्होंने राष्ट्रपति अनुरा कुमारा दिसानायके, प्रधानमंत्री डॉ. हरिनी अमरसूर्या, विदेश रोजगार-पर्यटन मंत्री विजिता हेराथ के साथ चर्चा की। अंजलि कौर ने यूएसएआईडी परियोजनाओं को अमल करने में अमेरिकी रुचि का इज़हार किया। मतलब, अमेरिका ने बता दिया कि हिन्द महासागर में श्रीलंकन सहयोग हमें मिलते रहना चाहिए। सोमवार को नई दिल्ली में दिसानायके का दिया बयान महत्वपूर्ण है, 'हमने दो साल पहले एक अभूतपूर्व आर्थिक संकट का सामना किया था, और भारत ने उस दलदल से बाहर निकलने में हमारा भरपूर समर्थन किया था।' इस समय श्रीलंका के लिए लाइन ऑफ़ क्रेडिट (देय भुगतानों) से निपटना सबसे बड़ी चुनौती है। दिसानायके ने इसके लिए 20.66 मिलियन डॉलर की वित्तीय सहायता देने के लिए भारत सरकार को धन्यवाद दिया, जिससे उस पर ऋण बोझ काफी कम हो गया। नई दिल्ली की सुरक्षा चिंताओं को संबोधित करते हुए राष्ट्रपति दिसानायके ने कहा, 'हम ऐसा नहीं होने देंगे। हमारी भूमि का किसी भी तरह से उपयोग नहीं किया जाना चाहिए, जो भारत के हित के लिए हानिकारक हो।' श्रीलंका के राष्ट्रपति ने कहा, 'मैं आश्वस्त करना चाहता हूं कि भारत को हमारा समर्थन और सहयोग निरंतर मिलेगा।' सेंटर फॉर पॉलिसी अल्टरनेटिव्स के कार्यकारी निदेशक सरवनमुट्टू के अनुसार, 'श्रीलंका को भारत और चीन के बीच संतुलन बनाना है, लेकिन दिसानायके बहुत व्यावहारिक हैं। वे कट्टर वामपंथियों की तरह विचारक नहीं हैं। वह जानते हैं कि भारत उसका सबसे करीबी और मुसीबत में मददगार पड़ोसी है। चीन भी श्रीलंका में होगा।' लेकिन इस सवाल पर कि क्या चीन को बड़ी हिस्सेदारी मिलेगी? सरवनमुट्टू बोलते हैं, 'मुझे नहीं लगता, कि ऐसा जरूरी होगा।' राष्ट्रपति अनुरा दिसानायके की यात्रा से पहले, कोलंबो की ओर से स्पष्ट किया गया कि अडानी समूह द्वारा विकसित किए जा रहे बंदरगाह परियोजना को हमें आगे बढ़ाना है। इससे पहले दिसानायके के कार्यालय ने कहा था, कि हम अडानी परियोजना की समीक्षा करेंगे, क्योंकि हमसे यह छिपाया था कि भारत में एक विशाल सौर ऊर्जा परियोजना को कथित तौर पर 250 मिलियन डॉलर की रिश्वत योजना के तहत सुविधा प्रदान की जा रही थी। बहरहाल, 'अडानी पोर्ट्स एंड स्पेशल इकोनॉमिक ज़ोन लिमिटेड' के शेयर मंगलवार सुबह से चर्चा में हैं। क्योंकि, अडानी समूह की इस कंपनी ने कहा है कि वह अमेरिकी फंडिंग की मांग नहीं करेगी। इसके बजाय, श्रीलंकाई बंदरगाह परियोजना के लिए अपने संसाधनों का इस्तेमाल करेगी। अडानी पोर्ट्स ने कहा कि श्रीलंका में कोलंबो वेस्ट इंटरनेशनल टर्मिनल (सीडब्ल्यूआईटी) परियोजना अच्छी तरह से आगे बढ़ रही है, और अगले साल की शुरुआत तक चालू होने की राह पर है। अडानी पोर्ट्स ने कहा, 'हमने डीएफसी से वित्तपोषण के लिए अपना अनुरोध वापस ले लिया है।' अडानी ट्रांसमिशन लिमिटेड के एमडी और सीईओ अनिल सरदाना ने बताया, 'श्रीलंका के उत्तरी और पूर्वी क्षेत्रों मन्नार और पूनरी में 500 मेगावाट की अक्षय ऊर्जा परियोजना प्रगति पर है।' मंगलवार को श्रीलंकाई कैबिनेट द्वारा जारी बयान में कहा गया, 'अरबपति गौतम अडानी के नेतृत्व वाले अडानी समूह की अक्षय ऊर्जा इकाई अडानी ग्रीन एनर्जी को फरवरी, 2023 में 442 मिलियन डॉलर निवेश करने, और मन्नार शहर और पूनरी गांव में 484 मेगावाट पवन ऊर्जा संयंत्र विकसित करने की मंजूरी मिली थी, जो दोनों श्रीलंका के उत्तरी प्रांत में स्थित हैं।' अडानी समूह कोलंबो में श्रीलंका के सबसे बड़े बंदरगाह पर 700 मिलियन डॉलर की टर्मिनल परियोजना के निर्माण में भी शामिल है। सितंबर 2021 में शुरू की गई 'सीडब्ल्यूआईटी' परियोजना, श्रीलंका के बंदरगाह क्षेत्र में सबसे बड़ा प्रत्यक्ष विदेशी निवेश है। 35 साल के समझौते की कीमत 1 बिलियन डॉलर है। यह टर्मिनल श्रीलंका की सबसे बड़ी और सबसे गहरी कंटेनर सुविधा वाली होगी, जो अल्ट्रा लार्ज कंटेनर वेसल्स को संभालने में सक्षम है।

कुछ अलग

नींद का रोग

हमने सुना था एक दिन ऐसा भी आएगा जब हम जश्न मनाएंगे। आजकल पौराणिक ग्रन्थों में से सब शब्दों के अर्थ ढूंढने का प्रयास होता है। जश्न का अर्थ बताओ? एक मसनद के साथ बड़े अमीर बैठे हैं। उनके पास छोटे अमीर उमरा बैठे हैं। तश्तरी पर पान की बीड़े, हुक्के की नेच एक मुंह से दूसरे मुंह में। सामने एक दो शीना सुंदर नर्तकी नाच रही है। मय के प्याले छलक रहे हैं। उमर ख्याम होते तो दो-चार रुबाइयां और कह देते। रात बहती जा रही है किसी चांदी के झरने सी। अमावस की रात होती है, यह चांदी का झरना कहां से आ गया? अरे चांदी का झरना नहीं यहां तारों की शाल भी है। मियां सोना यहां निचाट फुटपाथ, पत्थरों की सेज पर ऐसे सपने? सपने तो ऐसी सेजों पर ही देखे जाते हैं। मखमली गद्दों पर उन्हें नींद कहां आती है? वह कहानी नहीं सुनी क्या? कौनसी? एक राजकुमारी को मखमली गद्दों पर नींद नहीं आती थी। राजवैद्य ने सुझाया, उनके नीचे एक नहीं, दो नहीं, आठ मखमली गद्दे बिछा दो। नींद दौड़ी चली आएगी। दूसरा बोला- इन पर नींद की दवा का इत्र छिडक़ दो, नींद दौड़ी चली आएगी। लीजिए जनाब, गद्दे आ गए। नींद की दवा भी छिडक़ दी गई। राजकुमारी को नींद फिर भी नहीं आई। क्या कारण है, क्या रोग है? अमीर उमरा एक-दूसरे से पूछने लगे, तभी एक सियाना सामने आया। कहने लगा, ऐसे इस कोमल कली को नींद नहीं आएगी। आओ, इसका रहस्य तलाश करें। गद्दे उठवाए गए। एक-दूसरे के बाद तीसरा गद्दा। आठों गद्दे उठ गए। सबसे निचले गद्दे के नीचे एक मटर का दाना पड़ा हुआ था। राजकुमारी को भला कैसे नींद आ जाती। आखिर ऐश्वर्य का आदी कोमल बदन। मटर की चुभन सह न सका। सारी रात करवटें बदलते ही बीत गई। दूसरी ओर देश के फुटपाथों, झुग्गी-झोंपडियों की टूटी छतों के आरपार निकल जाते हैं। कहीं भी एक जागता हुआ बशर नहीं मिलता। सब घुक सोये हैं। नीचे पत्थरों की सेज चुभ रही है, कोई परवाह नहीं। ऊपर टूटी छत है तो उसमें से धारसार पानी बरस रहे हैं, कोई परवाह नहीं। बरसों पहले किसी ने आधी रात के गजर के साथ स्वाधीनता की घोषणा करते हुए कहा था, 'लो सुबह हो गई। अब तुम्हारी जिंदगी से सब अंधेरे छंट गए। प्रभात की रोशनी तुम्हे नहला देगी।' वे इंतजार कर रहे हैं। इस बीच 33 करोड़ से एक सौ तीस करोड़ हो गए। रात की रानी उनसे रूप बदल-बदल कर आंख-मिचौली खेलती रही। कभी कहती धन और धरती बंट के रहेगी। समाजवाद आएगा, सबके लिए रोटी लाएगा। कभी किसी सदाबहार शायर की लय में कह जाती, 'जिस खेत से दहकां के मयस्सर न हों रोटी, उस खेत के हर गोशाये गंदम को जला दो।' लीजिये रोटी भरपेट तो मयस्सर नहीं हुई। बारह माह हाड़ तोडऩे के बाद अब किसान मजदूर गलबहियां डाल कर पत्थरों की सेज बनाए हैं। आज गहरी नींद सो रहे हैं। किसी क्रांतिनाद पर नहीं जागते। परंतु साहब ऐसी मौतों को कौन गिनता है। सब बदहजमी से मरे खाते में जाएगी। उधर राजकुमारी को नींद नहीं आई, क्या उसके गद्दों के नीचे वे मटरों के दाने से मजदूर अवसादग्रस्त होकर सो रहे थे, कि अब मरेंगे तभी उठेंगे। और वह राजकुमारी व्यर्थ डर रही थी कि कहीं यह मजदूर उठ गए तो उसका क्या होगा? राजकुमारी का डर लगाना। उधर मजदूरों की नींद को और गहरा करने के लिए महाआमन्यो के सामन्तों ने मजदूरों को बता दिया कि नई रौशनी तुम्हारे अंधेरे दरीचों से झांकेगी, हम इन बड़ी-बड़ी अट्टालिकाओं वालों का काला धन नामंजर कर रहे हैं। लेकिन इससे पहले कि मुद्रा अमान्य हो जाती, उसे बैंकों में जमा करवा के सफेद बना दिया गया। मजदूर कैसे उठता? वे निराश होकर चिरनिद्रा में गए।

देश दुनिया से

शिक्षण के क्षेत्र में रोज़गार से पाएं सम्मान

शिक्षा और रोजगार का अन्योन्याश्रित सम्बन्ध है। वर्तमान दौर में उत्तम शिक्षा इनसान को कौशल, दक्षता, निपुणता और ज्ञान से परिपूर्ण बनाकर नौकरी में सफलता पाने के लिए तैयार करती है। इस प्रगतिशील आधुनिक युग में बेहतरीन तकनीकी शिक्षा हासिल कर कोई भी कहीं भी, किसी भी रोजगार के क्षेत्र में सफलता हासिल कर सकता है, जबकि उच्च शिक्षा के अभाव में अनेकों लोग अच्छे वेतन वाली नौकरियां पाने से वंचित रह जाते हैं। अगर आप शिक्षा अथवा अध्यापन के क्षेत्र में नौकरी की तलाश कर रहे हैं तो आप अध्यापन के क्षेत्र में शिक्षक बनकर, स्कूल, कॉलेज खोलकर, सरकारी नौकरी करके, कोचिंग संस्थान खोलकर अच्छी आजीविका कमा सकते हैं। कम्प्यूटर इंजीनियरिंग, लाइब्रेरियन बनकर अथवा कौशल विकास के क्षेत्र में प्रशिक्षण स्कूल खोलकर भी रोजगार प्राप्ति की दिशा में कदम बढ़ा सकते हैं। आज भारत में डिजिटल, ऑनलाइन और कोचिंग शिक्षा का बाजार अपनी जड़ें जमा चुका है। 6-18 वर्ष के आयुवर्ग की विश्व की सबसे बड़ी जनसंख्या होने के कारण, भारतीय शिक्षा क्षेत्र में यह कारोबार दोगुनी रफ्तार से आगे बढ़ रहा है। आकाश, बायज्जु और खान सर जैसे अनेकों शिक्षण/कोचिंग संस्थान जो कोटा, चंडीगढ़, दिल्ली, पटना और पूरे भारत के बड़े शहरों में फैले हुए हैं, लखूब रुपए कमा रहे हैं और इन संस्थानों में कार्यरत शिक्षकों को भी अच्छी सैलरी मिल रही है। पुणे स्थित कंसल्टेंसी फर्म इंफिनियम ग्लोबल रिसर्च की मानें तो मौजूदा समय में भारत के कोचिंग उद्योग का बाजार राजस्व 58088 करोड़ रुपए तक पहुंच चुका है। इस इंडस्ट्री के 2028 तक 133955 करोड़ रुपए तक पहुंच जाने का अनुमान है। भारत में प्रत्येक चार में से एक बच्चा कोचिंग अथवा ट्यूशन ले रहा है। आप शिक्षक बन सकते हैं क्योंकि यह बहुत ही आदर का पद भी है। अगर आपने किसी विषय में पढ़ाई की है और आवश्यक पात्रता परीक्षाएं यथा टेट/नेट/सेट आदि योग्यता धारक हैं तो आप अध्यापक/प्रोफेसर बन सकते हैं। शिक्षक न केवल प्रेरणा स्रोत होते हैं, बल्कि वे छात्रों को अपने ज्ञान एवं अनुभव से शिक्षित करते हैं, योग्य बनाते हैं। शिक्षक बनने के लिए आपके पास विषय ज्ञान, पढ़ाने की क्षमता, दक्षता और योग्यता होनी चाहिए। यह एक ऐसा क्षेत्र है जहां आप सम्मान के साथ-साथ अच्छे रुपए भी कमा सकते हैं। भारतवर्ष के प्रायः सभी राज्यों में प्राइवेट स्कूलों एवं कालेजों की भरमार है और उनको कमाई भी खूब हो रही है। इसके अतिरिक्त सरकारी नौकरी पाना लगभग सभी शिक्षित युवाओं का सपना होता है क्योंकि इसमें आपका भविष्य भी सुरक्षित रहता है। आज छोटे छोटे गांव कस्बों में भी कम्प्यूटर शिक्षण सिखलाई के केंद्र खुल चुके हैं। आज के समय में कंप्यूटर शिक्षा नए रोजगार के दरवाजे खोल रही है जिससे आप लाभान्वित हो सकते हैं। इस क्षेत्र में सॉफ्टवेयर इंजीनियर, हार्डवेयर इंजीनियर, नेटवर्क इंजीनियर, डेटा एनालिस्ट/साइंटिस्ट, वेब डेवलपर और डिजाइन इंजीनियरिंग के अलावा कुछ अन्य क्षेत्र हैं जहां शिक्षा प्राप्त कर आप बेहतर रोजगार प्राप्त कर सकते हैं। इसके अलावा पुस्तकालय में काम करने वाले लाइब्रेरियन के रूप में भी शुरुआत की जा सकती है। आजकल डिजिटल और ऑनलाइन लाइब्रेरी का प्रचलन भी खूब बढ़ गया है। ग्राम, स्कूल, कॉलेज, महाविद्यालय, यूनिवर्सिटी और जिला स्तर पर पुस्तकालय शिक्षणार्थियों को खूब आकर्षित करते हैं और वैसे भी वास्तविक ज्ञान पुस्तकों में ही मिलता है, न कि सोशल मीडिया में। कौशल विकास संस्थान विभिन्न क्षेत्रों में तकनीकी प्रशिक्षण प्रदान करते हैं, जैसे कि तकनीकी कौशल, कंप्यूटर ज्ञान, फैशन डिजायनिंग, ब्यूटीपार्लर, सिलाई कटाई की सिखलाई, इलेक्ट्रीशियन, प्लंबर, वेल्डिंग आदि व्यावसायिक और कला संबंधित कौशल से युवाओं को स्वरोजगार हेतु तैयार कर समाज को सौंपते हैं। ये स्कूल आमतौर पर सरकारी या निजी निकायों द्वारा संचालित होते हैं और अधिकांश मामलों में प्रमाणित पाठ्यक्रम उपलब्ध कराते हैं जो छात्रों को नौकरी में सफलता प्राप्त करने के काम आते हैं। विश्व बैंक द्वारा किए गए अध्ययनों से पता चलता है कि वर्तमान में दुनिया में शिक्षकों की कुल संख्या लगभग आठ करोड़ पचास लाख से अधिक है। यूनेस्को का एक अन्य अध्ययन बताता है कि 2000 और 2019 के बीच दुनिया भर में शिक्षकों की संख्या में 50 फीसदी की वृद्धि हुई है। नवीनतम यूडीआईएसई रिपोर्ट के अनुसार, वर्तमान समय में भारत में 9507123 स्कूल शिक्षक हैं। भारत में 4882446 शिक्षक सरकारी स्कूलों में कार्यरत हैं, जबकि 3540647 शिक्षक निजी स्कूलों में कार्यरत हैं। भारत में सबसे अधिक शिक्षकों वाला राज्य उत्तर प्रदेश है। इस राज्य में 1507828 स्कूल शिक्षक हैं। शिक्षकों की सबसे कम संख्या लक्षद्वीप में है, जहां केंद्र शासित प्रदेश में केवल 806 शिक्षक हैं। भारत में महिला-पुरुष शिक्षक विभाजन के अनुसार महिला शिक्षकों की संख्या 48.76 लाख तथा पुरुष शिक्षकों की संख्या 46.30 लाख है, तथा महिला शिक्षकों की संख्या पुरुष शिक्षकों से अधिक है। भारत में कुल शिक्षकों में से 73.04 प्रतिशत ग्रामीण स्कूलों में पढ़ाते हैं। शिक्षण एक महान पेशा रहा है और रहेगा क्योंकि सुशिक्षित अध्यापक न केवल विरासत में प्राप्त विद्या को अपने शिष्यों तक पहुंचाते हैं बल्कि नवीन ज्ञान, पद्धतियों से अपने शिष्यों के लिए सफलता के द्वार भी खोलते हैं और जब उनके शिष्य जीवन में सफल होते हैं तो सर्वाधिक प्रसन्नता भी गुरुओं को ही होती है और गुणी एवं योग्य शिक्षक ही समाज एवं देश में यश प्राप्त करते हैं, पूजे जाते हैं। शास्त्रों में वर्णित भी है कि, 'विद्वत्वं च नृपत्वं च न एव तुल्ये कदाचन। स्वदेशे पूज्यते राजा विद्वान्सर्वत्र पूज्यते॥' अर्थात बुद्धि और राज्य की तुलना कभी नहीं की जा सकती। राजा का सम्मान उसके अपने देश में होता है, जबकि बुद्धिमान व्यक्ति का सम्मान हर जगह होता है।

आप का नजरिया

दानव नहीं नशेबाज़

बीते सोमवार सुप्रीम कोर्ट ने नशीले पदार्थों के खिलाफ लड़ाई में संवेदनशील व्यवहार व मानवीय दृष्टिकोण अपनाने पर बल दिया। इस मुहिम से जुड़े महत्वपूर्ण बिंदुओं पर प्रकाश डालते हुए अदालत ने दोटूक शब्दों में कहा कि नशे की लत के शिकारों का दानवीकरण करने के बजाय उनके उपचार व पुनर्वास को प्राथमिकता बनाया जाए। यह हकीकत है कि हाल ही के वर्षों में विभिन्न घातक नशीले पदार्थों का प्रयोग तेजी से बढ़ा है, लेकिन ऐसे लोगों के प्रति समाज में दुराग्रहपूर्ण नकारात्मकता होती है। समाज को ऐसे लोगों की पहचान संवेदनशील ढंग से करके, उन्हें इस लत से बचाने के लिये मनोवैज्ञानिक प्रयास करने चाहिए। निस्संदेह, कठोर व्यवहार करने से यह समस्या और जटिल हो जाती है। चिंता की बात यह है कि देश के तमाम इलाकों में नशे की दलदल के विस्तार की खबरें आ रही हैं। लेकिन उस अनुपात में सरकारों की तरफ से इस चुनौती के मुकाबले युद्धस्तर पर पहल होती नजर नहीं आ रही है। वहीं समाज की उदासीनता भी चिंता बढ़ाने वाली है। निस्संदेह, हमें नशे करने वालों को खतरनाक व्यक्ति के रूप में देखने के बजाय, समाज की मुख्यधारा में लाने का प्रयास करना चाहिए। समाज के कठोर व तिरस्कारपूर्ण व्यवहार के चलते नशे के शिकार लोग और गहरी दलदल में उतरते चले जाते हैं। यदि हम इन युवाओं में नशे की दलदल से निकलने इच्छाशक्ति पैदा करें तो नशे के खिलाफ हमारी जंग कामयाब हो सकती है। लेकिन वस्तुस्थिति यह है कि उनके प्रति नकारात्मक धारणा व उपेक्षा से उपजे मनोवैज्ञानिक द्वंद्व से व्यक्ति गहरे नशे की ओर उन्मुख हो जाता है। ऐसे में सवाल उठना स्वाभाविक है कि जब हमने वर्ष 2047 तक नशामुक्त भारत बनाने का लक्ष्य रखा है तो उसे पाने के लिये कारगर रणनीति अपनाने की भी जरूरत है। विशेषकर सामाजिक स्तर पर व्यापक व्यावहारिक पहल, जो जमीनी स्तर पर बड़े बदलाव का वाहक बन सके। यह तार्किक है कि सुप्रीम कोर्ट की पीठ को कहना पड़ा कि नशे की लत के शिकार लोगों को अपराधी की तरह देखना गलत है। निश्चित रूप से विभिन्न हितधारकों मसलन केंद्र व राज्य सरकारों, नागरिक समाजों, परिवारों व शैक्षणिक संस्थानों को संकट से निपटने के लिये खुलकर की जाने वाली चर्चाओं पर ध्यान देना चाहिए। इसके विपरीत यदि हम उन्हें अपराधियों की तरह देखते रहे तो उन्हें हम पतन के गर्त की ओर उन्मुख कर देंगे। हम स्वीकार करें कि देश के युवाओं के भविष्य पर संकट मंडरा रहा है। उन्हें करुणा और संवेदनशीलता की दृष्टि से देखे जाने की जरूरत है ताकि उन्हें अपनी स्थिति पर आत्ममंथन का मौका मिल सके। दरअसल, नशे के शिकार ये लोग इस नशे की नदी की छोटी मछलियां हैं। बड़ी मछलियां तो नशीली दवाओं के व्यापारी और तस्कर हैं। जो एक फलते-फूलते अंतर्राष्ट्रीय नेटवर्क का हिस्सा हैं। जो कानून व पुलिस की गिरफ्त में आने से बचने के लिये धनबल से तमाम तरीके इजाद कर लेते हैं। इसे पंजाब के हालात के रूप में भी देखा जाना चाहिए। दरअसल, यह सीमा पार से चलाये जा रहे नशे के चक्रव्यूह में फंस रहा है। साल की शुरुआत में अत्यधिक नशे की डोज से मरने की घटनाओं से पंजाब हिल गया था।

दक्षिण कोरिया के ग्लोबल स्टार्टअप फेस्टिवल में भारतीय प्रतिनिधिमंडल ने हिस्सा लिया

सियोल, 19 दिसंबर (एजेंसियां)।

भारतीय व्यापार संवर्धन से संबद्ध एक शीर्ष प्रतिनिधिमंडल ने अगले साल नई दिल्ली में होने वाले स्टार्टअप महाकुंभ 2025 हिस्सा लेने के लिए कोरिया के सरकारी अधिकारियों और स्टार्टअप सीईओ को निमंत्रण दिया है। भारतीय प्रतिनिधिमंडल ने दक्षिण कोरिया की राजधानी सियोल में आयोजित ग्लोबल स्टार्टअप फेस्टिवल में हिस्सा लिया। इस दो दिवसीय आयोजन का समापन 12 दिसंबर को हुआ।

खबर के अनुसार, भारत सरकार के वाणिज्य और उद्योग मंत्रालय के उद्योग और आंतरिक व्यापार संवर्धन विभाग की अतिरिक्त सचिव और वित्तीय सलाहकार आरती भटनागर के नेतृत्व में पहुंचे प्रतिनिधिमंडल में स्टार्टअप इंडिया टीम के प्रतिनिधि और विभिन्न भारतीय स्टार्टअप के सदस्य शामिल रहे। उद्घाटन समारोह के बाद दक्षिण कोरिया के मंत्री ओह यंग-जू ने भारतीय स्टालों का निरीक्षण किया।

भारतीय स्टार्टअप क्रिप्टन ने एआई की प्रस्तुति दी। भारतीय प्रतिनिधिमंडल ने स्टार्टअप मंत्रालय के उपमंत्री लिम जंग-वूक से भी मुलाकात की। भारतीय राजदूत अमित कुमार ने भी स्टार्टअप क्षेत्र और सहयोग के संभावित क्षेत्रों में कोरिया और भारत के बीच सहयोग को बढ़ावा देने के दूतावास के प्रयासों के बारे में जानकारी देने के लिए प्रतिनिधिमंडल से मुलाकात की। उन्होंने कहा कि भारत की राजधानी नई दिल्ली में तीन दिवसीय स्टार्टअप महाकुंभ 2025 का आगाज चार अप्रैल को होगा।

न्यूज ब्रीफ

मोहम्मद यूनुस काहिरा में, मलेशिया से रोहिंग्या संकट के समाधान पर समर्थन मांगा

ढाका। बांग्लादेश की अंतरिम सरकार के मुख्य सलाहकार मोहम्मद यूनुस ने रोहिंग्या संकट को हल करने के लिए अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन आयोजित करने को लेकर मलेशिया से समर्थन मांगा है। उन्होंने कहा कि म्यांमार के रखाइन राज्य में नए सिरे से हिंसा के कारण हाल ही में 80,000 से अधिक रोहिंग्या बांग्लादेश में प्रवेश कर चुके हैं। मोहम्मद यूनुस ने मलेशिया के उच्च शिक्षा मंत्री जाम्ब्री अब्दुल कादिर के साथ बैठक में यह मामला उठाया। यूनुस आर्थिक सहयोग के लिए डी-8 संगठन के 11वें शिखर सम्मेलन में भाग लेने के लिए काहिरा (मिस्र) में हैं। मुख्य सलाहकार के प्रेस विंग ने यहां बयान जारी कर कहा कि उन्होंने सेंट रेजिस होटल में कादिर से मुलाकात की। बयान के अनुसार, चर्चा आपसी हितों पर केंद्रित रही। इसमें रोहिंग्या संकट प्रमुख रहा। यूनुस ने इस बात पर जोर दिया कि रखाइन राज्य सदियों से रोहिंग्याओं का घर रहा है। उन्होंने उनकी सुरक्षा और स्थिरता सुनिश्चित करने के लिए रखाइन में संयुक्त राष्ट्र-पर्यवेक्षित सुरक्षित क्षेत्र की स्थापना का भी प्रस्ताव रखा।

नेपाल की विदेश मंत्री राणा पांच दिवसीय दौरे पर पहुंचीं नई दिल्ली

काठमांडू। नेपाल और चीन के बीच बेल्ट एंड रोड इनिसिएटिव (बीआरआई) प्रोजेक्ट के कार्यान्वयन

समझौते पर हस्ताक्षर होने के बाद नेपाल की विदेश मंत्री डॉ. आरजू राणा पांच दिवसीय दौरे पर गुरुवार सुबह नई दिल्ली पहुंचीं। यूरोप की 10 दिवसीयी यात्रा पूरी करने के बाद डॉ. राणा जर्मनी से नेपाल लौटने के क्रम में यहां पहुंची हैं। डॉ. राणा के इंदिरा गांधी इंटरनेशनल एयरपोर्ट पहुंचने पर दिल्ली स्थित नेपाली दूतावास के कार्यवाहक राजदूत डॉ. सुरेंद्र थापा ने उनका स्वागत किया। इस मौके पर भारतीय विदेश मंत्रालय के नेपाल डेस्क के निदेशक अमित कुमार मिश्रा भी मौजूद रहे। डॉ. थापा ने एक बयान में बताया कि अपने पांच दिवसीय दौरे में डॉ. राणा दिल्ली के मैक्स हॉस्पिटल में स्वास्थ्य जांच कराएंगी। इसके बाद विदेश मंत्री डॉ. राणा अपने भारतीय समकक्ष डॉ. एस. जयशंकर से भी मुलाकात कर सकती हैं। हालांकि अभी समय तय नहीं हो पाया है। सूत्रों ने बताया कि बीआरआई प्रोजेक्ट पर हस्ताक्षर करने के बाद नई दिल्ली पहुंचीं डॉ. राणा अपने भारतीय समकक्ष से मुलाकात कर अपना पक्ष रखना चाहती हैं।

ग्रीस नौका हादसे में कम से कम 40 पाकिस्तानियों की मौत, दूतावास ने भेजी रिपोर्ट

इस्लामाबाद। हाल ही में ग्रीस के पास समुद्र में तीन नावों के पलटने से पाकिस्तान के कम से कम 40 नागरिकों की मौत हो गई। इनमें से सिर्फ पांच के शव खोजे जा सके हैं। बाकी के जीवित बचने की कोई संभावना नहीं है। इसलिए उनको भी मृत मान लेना चाहिए। वजह यह है कि ग्रीस तटरक्षक बल ने समुद्र में बचाव अभियान को बंद कर दिया है। ग्रीस की राजधानी एथेंस से पाकिस्तान के दूतावास ने सरकार को भेजी रिपोर्ट में यह सूचना साझा की है। जियो न्यूज चैनल में प्रसारित खबर के अनुसार, लीबिया में अभी भी 5,000 से अधिक पाकिस्तान के नागरिक हैं। वह लीबियाई और पाकिस्तानी एजेंटों के साथ यूरोप की यात्रा करने के लिए तैयार हैं। उन्होंने पाकिस्तान से वीजा प्राप्त किया और कानूनी रूप से लीबिया पहुंचे। ग्रीस के समुद्रीय जल क्षेत्र में पलटने वाली तीन नावें लीबिया के टोब्रुक बंदरगाह से आई थीं। पहले जहाज में 45 यात्री सवार थे। इनमें से छह पाकिस्तानी थे। दूसरी नाव पर सवार 47 यात्रियों में से पांच पाकिस्तानी थे। तीसरी नाव में सवार 83 यात्रियों में तीन बांग्लादेशी, दो मिस्र, दो सूडानी और 76 पाकिस्तानी शामिल थे। एक नाव से पांच पाकिस्तानियों के शव बरामद हुए। इनमें चार के नाम हैं- सुफियान, रहमान अली, हाजी अहमद और आबिद।

कच्चे दूध में पांच दिनों तक जीवित रह सकते हैं इन्फ्लूएंजा वायरस

न्यूयॉर्क, 19 दिसंबर (एजेंसियां)।

इन्फ्लूएंजा वायरस, विशेषकर फ्लू वायरस, रेफ्रिजरेटर में रखे कच्चे दूध में पांच दिनों तक जीवित रह सकते हैं। यह दावा किया है स्टैनफोर्ड विश्वविद्यालय के वैज्ञानिकों ने।

स्टैनफोर्ड डोएर स्कूल ऑफ सस्टेनेबिलिटी की वरिष्ठ लेखिका एलेक्जेंड्रिया बोहम के अनुसार, यह अध्ययन कच्चे दूध के सेवन से एवियन इन्फ्लूएंजा के जोखिम को और पाश्चराइजेशन के महत्व को उजागर करता है। कच्चे दूध के समर्थकों का कहना है कि यह पाश्चराइज्ड दूध से अधिक लाभकारी होता है क्योंकि इसमें अधिक पोषक तत्व, एंजाइम और प्रोबायोटिक्स होते हैं, जो प्रतिरक्षा और गैस्ट्रोइंटेस्टाइनल स्वास्थ्य को बेहतर बना सकते हैं।

हालांकि, यूएस फूड एंड ड्रग एडमिनिस्ट्रेशन ने कच्चे दूध से संबंधित 200 से अधिक बीमारियों की चेतावनी दी है, जिसमें ई. कोली और साल्मोनेला जैसे खतरनाक कीटाणु शामिल हैं, जो बच्चों, बुजुर्गों, गर्भवती महिलाओं और कमजोर इम्यूनिटी वाले लोगों के लिए गंभीर स्वास्थ्य जोखिम पैदा कर सकते हैं। इस अध्ययन में पाया गया कि कच्चे गाय के दूध में मानव इन्फ्लूएंजा वायरस का एक प्रकार सामान्य रेफ्रिजरेशन तापमान पर पांच दिनों तक जीवित रहा और संक्रामक भी बना रहा।

अध्ययन के सह-प्रमुख लेखक मेंगयांग झांग ने बताया कि यह इन्फ्लूएंजा वायरस कच्चे दूध के संपर्क में आने वाली सतहों और पर्यावरणीय सामग्रियों को भी दूषित कर सकता है, जिससे जानवरों और मनुष्यों के लिए जोखिम पैदा हो सकता है। विशेष रूप से, शोधकर्ताओं ने पाया कि फ्लू वायरस का आरएनए अणु, जो आनुवंशिक जानकारी रखते हैं, कच्चे दूध में कम से कम 57 दिनों तक मौजूद रहा।

हालांकि, पाश्चराइजेशन प्रक्रिया ने दूध में संक्रामक इन्फ्लूएंजा वायरस को पूरी तरह नष्ट कर दिया, और वायरल आरएनए की मात्रा को लगभग 90 प्रतिशत तक कम कर दिया। इस अध्ययन से यह स्पष्ट हुआ कि कच्चे दूध और इसके संपर्क में आने वाली वस्तुओं से वायरस के फैलने का खतरा है, खासकर जब बर्ड फ्लू मवेशियों के बीच फैल रहा है।

यह नया अध्ययन उस समय सामने आया है जब डेयरी मवेशियों में बर्ड फ्लू के प्रकोप ने महामारी के खतरे को बढ़ा दिया है।

शरणार्थी के तौर पर आईं रानी रानिया अल-अब्दुल्ला कैसे बनी जार्डन की महारानी

अम्मान। सीरिया में असद की सत्ता जाने के बाद अरब के कई देशों में अस्थिरता महसूस हो रही है। इस सूची में जॉर्डन भी शामिल है। जॉर्डन के राजा अब्दुल्ला द्वितीय देश को बुरे हालातों से बचाने में जुटे हुए हैं। इस मौके पर उनकी रानी रानिया अल-अब्दुल्ला (शादी से पहले रानिया अल-यासीन) के बारे में जानते हैं, जो एक शरणार्थी के तौर पर जॉर्डन में आईं थीं। जॉर्डन की रानी रानिया की लव लाइफ हो, शादी हो या उससे पहले और बाद का जीवन बेहद रोचक रहा है। फिलिस्तीनी मूल की रानिया का जन्म 31 अगस्त 1970 को कुवैत में हुआ था। लेकिन 1991 में रानिया के परिवार को हजारों अन्य फिलिस्तीनियों की तरह कुवैत से भागकर जॉर्डन के अम्मान शहर मे बसना पड़ा। कुवैत के न्यू इंग्लिश स्कूल में पढ़ने के बाद उन्होंने काहिरा में अमेरिकी यूनिवर्सिटी से बिजनेस एडमिनिस्ट्रेशन की डिग्री ली और सिटी बैंक में काम किया। बाद में जॉर्डन में उन्होंने नौकरी की। तभी जनवरी 1993 में डिनर पार्टी में उनकी मुलाकात प्रिंस अब्दुल्ला बिन अल-हुसैन से हुई। इसके बाद 22 साल की उम्र में 10 जून 1993 को वे अब्दुल्ला के साथ भव्य समारोह में शादी के बंधन में बंध गईं। इसके बाद 1999 में अब्दुल्ला राजगद्दी पर बैठे और रानिया को घोषित किया गया। इस शाही कपल के 4 बच्चे-2 बेटे और 2 बेटियां हैं। शादी के बाद रानिया ने लगभग पूरी दुनिया घूमी और काफी सक्रिय रहीं। रानी रानिया इस्लाम धर्म से संबंध रखती हैं और अपने विचार भी व्यक्त करती रहती हैं। वे खासी मॉर्डन भी हैं। बच्चों के लिए तीन किताबें लिख चुकी हैं। साथ ही जॉर्डन में घरेलू गतिविधियों में शिक्षा पहल और युवा कार्यक्रमों में सक्रिय रहती हैं।

ट्रंप प्रशासन को अगले वर्ष आर्थिक मोर्चे पर करना पड़ सकता है चुनौतियों का सामना

वाशिंगटन, 19 दिसंबर (एजेंसियां)।

फेडरल रिजर्व के ब्याज दरों में कटौती का संकेत दिए जाने के बाद बाजार में गिरावट का रुख है। नवनिर्वाचित राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के स्टॉप गैप खर्च बिल की निंदा करने के बाद सरकारी शटडाउन की संभावना बढ़ गई है।

द न्यूयॉर्क टाइम्स के इस विश्लेषण के अनुसार, पांच साल की अनिश्चितता और उथल-पुथल के बाद ऐसा लगता है कि ट्रंप प्रशासन को अगले साल अर्थव्यवस्था के मोर्चे पर चुनौतियों का सामना करना पड़ सकता है।

आर्थिक विश्लेषकों की मंदी की चेतावनी के बाद फेडरल रिजर्व ब्याज दरों में कटौती कर रहा है। हालांकि ट्रंप ने चुनाव जीतने के बाद नीतिगत बदलाव करने की बात कही है। उनकी इस घोषणा का अर्थव्यवस्था पर गहरा और जटिल प्रभाव हो सकता है।

ट्रंप ने भारी नए टैरिफ लगाने और संयुक्त राज्य अमेरिका में अवैध रूप से रहने वाले लाखों अप्रवासियों को निर्वासित करने का प्रस्ताव दिया है। इसका आर्थिक मोर्चे पर नकारात्मक प्रभाव भी पड़ सकता है। आलोचक मानते हैं कि इस तरह के बदलावों से आर्थिक प्रणाली संकट से घिर सकती है।

रूढ़िवादी थिंक टैंक के रूप में प्रसिद्ध अमेरिकन एंटरप्राइज इंस्टीट्यूट के अर्थशास्त्री माइकल स्ट्रेन कहते हैं कि बाजार में व्यापार और आव्रजन नीति के बारे में खामोशी अर्थव्यवस्था के लिए बेहद विघटनकारी हो सकती है। ट्रंप के नए टैरिफ निवेश को हतोत्साहित करते हैं। बड़े पैमाने पर निर्वासन से श्रमिक संकट बढ़ेगा। यदि ऐसा होता है तो अमेरिकियों को बढ़ती कीमतों और धीमी वृद्धि दोनों का सामना करना पड़ सकता है। स्टेन ने कहा कि आयातित वस्तुओं, किराने के सामान, रेस्तरां के भोजन और घरों की कीमत में नाटकीय रूप से वृद्धि होगी। बैंक ऑफ अमेरिका के वरिष्ठ अर्थशास्त्री आदित्य भावे ने कहा, अगर कोई एक चीज है जिसके बारे में आप अभी अर्थव्यवस्था के बारे में चिंतित होना चाहते हैं तो वह श्रम बाजार के बारे में है।

जेलेंस्की ब्रुसेल्स में मिले नाटो महासचिव रुटे से वायु रक्षा प्रणाली की मजबूती के लिए मांगी मदद

ब्रुसेल्स, 19 दिसंबर (एजेंसियां)।

रूस से लंबे समय से युद्ध लड़ रहे यूक्रेन के राष्ट्रपति व्लादिमीर जेलेंस्की ने यहां उत्तरी अटलांटिक संधि संस्था (नाटो) के महासचिव मार्क रुटे से मुलाकत की। उन्होंने देश की वायु रक्षा प्रणाली को मजबूत करने में नाटो के सदस्य देशों से और अधिक सहयोग का आग्रह किया।

यूक्रेन की न्यूज एजेंसी उक्रिनफॉर्म की खबर के अनुसार, यूक्रेन के राष्ट्रपति जेलेंस्की ने इस मुलाकात की सूचना टेलीग्राम पर साझा की। जेलेंस्की ने लिखा, नाटो महासचिव मार्क रुटे से यूक्रेन की वायु रक्षा प्रणाली को मजबूत करने और देश के लिए स्थायी शांति सुनिश्चित करने के तरीकों पर चर्चा करने के लिए ब्रुसेल्स में मुलाकात की। जेलेंस्की ने कहा कि यह बैठक बेहद महत्वपूर्ण रही। उन्होंने बैठक में हिस्सा लेने वाले नाटो महासचिव और सभी भागीदारों का आभार व्यक्त किया। इस मुलाकात पर यूक्रेन के राष्ट्रपति कार्यालय ने कहा कि मार्क रुटे ने जेलेंस्की से यूक्रेन की अर्थव्यवस्था पर भी चर्चा की। उन्होंने हथियारों की खरीद में डेनमार्क और लिथुआनिया की नीति का इशारा किया। राष्ट्रपति कार्यालय के अनुसार ब्रुसेल्स में जेलेंस्की की फ्रांस के राष्ट्रपति से भी मुलाकात हुई।

किडो तूफान

फ्रांस में तूफान किडो से हुए भारी नुकसान के बाद नदी में अपने कपड़े धोते हुए लोग।

नेतन्याहू ने माउंट हर्मन बफर जोन का दौरा किया, कहा- हमारी सेना यहां बनी रहेगी

तेल अवीव, 19 दिसंबर (एजेंसियां)।

इजराइली प्रधानमंत्री बेंजमिन नेतन्याहू ने सीरियाई बॉर्डर से लगे माउंट हर्मन बफर जोन का दौरा किया। इस दौरे पर नेतन्याहू के साथ रक्षा मंत्री इजराइल काट्ज भी मौजूद थे। यह इलाका इजराइली सेना के नियंत्रण वाले गोलान हाइट्स से भी 10 किलोमीटर आगे है। नेतन्याहू ने कहा कि जब तक इस इलाके में कोई दूसरा सिस्टम नहीं बनाता है, जिससे इजराइल को खतरा न हो, तब तक इजराइली सेना इस बफर जोन में बनी रहेंगी।

सूत्रों के मुताबिक ऐसा पहली बार है कि कोई इजराइली नेता सीरिया के इतने अंदर पहुंचा है। नेतन्याहू ने कहा कि वे 53 साल पहले एक सैनिक के तौर इस पर्वत की चोटी पर गए थे, लेकिन हाल की घटनाओं से इलाके का महत्व बहुत ज्यादा बढ़ गया है।

वहीं रक्षा मंत्री काट्ज ने कहा कि हमने अपने सैनिकों को जल्द से जल्द इस इलाके की किलाबंदी करने का आदेश दिया है। माउंट हर्मन की चोटी हमारे देश की आंखें हैं, इससे हम दुश्मन की पहचान कर सकते हैं। इजरायली सेना के एक अफसर ने बताया कि बफर जोन के भीतर गांवों में रहने वाले सीरियाई लोगों को निकालने की कोई योजना नहीं है।

सीरिया और इजरायल के नियंत्रण वाले गोलान हाइट्स को 1973 के योम किप्पुर वॉर के बाद यूनाइटेड नेशन (यूएन) ने बफर जोन बनाया था। तब से यूएन फोर्सेज के 1,100 सिपाही यहां गश्त कर रहे हैं। यूनाइटेड नेशन के प्रवक्ता स्टीफन दुजारिक ने कहा कि इस इलाके में इजराइली सैनिकों मौजूदगी चाहे वे कितने भी वक्त के लिए क्यों न हो, बफर जोन बनाने के समझौते का उल्लंघन है। इस समझौते का सम्मान किया जाना चाहिए।

यमन के सना में हवाई हमले, हूती विद्रोहियों का गढ़ बना निशाना

सना। यमन की राजधानी सना पर गुरुवार सुबह कई हवाई हमले हुए, जो हूती विद्रोहियों के गढ़ पर केंद्रित थे। यह हमले उस समय हुए जब हूती विद्रोहियों ने मध्य इजराइल को निशाना बनाते हुए एक मिसाइल दागी थी। फिलहाल यह स्पष्ट नहीं है कि सना पर हवाई हमले किसने किए। हूती नियंत्रित मीडिया ने हमलों की पुष्टि की लेकिन हताहतों और हुए नुकसान के संबंध में कोई जानकारी नहीं दी। राजधानी सना पर पिछले एक दशक से अधिक समय से हूती विद्रोहियों का कब्जा है। इससे पहले, इजराइली सेना ने दावा किया कि उसकी वायु सेना ने यमन से प्रक्षेपित एक मिसाइल को देश की सीमा में प्रवेश करने से पहले ही रोककर नष्ट कर दिया। सेना के मुताबिक, मिसाइल का मलबा गिरने से क्षेत्र में सायरन बजाए गए।

क्षेत्रीय तनाव बढ़ा

यमन में हूती विद्रोही लंबे समय से सऊदी अरब और अन्य क्षेत्रीय ताकतों के साथ संघर्षरत हैं। हालिया घटनाओं ने इस संघर्ष को और भी जटिल बना दिया है, क्योंकि अब इसमें इजराइल भी शामिल होता दिख रहा है। यह घटनाक्रम उस समय सामने आया है जब मध्य पूर्व में तनाव पहले से ही बढ़ा हुआ है। विशेषज्ञों का मानना है कि यह स्थिति क्षेत्रीय स्थिरता के लिए गंभीर चुनौती पेश कर सकती है।

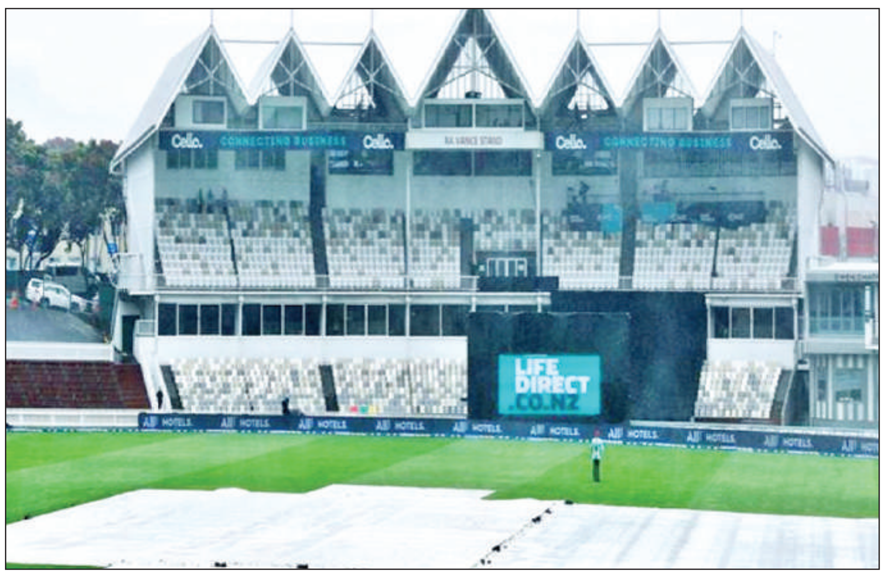

महिला क्रिकेट : न्यूजीलैंड और ऑस्ट्रेलिया के बीच पहला वनडे बारिश के कारण रद्द

वेलिंगटन, 19 दिसंबर (एजेंसियां)।

न्यूजीलैंड और ऑस्ट्रेलिया महिला क्रिकेट टीमों के बीच तीन मैचों की श्रृंखला का पहला वनडे गुरुवार को वेलिंगटन में खराब मौसम के कारण रद्द कर दिया गया। दोनों टीमों के बीच दूसरा एकदिनी 21 और तीसरा व आखिरी मैच 23 दिसंबर को खेला जाएगा।

यह श्रृंखला वर्तमान आईसीसी महिला चैम्पियनशिप का हिस्सा है और मैच रद्द होने से दोनों टीमें निराश हैं, क्योंकि वे अगले वर्ष होने वाले आईसीसी महिला क्रिकेट विश्व कप में जगह बनाने की कोशिश में हैं।

ऑस्ट्रेलिया पहले ही 2025 के आयोजन के लिए क्वालीफाई कर चुका है, लेकिन न्यूजीलैंड में शेष मुकाबलों में से दो में जीत के साथ महिला चैम्पियनशिप में शीर्ष स्थान हासिल कर सकता है।

भारत ऑस्ट्रेलियाई टीम से 10 अंक पीछे है, लेकिन उसे अभी भी छह मैच खेलने हैं और उन सभी मैचों में जीत के साथ वह मौजूदा विश्व कप चैंपियन से आगे निकल सकता है।

न्यूजीलैंड ने अगले साल के 50 ओवर के विश्व कप में अपनी जगह पक्की नहीं की है, गुरुवार को बेसिन रिजर्व में कोई परिणाम नहीं मिलने के बाद कीवी टीम वर्तमान में 21 अंकों के साथ महिला चैम्पियनशिप स्टैंडिंग में छठे स्थान पर है।

दोनों टीमें इस प्रकार हैं:

न्यूजीलैंड : सूजी बेट्स, लॉरेन डाउन, सोफी डिवाइन (कप्तान), ब्रुक हॉलिडे, मैडी ग्रीन, इसाबेला गेज (विकेट कीपर), अमेलिया केर, ईडन कार्सन, फ्रैन जोनास, जेस केर, मौली पेनफोल्ड, इसाबेला रोज जेम्स, रोजमेरी मैयर।

ऑस्ट्रेलिया : एलिसा हीली (विकेट कीपर/कप्तान), फोबे लिचफील्ड, बेथ मूनी, एलिस पेरी, एशले गार्डनर, एनाबेल सदरलैंड, ताहलिया मैकग्राथ, हीथर ग्राहम, जॉर्जिया वेयरहैम, डार्सी ब्राउन, अलाना किंग, किम गर्थ, मेगन शुट्ट, जॉर्जिया वोल।

न्यूज ब्रीफ

घुटने की चोट के कारण न्यूजीलैंड के खिलाफ केवल बल्लेबाज के रूप में खेलेंगी हीली

मेलबर्न। ऑस्ट्रेलियाई महिला क्रिकेट टीम की कप्तान एलिसा हीली के घुटने में दर्द के कारण वह न्यूजीलैंड के खिलाफ वनडे सीरीज में विकेटकीपिंग नहीं कर पाएंगी। लेकिन उन्हें उम्मीद है कि वह जनवरी में होने वाली एशेज सीरीज के लिए खुद को तैयार करने के लिए तीनों मैचों में बल्लेबाज के तौर पर खेल पाएंगी। बेथ मूनी गुरुवार को वेलिंगटन के बेसिन रिजर्व में होने वाले सीरीज के पहले मैच में बतौर विकेटकीपर हीली की जगह लेंगी। हीली ने बुधवार को कहा, मैं इस सीरीज में विकेटकीपिंग नहीं करूंगी... लेकिन एशेज से पहले बहुत ज्यादा क्रिकेट नहीं है, इसलिए मेरे लिए यह एक मौका है कि मैं एक बल्लेबाज के तौर पर मैदान पर वापसी करूं और कुछ रन बनाने की कोशिश करूं। मुझे लगता है कि मैंने पिछले आठ या नौ महीनों में शायद ही कोई क्रिकेट खेला हो और ऐसा करने का यह अच्छा मौका है। घुटने की स्थिति ठीक है, यह दिन-प्रतिदिन की बात है और हम आगे बढ़ने के साथ ही आकलन करेंगे। हीली की चोट के कारण ऑस्ट्रेलिया के लिए हाल ही में भारत के खिलाफ घरेलू सीरीज में जॉर्जिया वोल के पदार्पण का रास्ता खुल गया। वोल, जिन्होंने अपने पहले तीन वनडे मैचों में नाबाद 46, 101 और 26 रन बनाए थे, हीली की वापसी के साथ बाहर होने वाली बदकिस्मत खिलाड़ी बनने वाली हैं। हीली ने कहा, हम कुछ समय से बदलाव कर रहे हैं, टीम में कुछ युवा खिलाड़ी शामिल कर रहे हैं। लेकिन इस समय कुछ चोटों के कारण हमें मजबूरन खेलना पड़ रहा है। मुझे लगता है कि हम वाकई बहुत अच्छी स्थिति में हैं, ऑस्ट्रेलियाई क्रिकेट में गहराई बहुत मजबूती है। और जो भी आगे बढ़ता है, खासकर मेरा काम संभालने के लिए, वह मेरे लिए रन बनाता है या विकेट लेता है, इसलिए हम इस समय अच्छी स्थिति में हैं।

आपसी सहमति से अगल हुए पंजाब एफसी और मुशागा बकेंगा

मोहाली। पंजाब एफसी और क्लब के स्ट्राइकर मुशागा बकेंगा ने आपसी सहमति से अलग होने का फैसला किया है।

नॉर्वेजियन खिलाड़ी को इस सीजन की शुरुआत में द शेर द्वारा साइन किया गया था। उन्होंने इंडियन सुपर लीग (आईएसएल) और डूरंड कप में क्लब के लिए कुल 14 मैच खेले। बकेंगा ने अपने कार्यकाल के दौरान तीन गोल किए और एक असिस्ट प्रदान की। बकेंगा से अलग होने पर पंजाब एफसी के टेक्निकल डायरेक्टर निकोलाओस टोपोलेटिस ने एक आधिकारिक बयान में कहा, आपसी चर्चा के बाद, यह तय किया गया कि बकेंगा हमारे साथ अलग होंगे। मैं उनके योगदान के लिए उनका तहेदिल से आभार व्यक्त करता हूं और उनके भविष्य के प्रयासों के लिए शुभकामनाएं देता हूं। बकेंगा का पंजाब एफसी के लिए आखिरी मैच इंडियन सुपर लीग में ईस्ट बंगाल एफसी के खिलाफ एक सब्स्टीट्यूट के रूप में था।

द हंड्रेडः नॉर्दर्न सुपरचार्जर्स महिला टीम की मुख्य कोच नियुक्त हुईं लिसा केइटली

लंदन। लिसा केइटली को नॉर्दर्न सुपरचार्जर्स महिला टीम का नया मुख्य कोच नियुक्त किया गया है। केइटली, जो 2019 से 2022 तक इंग्लैंड महिला टीम की मुख्य कोच थीं, डैनी हेज़ेल की जगह लेंगी, जो टीम के साथ चार साल बिताने के बाद अपने अनुबंध के अंत में सुपरचार्जर्स को छोड़ रही हैं। उन्होंने कहा, नॉर्दर्न सुपरचार्जर्स का हेड कोच बनने का अवसर एक बहुत बड़ा सम्मान है और मैं पिछले चार वर्षों में रखी गई ठोस नींव पर आगे बढ़ने के लिए उत्साहित हूं। हंड्रेड एक गेम-चेंजर रहा है। इसने महिलाओं के खेल को एक शानदार मंच प्रदान किया है और खिलाड़ियों को अपने कौशल का प्रदर्शन करने के लिए वह मंच दिया है जिसकी वे हकदार हैं। उन्होंने कहा, हेडिंग्ले इस बात का एक शानदार उदाहरण रहा है कि प्रशंसकों ने इस रोमांचक प्रतियोगिता को कैसे अपनाया है, और मैं वास्तव में अगले साल वहां होने का इंतजार कर रही हूं। एक टीम के रूप में हमारा लक्ष्य प्रतियोगिता जीतना है, और हम डेडलाइन डे से पहले कोर स्क्वाड को बनाए रखने के लिए काम कर रहे हैं, साथ ही हम हंड्रेड ड्राफ्ट के माध्यम से जिन खिलाड़ियों की भर्ती करेंगे, मुझे विश्वास है कि हमारे पास इसे हासिल करने की क्षमता है। केइटली वर्तमान में डब्ल्यूबीबीएल में सिडनी थंडर के मुख्य कोच के रूप में काम कर रही हैं और डब्ल्यूपीएल में दिल्ली कैपिटल्स की कोचिंग टीम का हिस्सा हैं। उन्होंने ऑस्ट्रेलिया के लिए नौ टेस्ट और 82 एक दिवसीय अंतरराष्ट्रीय मैच खेले और लॉर्ड्स में शतक बनाने वाली पहली महिला थीं। यॉर्कशायर के अंतरिम सीईओ संजय पटेल ने कहा, हमें नॉर्दर्न सुपरचार्जर्स में लिसा का स्वागत करते हुए खुशी हो रही है।

जूनियर एशिया कप जीत ने हमें मानसिक मजबूती के बारे में बहुत कुछ सिखाया : कनिका सिवाच

नई दिल्ली, 19 दिसंबर (एजेंसियां)।

भारतीय हॉकी की उभरती स्टार कनिका सिवाच ओडिशा वारियर्स के साथ पहली महिला हीरो हॉकी इंडिया लीग (एचआईएल) में खेलने के लिए उत्साहित हैं। हाल ही में संपन्न महिला जूनियर एशिया कप 2024 में शानदार प्रदर्शन के बाद (जहाँ उन्होंने आठ गोल किए और चैंपियन भारत के लिए दूसरी और कुल मिलाकर चौथी स्कोरर रहीं) कनिका इस प्रतिष्ठित लीग में जूनियर रैंक से सीनियर चरण में जाने के लिए उत्सुक हैं।

जूनियर एशिया कप से लेकर एचआईएल तक के अपने सफर को लेकर कनिका ने अपनी खुशी ज़ाहिर करते हुए कहा, मैं इस बदलाव को लेकर रोमांचित हूँ। ऐसे प्रतिभाशाली खिलाड़ियों के साथ खेलना और अनुभवी सीनियर्स और कोचों से सीखना कुछ ऐसा है जिसका मैं बेसब्री से इंतजार कर रही थी। यह मेरे लिए एक नई यात्रा है और मैं इसके ज़रिए आगे बढ़ने के लिए उत्सुक हूँ।

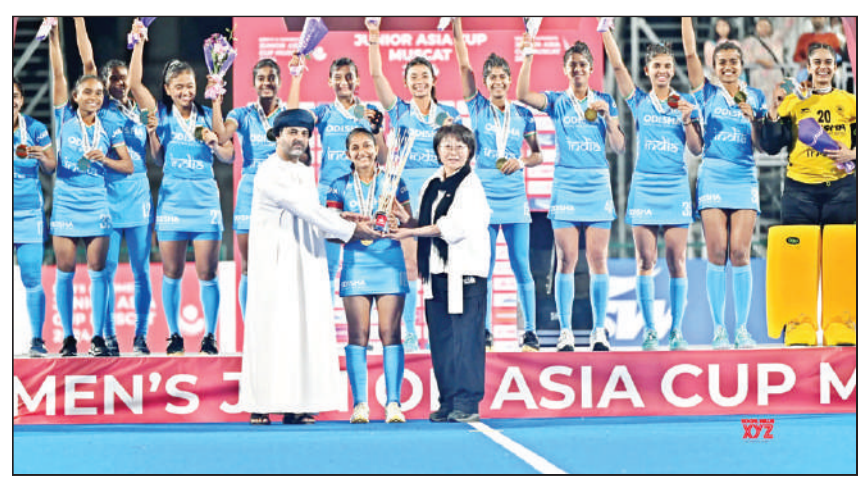

जूनियर एशिया कप में आठ गोल करने वाली 19 वर्षीय फारवर्ड का मानना है कि उनकी हालिया सफलता ने एचआईएल के लिए उनका आत्मविश्वास बढ़ाया है।

उन्होंने कहा, जूनियर एशिया कप मेरे आत्मविश्वास को बढ़ाने वाला रहा। हीरो हॉकी इंडिया लीग में इस अगली चुनौती के लिए तैयार होने में मैंने वहां जो अनुभव हासिल किया, वह अमूल्य होगा।

ओडिशा वॉरियर्स में शामिल होकर कनिका टीम की सफलता में योगदान देने के लिए उत्साहित हैं।

उन्होंने कहा, मैं ओडिशा वॉरियर्स जैसी टीम का हिस्सा बनकर खुद को भाग्यशाली महसूस करती हूं, जिसमें कुछ बेहतरीन खिलाड़ी और कोच हैं। मैं अपना सर्वश्रेष्ठ देने और इस अवसर का पूरा फायदा उठाने के लिए तैयार हूं, ताकि हम दिखा सकें कि महिला खिलाड़ी के रूप में हम क्या करने में सक्षम हैं।

अपने गोल स्कोरिंग कौशल के लिए जानी जाने वाली कनिका ने अपने फॉर्म को बनाए रखने में टीमवर्क के महत्व पर जोर दिया। उन्होंने बताया, हॉकी में स्कोर करना हमेशा एक टीम प्रयास होता है। अपने साथियों पर भरोसा करना और साथ मिलकर काम करना हीरो एचआईएल में मेरे स्कोरिंग स्ट्रीक को जारी रखने की कुंजी होगी।

हीरो एचआईएल के तेज-तर्रार और गतिशील प्रारूप को अपनाना एक चुनौती है जिसका कनिका खुले दिल से स्वागत करती हैं। वह अपनी तैयारी में मदद करने के लिए वरिष्ठ खिलाड़ियों और कोचों के मार्गदर्शन का श्रेय देती हैं।

उन्होंने कहा, मैं अनुभवी खिलाड़ियों और हमारे कोचों की सलाह पर भरोसा करने की योजना बना रही हूं, जो हमें लीग की गतिशील प्रकृति के साथ तालमेल बिठाने में मदद कर रहे हैं। एक स्ट्राइकर के रूप में मेरी भूमिका में उनका समर्थन महत्वपूर्ण होगा।

कनिका भारत में खेल के लिए पहली बार आयोजित होने वाले महिला एचआईएल के महत्व को लेकर विशेष रूप से उत्साहित हैं।

उन्होंने कहा, यह लीग भारतीय महिला हॉकी के लिए गेम-चेंजर है। यह मेरे जैसे जूनियर खिलाड़ियों के लिए सीखने और आगे बढ़ने का एक शानदार मंच है। मैं इस तरह के ऐतिहासिक क्षण का हिस्सा बनकर वास्तव में उत्साहित हूं।

जूनियर एशिया कप की लय को बनाए रखने पर अपना पूरा ध्यान केंद्रित करते हुए, कनिका ने उस अनुभव को हीरो एचआईएल में लाने की अपनी योजनाएँ साझा कीं।

उन्होंने कहा, जूनियर एशिया कप की जीत ने हमें आत्मविश्वास दिया और मानसिक दृढ़ता के बारे में बहुत कुछ सिखाया। मैं उस ऊर्जा को हीरो एचआईएल में ले जाने और इसका पूरा लाभ उठाने के लिए तैयार हूँ।

लीग के लिए तैयार होने के साथ, कनिका खुद का सर्वश्रेष्ठ संस्करण बनने पर ध्यान केंद्रित कर रही हैं। उन्होंने बताया, हर दिन सीखने की प्रक्रिया है। मेरा लक्ष्य लगातार सुधार करना और इस यात्रा के दौरान अधिक ज्ञान प्राप्त करते हुए मैदान पर जो कुछ भी सीखा है उसे लागू करना है।

हीरो एचआईएल के लिए अपने व्यक्तिगत लक्ष्यों के बारे में पूछे जाने पर, कनिका ने जितना संभव हो सके उतना अनुभव प्राप्त करने की इच्छा व्यक्त की।

उन्होंने कहा, शीर्ष अंतरराष्ट्रीय खिलाड़ियों के साथ खेलना विकास के लिए एक शानदार अवसर है। मेरा व्यक्तिगत लक्ष्य हर पल से सीखना और एक बेहतर खिलाड़ी के रूप में उभरना है।

अंत में, कनिका ने इस बात पर प्रकाश डाला कि महिला हीरो एचआईएल उनके जैसे युवा खिलाड़ियों के लिए कितनी महत्वपूर्ण है।

उन्होंने कहा, यह लीग हम जूनियर खिलाड़ियों के लिए अपनी प्रतिभा दिखाने का एक अविश्वसनीय मंच है। अंतरराष्ट्रीय खिलाड़ियों के संपर्क में आना और ऐसे मंच पर प्रतिस्पर्धा करने का अवसर हमारे विकास के लिए परिवर्तनकारी होने वाला है।

पाकिस्तान के खिलाफ चल रही वनडे सीरीज से बाहर हुए केशव महाराज

जोहानसबर्ग, 19 दिसंबर (एजेंसियां)।

दक्षिण अफ्रीका के बाएं हाथ के स्पिनर केशव महाराज पाकिस्तान के खिलाफ तीन मैचों की एकदिवसीय श्रृंखला के शेष बचे दो मैचों से बाहर हो गए हैं, क्योंकि पहले वनडे के लिए वार्मअप करते समय उनके बाएं पैर में खिंचाव आ गया था।

श्रृंखला के अंतिम दो वनडे के लिए उनके स्थान पर स्लो लेफ्ट-आर्म ऑर्थोडॉक्स ब्योर्न फोर्टुइन को टीम में शामिल किया गया है। क्रिकेट दक्षिण अफ्रीका (सीएसए) के एक बयान के अनुसार, महाराज पुनर्वास के लिए डरबन लौटेंगे और 26 दिसंबर को सेंचुरियन में शुरू होने वाले पहले टेस्ट से पहले उनका मूल्यांकन किया जाएगा।

महाराज को तीन मैचों की वनडे सीरीज के बाद होने वाली दो मैचों की टेस्ट सीरीज के लिए दक्षिण अफ्रीका की टेस्ट टीम में शामिल किया गया है। प्रोटियाज वर्तमान में डब्ल्यूटीसी स्टैंडिंग में शीर्ष पर हैं, और पाकिस्तान के खिलाफ जीत अगले साल लॉर्ड्स में होने वाले फाइनल में उनकी भागीदारी सुनिश्चित करेगी।

तीन मैचों की टी20 सीरीज 2-0 से हारने के बाद, पाकिस्तान ने वापसी की और पहला वनडे तीन विकेट से जीत लिया। दोनों टीमों के बीच दूसरा वनडे गुरुवार को केपटाउन में खेला जाएगा, जबकि तीसरा वनडे 22 दिसंबर को जोहान्सबर्ग में खेला जाएगा।

दक्षिण अफ्रीका की वनडे टीमः टेम्बा बावुमा (कप्तान), ओटनील बार्टमैन, टोनी डी ज़ोरज़ी, मार्को जानसन, हेनरिक क्लासेन, ब्योर्न फोर्टुइन, क्वेना मफाका, एडेन मार्कराम, डेविड मिलर, एंडिले फेहलुकवायो, कैगिसो रबाडा, ट्रिस्टन स्टब्स, रयान रिकेलटन, तबरेज़ शम्सी, रासी वान डेर डुसेन।

मोनाको में फुटबॉल लीग

मोनाको में फुटबॉल लीग मुकाबले में सेंट जर्मेन और एएस मोनाको के खिलाड़ी।

आरसीबी ने 'मेड ऑफ बोल्ड' खेल विकास कार्यक्रम शुरू किया

बेंगलुरू, 19 दिसंबर(एजेंसियां)।

प्रतिभाओं को उजागर करने और विभिन्न क्षेत्रों से एथलेटिक चैंपियनों को विकसित करने के उद्देश्य से, रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) ने मेड ऑफ बोल्ड स्पोर्ट्स डेवलपमेंट कार्यक्रम का शुभारम्भ किया।

आरसीबी के उपाध्यक्ष और प्रमुख राजेश मेनन ने कहा, मेड ऑफ बोल्ड पहल आरसीबी के स्पोर्ट्स फॉरवर्ड नेशन के व्यापक दृष्टिकोण का एक अभिन्न अंग है, जो भारत के लिए एक स्थायी और मजबूत खेल पारिस्थितिकी तंत्र स्थापित करना चाहता है। इस प्रयास का उद्देश्य एथलीटों की पहचान करना और उनका पोषण करना और देश में सक्रिय खेल विकास के लिए प्रमुख उद्योग हितधारकों के बीच बातचीत शुरू करना है।

उन्होंने कहा, हम वास्तव में मानते हैं कि खेल और समुदाय एक साथ आने से सभी को दीर्घकालिक लाभ मिलता है। यह न केवल पहचानी गई और पोषित प्रतिभा के लिए है, बल्कि समुदाय पर सामाजिक-आर्थिक प्रभाव के लिए भी है। हम आरसीबी के मेड ऑफ बोल्ड स्पोर्ट्स डेवलपमेंट प्रोग्राम के साथ ऐसा करने का लक्ष्य रखते हैं, जो खेल के माध्यम से वंचित समुदायों के साथ अंतराल को पाटने पर ध्यान केंद्रित करते हुए दीर्घकालिक विकास का समर्थन करता है। इस पहल पर आरसीबी की शीर्ष क्रिकेटर श्रेयंका पाटिल ने कहा, मैं आरसीबी मेड ऑफ बोल्ड स्पोर्ट्स डेवलपमेंट प्रोग्राम% के लॉन्च को देखकर रोमांचित हूं। यह वास्तव में वही है जिसकी हम भारतीय खिलाड़ियों को जरूरत है - समावेशिता का निर्माण करना और एथलीटों और उनके समुदायों को आगे बढ़ने के लिए एक मंच प्रदान करना। भारत एक विशाल देश है जिसमें बहुत सारी अप्रयुक्त खेल क्षमताएं हैं, और यह पहल सही दिशा में एक कदम है। आरसीबी मेड ऑफ बोल्ड स्पोर्ट्स डेवलपमेंट प्रोग्राम की यात्रा उत्तर कन्नड़ जिले के एक छोटे से शहर मुंडगोड से शुरू होती है। इस क्षेत्र के आदिवासी समुदायों (विशेष रूप से सिद्दी समुदाय) में स्प्रिंटिंग के लिए भारत की सबसे अधिक प्रतिभा घनत्व है।

सूरमा हॉकी क्लब ने प्रशिक्षण शिविर के साथ शुरु की एचआईएल 2024 की तैयारी

चंडीगढ़ड, 19 दिसंबर (एजेंसियां)।

सूरमा हॉकी क्लब ने हॉकी इंडिया लीग (एचआईएल) के लिए चंडीगढ़ के सेक्टर 42 स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स में अपना प्री-सीजन ट्रेनिंग कैंप शुरू कर दिया है।

28 दिसंबर से 1 फरवरी तक चलने वाली लीग के साथ, यह कैंप रणनीति बनाने, टीम के सामंजस्य और खेल शैलियों को समन्वित करने के लिए एक महत्वपूर्ण चरण के रूप में कार्य करता है।

प्री-सीजन कैंप में अब भारतीय और अंतरराष्ट्रीय दोनों खिलाड़ी शामिल हैं।

14 दिसंबर को शामिल हुए भारतीय दल में भारतीय पुरुष हॉकी टीम के कप्तान और दो बार के ओलंपिक कांस्य पदक विजेता हरमनप्रीत सिंह और विवेक सागर प्रसाद, गुरजंत सिंह, मनिंदर सिंह, सुनीत लाकड़ा और मोहित एचएस जैसे खिलाड़ी शामिल हैं।

बुधवार को शिविर में शामिल होने वाले अंतरराष्ट्रीय सितारे अपने साथ ढेर सारा अनुभव और विविध खेल शैली लेकर आए हैं।

इनमें ऑस्ट्रेलियाई ड्रैग-फ्लिकर जेरेमी हेवर्ड, बेल्जियम के निकोलस पोंसलेट और विक्टर वेगनेज़ शामिल हैं। दक्षिण अफ्रीकी स्टार दयान कैसिएम, बेल्जियम के ओलंपिक स्वर्ण पदक विजेता गोलकीपर विन्सेंट वानाश, डच स्ट्राइकर बोरिस बर्कहार्ट और अर्जेंटीना के मिडफ़ील्डर निकोलस डेला टोरे सहित बाकी अंतरराष्ट्रीय दल आने वाले दिनों में शिविर में शामिल होंगे।

शिविर की प्रगति को लेकर टीम के कोच और मेंटर सरदार सिंह ने खिलाड़ियों के बीच सौहार्द और समझ बनाने में इसके महत्व पर जोर दिया।

उन्होंने कहा, खिलाड़ियों को एक-दूसरे से परिचित कराने के लिए यह शिविर महत्वपूर्ण है, खासकर इसलिए क्योंकि कुछ ने पहले कभी एक साथ नहीं खेला है। हमारा लक्ष्य मैदान पर समन्वय सुनिश्चित करना और एक मजबूत, एकजुट टीम बनाना है।

हरमनप्रीत सिंह ने आगामी लीग और टीम की बेहतर तैयारियों के बारे में अपनी उत्सुकता व्यक्त की। उन्होंने कहा, हम सभी सूरमा हॉकी क्लब का प्रतिनिधित्व करने के लिए बहुत उत्साहित हैं, चंडीगढ़ में शिविर लगाना हमारे लिए विशेष रूप से सार्थक है, एक ऐसा क्षेत्र जिसका हम सूरमा हॉकी क्लब के रूप में प्रतिनिधित्व करते हैं। विदेशी खिलाड़ियों के हमारे साथ जुड़ने से ऊर्जा और भी बेहतर हो गई है, और हमें उम्मीद है कि हम इसे अपने प्रदर्शन में शामिल करेंगे।

सूरमा हॉकी क्लब अपने पहले अभियान की शुरुआत रविवार, 29 दिसंबर 2024 को राउरकेला में तमिलनाडु ड्रैगन्स के खिलाफ करेगा।

सर्राफा बाजार में सपाट स्तर पर कारोबार, सोने-चांदी के भाव में बदलाव नहीं

नई दिल्ली,19 दिसंबर (एजेंसियां)।

घरेलू सर्राफा बाजार में सपाट स्तर पर कारोबार होता हुआ नजर आ रहा है। सोने की कीमत में बदलाव नहीं होने के कारण देश के ज्यादातर सर्राफा बाजारों में 24 कैरेट सोना भी 77,990 रुपये से लेकर 77,840 रुपये प्रति 10 ग्राम के दायरे में कारोबार कर रहा है।

इसी तरह 22 कैरेट सोना भी 71,500 रुपये से लेकर 71,350 रुपये प्रति 10 ग्राम के बीच बिक रहा है। चांदी के भाव में लगातार दूसरे दिन कोई बदलाव नहीं हुआ है। इसलिए दिल्ली सर्राफा बाजार में इसकी कीमत भी 92,500 रुपये प्रति किलोग्राम के स्तर पर बनी हुई है।

देश की राजधानी दिल्ली में 24 कैरेट सोना 77,990 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है, जबकि 22 कैरेट सोने की कीमत 71,500 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है। वहीं देश की आर्थिक राजधानी मुंबई में 24 कैरेट सोना 77,840 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 71,350 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है।

इसी तरह अहमदाबाद में 24 कैरेट सोने की रिटेल कीमत 77,890 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोने की कीमत 71,400 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है।

इन प्रमुख शहरों के अलावा चेन्नई में 24 कैरेट सोना 77,840 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर और 22 कैरेट सोना 71,350 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर बिक रहा है। इसी तरह कोलकाता में भी 24 कैरेट सोना 77,840 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 71,350 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है।

लखनऊ के सर्राफा बाजार में 24 कैरेट सोना 77,990 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर और 22 कैरेट सोना 71,500 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। वहीं पटना में 24 कैरेट सोने की कीमत 77,890 रुपये प्रति 10 ग्राम हो गई है, जबकि 22 कैरेट सोना 71,400 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। इसी तरह जयपुर में 24 कैरेट सोना 77,990 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 71,500 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है।

देश के अन्य राज्यों की तरह कर्नाटक, तेलंगाना और ओडिशा के सर्राफा बाजार में भी सोने की कीमत में कोई बदलाव नहीं हुआ है।

इन तीनों राज्यों की राजधानियों बेंगलुरु, हैदराबाद और भुवनेश्वर में 24 कैरेट सोना भी 77,840 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है। इसी तरह इन तीनों शहरों के सर्राफा बाजारों में 22 कैरेट सोना भी बुधवार के भाव 71,350 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर ही बिक रहा है।

न्यूज़ ब्रीफ

रुपया गिरावट के साथ खुला , 85 के नीचे पहुंचा

नई दिल्ली। अमेरिकी डॉलर के मुकाबले गुरुवार को भारतीय रुपया 85 के नीचे पहुंच गया। अमेरिकी फेडरन रिजर्व (फेड) फेड के अगले साल ब्याज दरों में कटौती की रफ्तार धीमी रखने के संकेतों से रुपये पर विपरीत प्रभाव पड़ा है। इससे नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (एनएसई) पर अमेरिकी डॉलर के मुकाबले भारतीय रुपया 18 पैसे गिरकर 85.12 के सर्वकालिक निचले स्तर पर पहुंच गया। अमेरिकी फेड के फैसले के बाद डॉलर में जोरदार तेजी आई और डॉलर इंडेक्स 108 के स्तर को पार कर गया। भारतीय मुद्रा के अलावा अन्य विदेशी मुद्राओं में भी इसका असर देखने को मिला है। डॉलर के मुकाबले भारतीय रुपया 85.06 रुपये पर खुला। घरेलू शेयर बाजारों के नरम रुख, आयातकों की ओर से डॉलर की मांग और विदेशी पूंजी निकासी से भी निवेशकों की धारणा प्रभावित हुई। वहीं गत कारोबारी दिन भारतीय रुपया अमेरिकी मुद्रा के मुकाबले 84.94 के रिकॉर्ड निचले स्तर पर बंद हुआ था। बाजार जानकारों ने कहा, डॉलर इंडेक्स का 108 से ऊपर जाना और 10 साल के बॉन्ड यील्ड का 4.52 प्रतिशत पर पहुंचना एफआईआई कोष प्रवाह के दृष्टिकोण से नकारात्मक है।

सुप्रीम कोर्ट ने नारियल तेल को महंगा होने से रोका

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट के एक अहम फैसले ने नारियल तेल को महंगा होने से रोक दिया है। सुप्रीम कोर्ट की तीन जजों की पीठ ने ये बड़ा फैसला सुनाते हुए कहा कि छोटे पैकेट में नारियल तेल को खाद्य तेल के रूप में वर्गीकृत किया जा सकता है। इस फैसले से साफ है कि उस पर हेयर ऑयल पर लगने वाला 18न फीसदी टैक्स नहीं, बल्कि खाद्य तेल पर लगने वाला 5न टैक्स लगेगा। जाहिर है कि कंपनियों को तो फायदा हुआ ही।। इसे हेयर ऑयल की तरह इस्तेमाल करने वालों को भी राहत मिलेगी, वरना इस पर 13 फीसदी टैक्स और बढ़ जाता। खास बात ये है कि इस मामले को तय करने में सुप्रीम कोर्ट को 15 साल लग गए।

यूएस फेड के फैसले से बिगड़ा ग्लोबल मार्केट का मूड, दुनिया के ज्यादातर बाजार में दबाव का माहौल

नई दिल्ली,19 दिसंबर (एजेंसियां)।

अमेरिकी फेडरल रिजर्व (यूएस फेड) द्वारा नीतिगत ब्याज दरों में कटौती करने के बाद की गई कमेंट्री से दुनिया के ज्यादा स्टॉक मार्केट में गिरावट का रुख बना हुआ है। अमेरिकी बाजार पिछले सत्र के दौरान कमजोरी के साथ बंद हुए। हालांकि डाउ जॉन्स फ्यूचर्स फिलहाल बढ़त के साथ कारोबार करता हुआ नजर आ रहा है। यूरोपीय बाजार पिछले सत्र के दौरान मिले-जुले परिणाम के साथ बंद हुए। वहीं एशियाई बाजारों में चौतरफा दबाव बना हुआ है।

अमेरिकी फेडरल रिजर्व ने बुधवार को लगातार तीसरी बार ब्याज दरों में कटौती करने का ऐलान किया। इस बार उम्मीद के मुताबिक ही ब्याज दर में 25 बेसिस प्वाइंट की कटौती की गई है। इस कटौती के बाद अमेरिका में ब्याज दर घट कर 4.25 प्रतिशत से लेकर 4.50 प्रतिशत के दायरे में आ गई है। ब्याज दरों में कटौती करने का ऐलान करते हुए यूएस फेड अध्यक्ष जेरोम पॉवेल ने साफ कर दिया कि 2025 में केवल दो बार ही ब्याज दरों में कटौती की जाएगी, क्योंकि महंगाई फिर से बड़ी चुनौती बन सकती है। उन्होंने साफ किया कि ब्याज दरों में की गई कटौती के बाद यूएस फेड को महंगाई के आंकड़ों के प्रति सतर्क रहना होगा। यूएस फेड के इस फैसले के बाद 10 सालों की अमेरिकी यील्ड 4.52 प्रतिशत के स्तर पर पहुंच गई है, जबकि डॉलर इंडेक्स नवंबर 2022 के बाद के सबसे ऊंचे स्तर 108.25 तक पहुंच गया है। अमेरिकी फेडरल रिजर्व द्वारा 2025 में ब्याज दरों में कटौती करने के संबंध में की गई कमेंट्री के कारण अमेरिकी बाजार में पिछले सत्र के दौरान निराशा का माहौल बना रहा। इस निराशा की वजह से डाउ जॉन्स 1,100 अंक लुढ़क गया। इसी तरह एसएंडपी 500 इंडेक्स ने 178.45 अंक यानी 2.95 प्रतिशत टूट कर 5,872.16 अंक के स्तर पर पिछले सत्र के कारोबार का अंत किया। इसके अलावा नैस्डेक 658.90 अंक यानी 3.28 प्रतिशत की गिरावट के साथ 19,450.16 अंक के स्तर पर बंद हुआ। हालांकि डाउ जॉन्स फ्यूचर्स फिलहाल 0.13 प्रतिशत की तेजी के साथ 42,383.60 अंक के स्तर पर कारोबार करता हुआ नजर आ रहा है।

यूरोपीय बाजार पिछले सत्र के दौरान मिले-जुले परिणाम के साथ बंद हुए। एफटीएसई इंडेक्स 0.05 प्रतिशत की मामूली तेजी के साथ 8,199.11 अंक के स्तर पर बंद हुआ। इसी तरह सीएसी इंडेक्स ने 0.26 प्रतिशत उछल कर 7,384.62 अंक के स्तर पर पिछले सत्र के कारोबार का अंत किया। दूसरी ओर, डीएएक्स इंडेक्स 0.02 प्रतिशत की सांकेतिक कमजोरी के साथ 20,242.57 अंक के स्तर पर बंद हुआ।

एशियाई बाजार में भी कमजोरी नजर आ रही है। एशिया के सभी 9 बाजारों में बिकवाली का दबाव बना हुआ है। गिफ्ट निफ्टी 246 अंक यानी 1.01 प्रतिशत की कमजोरी के साथ 24,008.50 अंक के स्तर पर कारोबार कर रहा है। इसी तरह निक्केई इंडेक्स 291.02 अंक यानी 0.74 प्रतिशत की गिरावट के साथ 38,790.69 अंक के स्तर पर पहुंचा हुआ है। ताइवान वेटेड इंडेक्स में बड़ी गिरावट आई है। फिलहाल ये सूचकांक 416.28 अंक यानी 1.80 प्रतिशत टूट कर 22,752.39 अंक के स्तर पर कारोबार कर रहा है इसी तरह जकार्ता कंपोजिट इंडेक्स 117.98 अंक यानी 1.66 प्रतिशत फिसल कर 6,989.90 अंक के स्तर तक गिर गया है।

इसके अलावा हैंग सेंग इंडेक्स 198.43 अंक यानी 1.01 प्रतिशत लुढ़क कर 19,666.12 अंक के स्तर पर, कोस्पी इंडेक्स 1.45 प्रतिशत की कमजोरी के साथ 2,448.50 अंक के स्तर पर, शंघाई कंपोजिट इंडेक्स 0.73 प्रतिशत की गिरावट के साथ 3,357.82 अंक के स्तर पर, सेट कंपोजिट इंडेक्स 0.56 प्रतिशत गिर कर 1,391.53 अंक के स्तर पर और स्ट्रेट्स टाइम्स इंडेक्स 0.42 प्रतिशत फिसल कर 3,763.76 अंक के स्तर पर कारोबार कर रहे हैं।

सीजीएसटी कानून में संशोधन को मंजूरी दे सकती है जीएसटी, रियल एस्टेट कंपनियों को लगेगा झटका

नई दिल्ली,19 दिसंबर (एजेंसियां)।

वस्तु एवं सेवा कर परिषद की शनिवार को होने वाली बैठक में केंद्रीय वस्तु एवं सेवा कर (सीजीएसटी) कानून में संशोधन को मंजूरी दे सकती है। इससे सफारी रिट्रीट्स मामले में सुप्रीम कोर्ट का फैसला निष्प्रभावी हो जाएगा जिसमें किराए की प्रॉपर्टी की निर्माण लागत पर इनपुट टैक्स क्रेडिट (आईटीसी) के दावों की अनुमति दी थी। ऐसा हुआ तो रियल एस्टेट कंपनियों को झटका लगेगा। सुप्रीम कोर्ट के इस फैसले से सरकारी खजाने को भारी नुकसान होने की आशंका जताई थी। कुछ विशेषज्ञों का कहना है कि इसका प्रभाव करीब 10 हजार करोड़ रुपए का हो सकता है क्योंकि फैसला 1 जुलाई, 2017 से प्रभावी माना जाएगा। सुप्रीम कोर्ट ने अपने फैसले में कहा कि सीजीएसटी अधिनियम में इस्तेमाल किए गए शब्द 'प्लांट ऐंड मशीनरी' और 'प्लांट ऑर मशीनरी' अलग-अलग हैं जिन्होंने 'प्लांट' को परिभाषित करने के लिए मार्गदर्शक सिद्धांत तय किए हैं। कोर्ट ने कहा कि आईटीसी के लिए पात्रता का मूल्यांकन हर मामले के आधार पर किया जाना चाहिए। उसमें करदाता के कारोबार की प्रकृति और मकान के उपयोग जैसे कारकों पर विचार करना चाहिए। इस मामले से जुड़े एक सरकारी अधिकारी ने बताया कि जीएसटी परिषद की कानून समिति ने सुप्रीम कोर्ट के फैसले पर गंभीरता से विचार किया है। समिति ने अस्पष्टता दूर करने और भविष्य में मुकदमेबाजी को रोकने के लिए 1 जुलाई, 2017 से सीजीएसटी अधिनियम में संशोधन करने की सिफारिश की है। समिति ने पाया कि 'प्लांट ऑर मशीनरी' शब्द के बारे में कोर्ट का फैसला जीएसटी परिषद के साथ-साथ विधायिका की मंशा को भी विफल करता है। अधिकारी ने कहा कि कानून समिति ने पाया कि हर मामले में तथ्यों की जांच के आधार पर यह तय करना मुश्किल है कि परिसंपत्ति सीजीएसटी अधिनियम के तहत प्लांट के तहत आती है या नहीं। इससे काफी भ्रम और अराजकता पैदा हो सकती है जिससे मुकदमेबाजी बढ़ सकती है। इसलिए यह सुचारु कर प्रशासन और कारोबारी सुगमता के लिहाज से उपयुक्त नहीं होगा। पीडब्ल्यूसी के टैक्स पार्टनर ने कहा कि नीतिगत दृष्टिकोण से देखा जाए तो निर्माण से जुड़े खर्च पर इनपुट टैक्स क्रेडिट की अनुमति दी जानी चाहिए। खास तौर पर ऐसे मामलों में जब निर्मित प्रॉपर्टी का इस्तेमाल सीधे तौर पर जीएसटी के तहत सेवाएं प्रदान करने में किया जाए।

प्रथम पृष्ठ का शेष...

संसद भवन के...

उन्होंने हमेशा उनका अपमान किया है। हम अस्पताल से रिपोर्ट के अनुसार कार्रवाई करेंगे।केंद्रीय मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने कहा, संसदीय इतिहास में यह एक काला दिन है। मर्यादा को तार-तार कर दिया गया है। लोकतंत्र को तार-तार कर दिया गया है। राहुल गांधी और कांग्रेस पार्टी की गुंडागर्दी जैसा कोई दूसरा उदाहरण नहीं है। भारत के संसदीय इतिहास में ऐसा आचरण कभी नहीं देखा गया। अगर वे हरियाणा और महाराष्ट्र हार गए तो वे संसद में अपनी हताशा क्यों निकाल रहे हैं? राहुल गांधी और कांग्रेस के लोगों को लोकतंत्र में आचरण को समझने के लिए एक कार्यशाला बुलाई जानी चाहिए। मैं दुखी हूं। श्री अमित शाह के भाषण ने कांग्रेस को बेनकाब कर दिया है। वे इससे इतने हताश हो गए हैं कि अब गुंडागर्दी पर उतर आए हैं। हम इस गुंडागर्दी की निंदा करते हैं।

केंद्रीय मंत्री किरेन रिजीजू ने कहा कि मकर द्वार लोकसभा और राज्यसभा दोनों में सांसदों के प्रवेश का मुख्य द्वार है। कांग्रेस और उनके अन्य सांसद उस विशेष स्थान पर खड़े रहे और पूरे सत्र के दौरान वे तख्तियां दिखाते रहे और नारे लगाते रहे। आज पहली बार राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) के सांसद 1951 के बाद से कांग्रेस पार्टी द्वारा अंबेडकर के अपमान के खिलाफ विरोध करने वहां गए थे। जब राजग के सांसद मकर द्वार, मुख्य द्वार पर विरोध कर रहे थे, तब राहुल गांधी के नेतृत्व में कांग्रेस के सांसद आए और भाजपा के दो सांसदों पर हमला किया, उन्हें धक्का दिया और अन्य सांसदों के साथ भी धक्का-मुक्की की। भाजपा के दो सांसद प्रताप सिंह सारंगी और मुकेश राजपूत को गंभीर चोटें आई हैं।

श्री रिजीजू ने कहा, मैं राहुल गांधी से कहना चाहता हूं कि अगर आप इस तरह की शारीरिक हिंसा का सहारा लेंगे, अगर अन्य सांसद भी शारीरिक हिंसा का सहारा लेने लगेंगे, तो क्या होगा? हम लोकतंत्र में विश्वास करते हैं। राहुल गांधी को अन्य सांसदों के खिलाफ अपनी शारीरिक शक्ति का उपयोग करने का अधिकार किसने दिया है। इसका मतलब यह नहीं है कि अन्य सांसद कमजोर हैं। यह सिर्फ़ इसलिए है क्योंकि हम अहिंसा में विश्वास करते हैं और हम लोकतंत्र में विश्वास करते हैं। राहुल गांधी द्वारा सांसदों पर शारीरिक हमला निंदनीय है। यह उनके गुस्से, उनकी हताशा का घोर दुरुपयोग है और जिस तरह से राहुल गांधी ने संसद के साथ व्यवहार किया है, उससे पता चलता है कि राहुल गांधी लोकतंत्र में विश्वास नहीं करते हैं। मैं राहुल गांधी से कहना चाहता हूँ कि हम देखेंगे कि हम क्या उचित कार्रवाई कर सकते हैं। लेकिन उन्हें देश से माफ़ी मांगनी चाहिए कि उन्होंने दूसरे सांसदों के खिलाफ़ अपनी शारीरिक शक्ति का इस्तेमाल किया है। हम सिर्फ़ इसलिए शारीरिक जवाबी कार्रवाई नहीं कर रहे हैं क्योंकि हम लोकतंत्र में विश्वास करते हैं। हम दूसरे सांसदों के खिलाफ़ अपनी शारीरिक शक्ति का इस्तेमाल नहीं कर रहे हैं क्योंकि हम उसमें विश्वास नहीं करते हैं। हम अहिंसा में विश्वास करते हैं। राहुल गांधी को समझना चाहिए और देश से और उन सांसदों से माफ़ी मांगनी चाहिए जिन्हें उन्होंने सबसे गंभीर चोट पहुँचाई है। उचित कार्रवाई की जाएगी। सबसे पहले, हम चोट के स्तर को देखेंगे क्योंकि रिपोर्ट के अनुसार चोट काफी गंभीर थी और थोड़ा खून भी बह रहा था। अभी चिकित्सा उपचार चल रहा है। हम अब स्थिति देखेंगे।

उधर राममनोहर लोहिया अस्पताल के चिकित्सा अधीक्षक डॉ. अजय शुक्ला ने कहा कि हम दोनों (प्रताप सारंगी और मुकेश राजपूत) को स्थिर करने की कोशिश कर रहे हैं, जांच की जा रही है। टेस्ट किए जाएंगे। लक्षणात्मक उपचार शुरू हो गया है। चूंकि दोनों के सिर में चोट लगी है, इसलिए उन्हें आईसीयू में भर्ती कराया गया है। प्रताप सारंगी को बहुत ज़्यादा रक्तस्राव हो रहा था और उन्हें गहरा घाव भी हुआ था। इसलिए उन्हें टाँके लगाने पड़े। उनकी जांच की जा रही है। मुकेश राजपूत बेहोश हो गए थे। अभी वे होश में हैं, लेकिन उन्हें चक्कर आ रहे हैं और बेचैनी हो रही है। उनका रक्तचाप बढ़ गया था।

संसद परिसर में ...

श्री खरगे तथा श्री गांधी ने गुरुवार को यहां पार्टी मुख्यालय में संवाददाता सम्मेलन में कहा कि पार्टी के सदस्य संसद में 14 दिन से विरोध प्रदर्शन कर प्रयास कर रहे हैं कि सदन चले और देश को लूटने वाले उद्योगपति अडानी के भ्रष्टाचार पर सदन में चर्चा हो लेकिन भाजपा ने इस मुद्दे से ध्यान भटकाने का बराबर प्रयास किया है और आज कांग्रेस नेताओं के साथ संसद परिसर में धक्का मुक्की की गई।उन्होंने कहा कि गृहमंत्री अमित शाह ने राज्यसभा में संविधान पर हुई चर्चा का जवाब देते हुए कहा कि 'जितना आप लोग अम्बेडकर अम्बेडकर करते हैं उतना भगवान का नाम लेते तो सात जन्मों के लिए स्वर्ग मिलता।' उनका कहना था कि आज के युग में इस तरह की सोच निंदनीय है।कांग्रेस नेताओं ने कहा कि अम्बेडकर को इस तरह से अपमानित करने वाले मंत्री को बर्खास्त करना चाहिए था लेकिन हम जानते हैं कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ऐसा करने वाले नहीं है इसलिए कांग्रेस ने इस मुद्दे को उठाया और कहा कि श्री शाह ने जो कुछ सदन में कहा है उसके लिए वह माफी मांगे।कांग्रेस अध्यक्ष ने कहा भाजपा सरकार की कोशिश असली मुद्दों से ध्यान भटकाने की है। विपक्षी दलों के सांसद शांतिपूर्ण तरीके से संसद भवन परिसर में प्रदर्शन कर रहे थे लेकिन उनके सांसदों ने हमें अचानक मकर द्वार पर रोका और वहां धक्का मुक्की शुरु कर दी। विपक्ष की महिला सांसदों को भी रोका गया और हम पर हमला किया गया। खुद मुझे धक्का दिया गया और मैं अपना संतुलन नहीं संभाल सका और गिर गया लेकिन अब हम पर इल्जाम लगाया जा रहा है कि हमने धक्का दिया।

उन्होंने कहा कि भाजपा के लोगों ने जो माहौल संसद भवन परिसर में बनाया उसे बर्दाश्त नहीं किया जा सकता और इसके खिलाफ कांग्रेस देशव्यापी आंदोलन शुरु करेगी। भाजपा सांसदों पर उन्होंने शांति भंग करने का आरोप लगाया और कहा कि गृहमंत्री का वह आरोप गलत है जिसमें वह कहते हैं कि कांग्रेस ने उनकी बात को तोड़मरोड़ कर पेश किया है। उनका कहना था कि कांग्रेस जनता के मुद्दों को उठा रहे हैं और भाजपा के लोग हम पर वह आरोप लगा रहे हैं जो हमने किया ही नहीं है।श्री गांधी ने कहा कि संसद का शीतकालीन सत्र शुरु होने से पहले अमेरिका में अडानी का मामला आया और कांग्रेस उसे संसद में उठाना चाहती थी लेकिन पूरे सत्र में भाजपा की पूरी कोशिश रही कि यह मामला संसद में नहीं उठे। उन्होंने कहा कि गृहमंत्री ने जो कुछ कहा है उससे बाबा साहेब अम्बेडकर का अपमान किया है और श्री शाह को इसके लिए माफी मांगते हुए इस्तीफा देना चाहिए।

राहुल जानबूझकर...

उनकी प्रेस कॉन्फ्रेंस में उनका अहंकार झलक रहा था। मैं उनका व्यवहार देख रहा था। लेकिन आज उन्होंने (राहुल गांधी) जो किया वह सभ्य समाज के लिए अकल्पनीय है। आज जब भाजपा सांसद मकर द्वार पर विरोध कर रहे थे, तो राहुल गांधी वहां आ गए। सुरक्षाकर्मियों ने उन्हें अंदर जाने के लिए दूसरी जगह का इस्तेमाल करने को कहा। लेकिन वे जानबूझकर वहां आए। प्रेस कॉन्फ्रेंस को संबोधित करते हुए शिवराज सिंह चौहान ने कहा, हमारे सांसदों ने शिकायत दर्ज कराई। भाजपा इस मामले में उचित कार्रवाई करेगी। उन्होंने आगे कहा, राहुल गांधी गुंडे जैसा व्यवहार कर रहे थे। उन्होंने वहां धक्का-मुक्की की। हमारे वरिष्ठ सांसद प्रताप सारंगी गिर गए और उन्हें सिर पर चोट लगी। वे आईसीयू में भर्ती हैं और उनका इलाज जारी है। वे बेहोश थे। उनका एमआरआई स्कैन कराया जा रहा है। क्या संसद में तर्क की जगह बाहुबल का इस्तेमाल होगा? हमारी आदिवासी सांसद फांगनोन कोन्याक ने जो कुछ भी कहा, हम उससे दुखी हैं। उन्होंने राज्यसभा के सभापति से इसकी शिकायत की। उनके साथ अनुचित दुर्व्यवहार किया गया। सभापति ने बताया कि वह रोते हुए उनके पास पहुंचीं।

बीजेपी ने राहुल गांधी ...

बीजेपी का आरोप है कि कांग्रेस सांसद राहुल गांधी ने उनके दोनों सांसदों प्रताप सारंगी और मुकेश राजपूत को धक्का देकर गिरा दिया, जिससे वो चोटिल हो गए। हालांकि, राहुल गांधी ने इन आरोपों से इनकार किया है। बीजेपी की नगालैंड से महिला सांसद फांनोन कोन्याक ने आरोप लगाया कि राहुल गांधी बेहद करीब आकर खड़े हो गए थे, जिससे उन्हें दिक्कतें हुईं। उन्होंने आरोप लगाया, हम बेहद शांतिपूर्ण प्रदर्शन कर रहे थे, तभी राहुल गांधी आए और मेरे ऊपर चिल्लाने लगे। उन्हें किसी महिला के ऊपर चिल्लाना शोभा नहीं देता है।कांग्रेस ने एक वीडियो जारी कर दावा किया कि बीजेपी सदस्यों ने संसद परिसर में राज्यसभा में नेता प्रतिपक्ष मल्लिकार्जुन खरगे और वायनाड से कांग्रेस सांसद प्रियंका गांधी समेत कई महिला सांसदों के साथ धक्का-मुक्की की, जो बीजेपी की तानाशाही को दिखाता है।

उपराष्ट्रपति के ...

अंतरिम आदेश के अनुसार पूरे सूचना पत्र पर एक नजर डालने से ही पता लगता है कि यह एक अत्यधिक बेढंगा , लापरवाहीपूर्ण और प्रत्येक कल्पनीय पहलू पर गंभीररुप से त्रुटिपूर्ण है। प्रस्ताव में प्रेषिती का नाम नहीं है, संकल्प पाठ अनुपस्थित है, संपूर्ण याचिका में पदस्थ उप राष्ट्रपति का नाम सही ढंग से नहीं लिखा गया है और जिन दस्तावेजों और वीडियो का दावा किया गया है, उन्हें याचिका का हिस्सा नहीं बनाया गया है तथा यह बिना प्रमाणीकरण के असंबद्ध मीडिया रिपोर्टों के लिंक पर आधारित है।उप सभापति ने इसे संसद और सांसदों की प्रतिष्ठा के लिए चिंताजनक विषय बताया है। इसमें यह भी कहा गया है कि मौजूदा उप राष्ट्रपति के अगस्त 2022 में पद ग्रहण करने से लेकर अब की घटनाओं का इसमें उल्लेख उन्हें बदनाम करने के उद्देश्य से झूठे दावों से भरा हुआ है।इस आदेश में उप राष्ट्रपति के विरुद्ध मीडिया अभियान चलाये जाने की बात कही गयी है और इस संबंध में गत 12 दिसंबर को कांग्रेस, मुख्य विपक्षी दल के नेता और मुख्य सचेतक की टेलीविजन पर प्रसारित संवाददाता सम्मेलन का भी उल्लेख किया गया है।

भाजपा महिला...

सदन के नेता भाजपा सदस्य जे पी नड्डा और संसदीय कार्यमंत्री किरन रिजिजू ने सभापति से संसद भवन की सीढ़ियों पर भाजपा की एक महिला सदस्य के साथ कांग्रेस के नेता द्वारा अभद्र व्यवहार किये जाने का आरोप लगाया।भाजपा सदस्यों ने विपक्ष के नेता से इस मुद्दे पर क्षमा मांगने के लिये कहे जाने पर जोर दिया, लेकिन विपक्षीय सदस्यों ने इसका प्रतिवाद किया।

द्रविड़ मुनेत्र कषगम (द्रमुक) के सदस्य त्रिचि शिवा ने कहा कि सत्ता पक्ष जो कह रहा है, वह उसका दावा है, जबकि श्री गांधी ने आरोप लगाया है कि सदन के बाहर सीढ़ियों पर भाजपा के सदस्यों ने उनके साथ धक्का-मुक्की की है। दोनों तरफ से आर-ोप-प्रत्यारोप और हंगामा थमता न देख सभापति ने सदन की कार्यवाही दिनभर के लिये स्थगित कर दी।

मोदी सरकार के...

उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि देश शीघ्र ही वैश्विक क्षेत्र में तकनीकी रूप से मजबूत बढ़त हासिल कर लेगा। रक्षा मंत्री ने रक्षा अनुसंधान एवं विकास संगठन (डीआरडीओ) के सहयोग से देश के वैज्ञानिक विकास में भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थानों (आईआईटी) की भूमिका की सराहना की। साथ ही उन्होंने उद्योग, अनुसंधान एवं विकास संगठनों और शिक्षाविदों के बीच और भी बेहतर संबंध स्थापित करने का आह्वान किया।रक्षा मंत्री ने कहा कि विकसित देशों में शैक्षणिक परिसर अग्रणी प्रौद्योगिकियों को आगे बढ़ाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं।

सिंह ने कहा, भारत इस समय सबसे युवा देश है। हमारे युवाओं में नया करने का जुनून और क्षमता है। हमारी सरकार हर कदम पर उनके साथ खड़ी है। हम उनके नवाचार को प्रोत्साहित करते हैं और उनकी जरूरतों के हिसाब से उन्हें निधि उपलब्ध कराते हैं।उन्होंने कहा कि भारत आज नवाचार और स्टार्ट-अप का केंद्र बन गया है, जिसकी वजह से हम लगातार तकनीकी कौशल हासिल कर रहे हैं। हम हमेशा अपने इंजीनियरों और नवोन्मेषकों के साथ खड़े रहेंगे। हमारे संयुक्त प्रयासों से हम आत्मनिर्भर भारत के अपने सपने को साकार करेंगे।

केटीआर के...

बता दें कि केटीआर पिछले बीआरएस शासन के दौरान नगर प्रशासन मंत्री थे। उन्होंने पिछले साल हैदराबाद में रेस की मेजबानी में अहम भूमिका निभाई थी। यह रेस इस साल फरवरी में होने वाली थी, लेकिन दिसंबर 2023 में कांग्रेस सरकार के सत्ता संभालने के बाद उसे रद्द कर दिया गया। रामा राव ने गुरुवार को कहा कि वह अपने खिलाफ मुकदमों का कानूनी तौर पर सामना करेंगे। उन्होंने कांग्रेस पर आधारहीन आरोप लगाने का आरोप लगाया है। बीआरएस ने कहा कि पिछली सरकार ने तेलंगाना को लाभ पहुंचाने के लिए फॉर्मूला-ई रेस के आयोजकों के साथ एक समझौता किया था।

कुलगाम में मारा...

जुड़े कई अपराधों में संलिप्त था।उन्होंने कहा कि मुठभेड़ में मारे गए अन्य आतंकवादियों की पहचान इरफान लोन, आदिल हुसैन, मुश्ताक इटू और यासिर जावेद के रूप में हुई है और ये सभी स्थानीय निवासी थे।इलाके में तलाश अभियान जारी है और पुलिस ने सुरक्षा कारणों का हवाला देते हुए स्थानीय लोगों से मुठभेड़ स्थल के करीब न जाने की अपील की है।

नए साल की सौगात...

बेहतर रूप से शुरू करने में सहायक बनना है। आमतौर पर अंतरजातीय विवाह को लेकर लोगों में उदासीनता देखने को मिलती है। इसी को बढ़ावा देने के लिए सरकार ने ये खास योजना चलाई है। हालांकि बहुत कम लोग इस योजना के बारे में जानते हैं।

इस योजना का लाभ लेने के इच्छुक कपल को कोर्ट में शादी करना होगी। रजिस्टर मैरिज पर ही कपल को यह रकम दी जाएगी। इसके अलावा शादी के बाद अपने जिला कार्यालय में भी इस योजना के लिए अप्लाई करना होगा। फॉर्म में दूल्हा और दुल्हन के जाति प्रमाण पत्र के साथ मैरिज प्रमाण पत्र और कुछ अन्य जरूरी दस्तावेज जैसे नागरिक प्रमाणपत्र, आधार आदि होना आवश्यक है।

इस योजना के तहत आर्थिक मदद के लिए लाभार्थी यानी कपल को एक जॉइंट बैंक खाता भी खोलना होगा। आवेदन के बाद अगर कपल पात्र पाया जाता है तो उसके जॉइंट बैंक अकाउंट में ढाई लाख रुपए की रकम जमा कर दी आएगी। इस योजना में लाभ लेने के लिए वर-वधु का अलग-अलग जाति का होना आवश्यक है। इसमें एक सामान्य तो दूसरा दलित समुदाय से होना चाहिए। इसी को बढ़ावा देने के लिए ही सरकार ये खास योजना चला रही है।

इतना बड़ा ...

यह ऑस्ट्रेलिया की इकोनॉमी को एक नए स्तर पर ले जाएगा। साथ ही उसे खनिज पदार्थों के क्षेत्र में अग्रणी ताकत बना सकता है। इतना ही ऑस्ट्रेलिया आने वाले समय में दुनिया की शीर्ष अर्थव्यवस्थाओं में सबसे पछाड़ भी सकता है। ऑस्ट्रेलिया में लोहे खनिज का इतना बड़ा भंडार मिलने को लेकर अमेरिका तो यकीन ही नहीं हो रहा है। इस खनिज को बेचकर ऑस्ट्रेलिया आर्थिक मोर्चे पर अमेरिका के लिए चुनौती बनकर उभर सकता है। ये भी हो सकता है कि ग्लोबल लेवल पर लोहे और खनिज पदार्थों की आपूर्ति की तस्वीर पूरी तरह से बदल सकती है। इसलिए ऑस्ट्रेलिया में मिले लोहे के विशाल भंडार ने दुनिया का ध्यान अपनी ओर खींचा है। कहा तो यहां तक जा रहा है कि ये भंडार आने वाले दिनों में ग्लोबल पावर बैलेंस को बदल सकती है। लोहे का ये भंडार ऑस्ट्रेलिया की इकोनॉमी को नई ऊंचाइयों पर ले जाएगा।

चीन और अमेरिका जैसे बड़े देश भी उससे पीछे छूट सकते हैं। चीन पहले ही ऑस्ट्रेलिया से आयात पर निर्भर है। यह नई खोज उसे और अधिक निर्भर बना सकती है। लोहे के अलावा ऑस्ट्रेलिया में यूरेनियम का भंडार मिलने की संभावनाएं जताई जा रही हैं। यूरेनियम परमाणु ऊर्जा और हथियारों को बनाने के लिए बहुत महत्वपूर्ण है। दुनिया के हर देश को इसकी जरूरत रहती है।भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच संबंध बहुत अच्छे हैं। अगर भारत इन खनिजों का लाभ उठाना चाहता है, तो उसे ऑस्ट्रेलिया के साथ अपने संबंधों को और मजबूत करना होगा। ऑस्ट्रेलिया भारत को उभरती हुई सुपर पावर मानता है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और ऑस्ट्रेलियाई प्रधानमंत्री एंथनी अल्बानीज़ के बीच अच्छी दोस्ती है। ऑस्ट्रेलिया को 6 ट्रिलियन डॉलर की ये खोज भविष्य की आर्थिक शक्ति बना सकती है। उम्मीदें जताई जा रही हैं कि भारत को ऑस्ट्रेलिया के साथ अपनी दोस्ती का फायदा मिलेगा।

वार्षिक राशिफल 2025

ज्योतिषाचार्य डॉ. अनीष व्यास से जानते है कि नववर्ष 2025 का राशिफल कैसा रहेगा?

नया साल 2025 आपके जीवन में अपार खुशियां लेकर आएं। नव वर्ष में आपके मन में अनेक प्रश्न उठ रहे होंगे यथा यह साल मेरे लिए कैसा रहेगा ? मेरी पदोन्नति होगी या नहीं ? क्या इस साल शादी होगी ? क्या मेरा प्यार मुझे मिलेगा? क्या संतान सुख मिलेगा ? व्यापार में वृद्धि होगी या नही ? नौकरी लगेगी की नही इत्यादि। पाल बालाजी ज्योतिष संस्थान जयपुर जोधपुर के निदेशक ज्योतिषाचार्य डा.अनीष व्यास ने बताया कि आइए ग्रहों की स्थिति के आधार पर आपके प्रश्नों के उत्तर जानने का प्रयास करते है। साल 2025 पिछले वर्ष 2024 से बहुत ही ज्यादा राहतभरा और प्रगति कारक साबित होने वाला है। नववर्ष 2025 आर्थिक तौर पर अच्छा रहने वाला है। साथ ही पिछले साल जो कार्य रुक गए थे उन सभी के कार्यों को गति मिलने वाली है। ग्रह और नक्षत्रों की स्थिति के हिसाब से साल 2025 काफी अच्छा जाने वाला है। इस साल शनि के साथ-साथ गुरु, राहु-केतु भी राशि परिवर्तन करेंगे। ऐसे में हर राशि के जातकों के जीवन में शुभ या फिर अशुभ प्रभाव देखने को मिलेगा। इसके अलावा सूर्य, बुध, शुक्र, मंगल, चंद्रमा अपनी अवधि के अनुसार राशि परिवर्तन करते रहेंगे। साल 2025 के मार्च माह में शनि अपनी मूल त्रिकोण राशि छोड़कर मीन राशि में प्रवेश कर जाएंगे। इसके साथ ही मई माह में गुरु वृषभ राशि से निकलकर मिथुन राशि में आ जाएंगे। राहु कुंभ राशि में और केतु सिंह राशि में प्रवेश कर जाएंगे। ग्रहों की स्थिति के हिसाब से साल 2025 में कुछ राशि के जातकों की किस्मत चमक सकती है।

साल 2025 की शुरुआत से ग्रह भारत की वृद्धि के लिए अच्छे होंगे। भारत एक महाशक्ति बनने की अपनी यात्रा शुरू कर सकता है। इस साल के अंत तक भारत को दुनिया के सबसे प्रभावशाली देशों में से एक के रूप में देखा जाएगा। यह साल आर्थिक लाभ व्यापार कूटनीति और जनसंपर्क के लिए अच्छा होगा। साल की शुरुआत से दुनिया व्यापार और बुनियादी ढांचे के निर्माण में भारत का दबदबा देख सकती है। यह साल देश के वित्त में स्थिरता और

संतुलन ला सकता है, जिससे नागरिकों में आत्मविश्वास की मजबूत भावना पैदा हो सकती है। आईटी, रसायन, उर्वरक, प्रौद्योगिकी, ऑटोमोबाइल और हॉस्पिटैलिटी जैसे क्षेत्रों के स्टॉक साल के पहले छः महीनों में सकारात्मक रुझान दिखा सकते हैं, जिससे देशों का आर्थिक आत्मविश्वास और मजबूत होगा। एफएमसीजी, निर्माण, धातु, खनन और मीडिया के शेयरों में साल के बाद के छः महीनो में सकारात्मक वृद्धि और अच्छे रिटर्न का अनुभव हो सकता है। देश की समग्र जीडीपी अधिक मजबूत हो सकती है और सतत विकास का अनुभव कर सकती है। इस साल उच्च लाभ का संकेत देता है। विदेशी मुद्रा भंडार बढ़ेगा, जिससे भारतीय रुपया मजबूत होगा। सोने का भंडार भी बढ़ सकता है, जिससे देश की वित्तीय स्थिति मजबूत होगी।

कुल मिलाकर साल 2025 सभी राशियों के लिए कुछ नया लेकर आने वाला है। साथ ही कुछ के लिए नए अनुभव लेकर आएगा और यह अनुभव आपको बदलाव के साथ सफलता की ओर लेकर जाएंगे। हालांकि इस साल उतार-चढ़ाव भी बना रहेगा लेकिन आपको सीखने को खूब मिलेगा। इसलिए जीवन में उतार-चढ़ाव से घबराएं नहीं बल्कि उससे कुछ नया सीखें। ज्योतिषाचार्य डा. अनीष व्यास ने बताया कि इसी प्रकार अन्य ग्रह भी सम्पूर्ण वर्ष सभी राशियों में भ्रमण करते रहेगें और उसका प्रभाव आपके ऊपर किसी न किसी रूप में अवश्य पड़ेगा। मेरी कोशिश यही होगी कि आपके जीवन में आने वाले सभी पहलुओ पर यथा संभव प्रकाश डालुं ताकि आपको भविष्य की योजना बनाने में मदद मिल सके। हर दिन एक जैसा नहीं होता। कभी कोई दिन आपके लिए किसी शुभ समाचार की सौगात लेकर आता है, तो कभी हमारे सामने कई चुनौतियां खड़ी हो जाती हैं। कोई दिन ऐसा होता है, जब मन भीतर से बहुत खुश होता है तो कभी ऐसा भी होता है, जब पूरे दिन उदासी घेरे रहती है। ऐसा हमारी राशि और ग्रहों की स्थिति के कारण होता है। वैदिक ज्योतिष पर आधारित भविष्यफल पढ़ने के बाद आप साल 2025 में होने वाली सभी प्रकार के घटना-दुर्घटना से पूर्व में ही परिचित हो जाएंगे और आशा ही नहीं पूर्ण विश्वास है कि आप नए वर्ष की पूरी योजना बनाने में सफल रहेंगे। यह भविष्यवाणी चन्द्र राशि, लग्न तथा वैदिक ज्योतिष के आधार पर किया गया है। इस वार्षिक राशिफल को छह अलग-अलग विषयों में बाँटकर प्रस्तुत किया जा रहा है। इसमें कैरियर, आर्थिक स्थिति, परिवार, प्रेम - रोमांस, शिक्षा और स्वास्थ्य शामिल है।

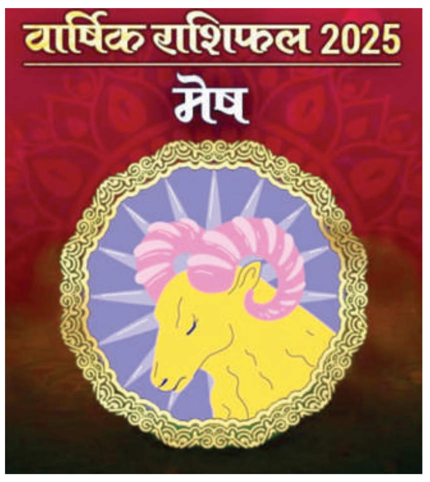

मेष राशि–पाल बालाजी ज्योतिष संस्थान जयपुर जोधपुर के निदेशक ज्योतिषाचार्य डा.अनीष व्यास ने बताया कि साल 2025 आपके लिए मिला जुला या फिर थोड़ा सा कमजोर रह सकता है। अतः इस वर्ष स्वास्थ्य का अपेक्षाकृत अधिक ख्याल रखना जरूरी रहेगा। साल की शुरुआत से लेकर मार्च तक शनि आपके लाभ भाव में रहेंगे, यह अच्छी बात है लेकिन शनि की तीसरी दृष्टि कुंडली के प्रथम भाव पर रहेगी। अत: थोड़ी सी जागरूकता तो जरूरी रहेगी ही रहेगी। फिर भी मार्च तक का समय स्वास्थ्य के लिए अनुकूल रहेगा। इसके बाद शनि का गोचर द्वादश भाव में होने के कारण चंद्र कुंडली के अनुसार साढ़ेसाती की स्थिति निर्मित होगी। फलस्वरूप बाकी के समय में स्वास्थ्य का पूरा ख्याल रखना जरूरी रहेगा। यथा संभव तनाव मुक्त रहकर अच्छी नींद लेने की कोशिश करें। भाग दौड़ और श्रम परिश्रम भी अपने स्वास्थ्य के अनुसार करेंगे तो स्वास्थ्य अनुकूल बना रहेगा। आपका सक्रिय स्वभाव और साहसिकता आपको आगे बढ़ाएगी। उतार-चढ़ाव के समय में आपके मार्गदर्शक सितारे आपके साथ रहेंगे।. व्यावसायिक दृष्टिकोण से वर्ष की शुरुआत उन्नति के संकेत देगी। जो विकास और प्रगति के अवसरों को जन्म देगी। हालांकि, व्यवसाय और कार्यस्थल की राजनीति में ठहराव के कारण वर्ष के अंतिम छह महीनों में आपके धैर्य की परीक्षा हो सकती है। सतर्क रहें और अपने लचीलेपन के साथ आगे बढ़ते रहें। यह समय आपको लोकप्रियता प्रदान करेगा और यदि आप राजनीति के क्षेत्र से जुड़े हैं तो आपके लिए यह अवधि बहुत ही बढ़िया रहेगी क्योंकि आपको जनता का पूरा समर्थन मिलेगा। इसके अलावा शासकीय लोगों से भी आपको सहयोग मिलने के प्रबल योग बनेंगे।

कैरियर – 2025 में आपकी मेहनत और संघर्ष को सफलता मिलने की संभावना है। जनवरी से मार्च तक आपके पेशेवर जीवन में कुछ बड़े बदलाव हो सकते हैं। जो लोग नौकरी बदलने या नए अवसरों की तलाश में हैं, उनके लिए यह समय बहुत अच्छा रहेगा। विशेष रूप से अप्रैल से जुलाई तक, जब सूरज और मंगल का प्रभाव मजबूत होगा, तो यह समय करियर में प्रगति का है। प्रमोशन, नए प्रोजेक्ट्स या किसी महत्वपूर्ण जिम्मेदारी का अवसर मिल सकता है। हालांकि, सितंबर और अक्टूबर में कुछ चुनौतियां आ सकती हैं। कार्यस्थल पर तनाव हो सकता है या सहकर्मियों के साथ मतभेद हो सकते हैं। इस समय आपको अपनी पेशेवर स्थिति बनाए रखने के लिए धैर्य और समझदारी से काम लेना होगा। यह वर्ष आपके लिए एक कठिन लेकिन सशक्त अनुभव हो सकता है, जहां आपको अपनी मेहनत और समर्पण का सही मूल्य मिलेगा। यह वर्ष आपको बहुत कुछ देकर जाएगा। आपको नए अवसरों के लिए स्वयं को तैयार करने होगा। देवगुरु बृहस्पति की शुभ दृष्टि आपके करियर को चमकाने का काम करेगी। आपको भाग्य का साथ मिलेगा। जीवन में उन्नति होगी। बिजनेस धीरे-धीरे आगे बढ़ेगा और अच्छा फलेगा। इस साल छात्रों को विदेश जाने के कई सुनहरे अवसर प्राप्त होंगे। आपको ऑफिस में अपने काम के लिए सम्मानित भी किया जा सकता है। यदि आपने सच्ची मेहनत और लगन से अपना कार्य करेंगे तो कुछ नए कीर्तिमान जरूर स्थापित करेंगे। इस साल आपको अपने करियर में आगे बढ़ने के कई ऐसे मौके मिलेंगे जैसा आपने सोचा भी नहीं होगा। आपके आर्थिक जीवन में स्थिरता आएगी। यदि आप नौकरी कर रहें हैं तो इस साल आपकी अच्छी प्रमोशन हो सकती है। आपके काम की वैल्यू बढ़ेगी। गुरु आपके भाग्य भाव से गोचर करेंगे। आपके काम को सराहा जाएगा। बॉस आपसे खुश होंगे और आप अपने बॉस के फेवरेट बन जाओगे। आपका कॉन्फिडेंस लेवल बढ़ेगा। आप हर काम में अपना बेस्ट देने की कोशिश करेंगे। आपको ऑफिस की तरफ से विदेश भेजे जाने के योग हैं। आपको इन अवसरों को भुनाने का काम करना हैं।

आर्थिक स्थिति– साल 2025 मेष राशि के लिए एक सामान्य वर्ष होगा। शुरुआत में विशेषकर जनवरी और फरवरी में आपको वित्तीय मामलों में लाभ मिलेगा। यदि आपने किसी निवेश में पैसा लगाया है तो वह अच्छा परिणाम दे सकता है। हालांकि मई से अगस्त के बीच आपको खर्चों में वृद्धि का सामना करना पड़ सकता है इसलिए इस दौरान अनावश्यक खर्चों से बचने की कोशिश करें। अक्टूबर और नवंबर में वित्तीय स्थिति स्थिर रहेगी और आप पुराने कर्ज़ों को चुकता करने या निवेश करने में सफल होंगे। यदि आप वित्तीय रूप से कुछ नया शुरू करना चाहते हैं, तो यह सही समय हो सकता है लेकिन इसे सोच-समझकर करें। इस साल आपको आर्थिक मामलों में किसी करीबी व्यक्ति से सलाह लेने की आवश्यकता हो सकती है। साल की शुरुआत से लेकर मई महीने के मध्य तक धन के कारक बृहस्पति का धन भाव में होना, आर्थिक मामलों में अच्छे परिणाम दिलाने का काम करेगा। अतः धन संचय करने के मामले में आपके प्रयास सफल रहेंगे। वहीं मई के बाद बृहस्पति दूसरे भाव से अपने प्रभाव को समेट लेंगे लेकिन तीसरे भाव में जाकर वो लाभ भाव को देखेंगे। फलस्वरूप लाभ मिलता रहेगा। मई के बाद राहु का गोचर भी लाभ भाव में होने के कारण लाभ का प्रतिशत बढ़ेगा। अर्थात बचत के लिए भले ही थोड़ा सा कमजोर रहे लेकिन आमदनी की दृष्टिकोण से यह साल अच्छा बना रहेगा। इस बात की अच्छी संभावनाएं प्रतीत हो रही हैं। आप अपनी मेहनत के अनुसार अपनी आर्थिक स्थिति को बनाए रख पाएंगे।

परिवार– पारिवारिक मामलों में साल 2025 मिले-जुले परिणाम दे सकता है। साल की शुरुआत काफी अच्छे परिणाम देती हुई प्रतीत हो रही है। वहीं साल के दूसरे हिस्से में कुछ पारिवारिक सदस्यों के बीच अनबन देखने को मिल सकती है। इस अनबन या मनमुटाव के पीछे किसी सदस्य की बेवजह की जिद, कारण बन सकती है। ऐसे में तार्किक बात करें, व्यर्थ की जिद और विवाद से बचें, तो परिणाम बेहतर रहेंगे। वहीं गृहस्थ संबंधी मामले में यह साल मिले-जुले परिणाम दे सकता है। आप अपनी जरूरत और मेहनत की अनुरूप घर गृहस्ती को सजाने और संवारने का काम करेंगे। किसी बड़ी विसंगति की योग नहीं हैं बल्कि आपकी लगन, निष्ठा और पारिवारिक सदस्यों के संयुक्त प्रयास के अनुसार आपका गृहस्थ जीवन अच्छा बना रहेगा। पारिवारिक जीवन थोड़ा चुनौतीपूर्ण हो सकता है। कुछ पारिवारिक मतभेद या पुराने मुद्दों को लेकर तनाव हो सकता है। जनवरी से मार्च तक परिवार के साथ समय बिताना और उनके साथ संबंधों को मजबूत करना आवश्यक होगा। माता-पिता और परिवार के अन्य वरिष्ठ सदस्यों की सेहत का ध्यान रखें क्योंकि कुछ स्वास्थ्य समस्याएं उत्पन्न हो सकती हैं। अगर आप शादीशुदा हैं या रिश्ते में हैं तो आपको अपने साथी के साथ समझदारी से व्यवहार करना होगा। मई से जुलाई के बीच, रिश्तों में कुछ गहरी बातचीत और सामंजस्य की आवश्यकता हो सकती है। सिंगल लोगों को इस वर्ष नए रिश्ते की शुरुआत करने का अवसर मिल सकता है लेकिन किसी को जानने से पहले समय लें और पूरी तरह से विचार करें।

प्रेम – रोमांस– यह वर्ष प्यार और रिश्तों के मामले में बहुत ही अच्छा रहेगा तथा शादी शुदा जोड़ों प्यार में मधुरता बढ़ेगी। इस वर्ष सिंगल मेष राशि के जातको के विवाह के प्रबल योग बनेगें। इस साल में आपकी आपसी समझ और विश्वास बढ़ेगा और आप एक-दूसरे के साथ अच्छा समय बिता सकेंगे। इस समय कुछ आकर्षक पल होंगे, जो आप को करीब लाएंगे। जहां साल के पहले छः महीने आपके खूबसूरत पलों का वादा करते है। यदि आप किसी रिश्ते में हैं, तो आपको लगातार परेशानी और दिल टूटने का सामना करना पड़ सकता है। हालाँकि, कुछ कठिनाइयाँ आपके व्यक्तिगत विकास और आत्म-खोज के अवसर के रूप में भी काम कर सकती हैं। आपकी आत्मखोज, आशा और लचीलेपन की भावना को बढ़ावा देती हैं। साल की शुरुआत से लेकर मार्च के महीने तक पंचम भाव पर शनि ग्रह की दृष्टि सच्चे प्रेम करने वाले लोगों को नुकसान नहीं पहुंचाएगी लेकिन अन्य लोगों को कुछ कठिनाइयां देखने को मिल सकती हैं। वहीं मई के बाद पंचम भाव में केतु का प्रभाव आपसी गलतफहमियां देने का काम कर सकता है। ऐसी स्थिति में प्रेम संबंधों में विश्वसनीयता को बनाए रखना जरूरी रहेगा। एक दूसरे के प्रति लॉयल बने रहना बहुत जरूरी रहेगा तभी आप अनुकूलता के दर्शन कर सकेंगे। अन्यथा संबंधों में कमजोरी देखने को मिल सकती है।

शिक्षा –आपके लिए औसत से बेहतर रह सकता है। वहीं यदि आपका स्वास्थ्य पूरी तरह से अनुकूल बना रहा और आप पूरे मनोयोग से पढ़ाई करेंगे, तो परिणाम और भी अच्छे रह सकते हैं। वैसे सामान्य तौर पर उच्च शिक्षा के कारक बृहस्पति की स्थिति मई महीने के मध्य तक अपेक्षाकृत अधिक अनुकूल रहने के कारण इस अवधि में अध्ययन का स्तर ज्यादा अच्छा रहेगा। इसके बाद का समय घर से दूर रहकर पढ़ाई करने वाले विद्यार्थियों के लिए तो बेहतर कहा जाएगा साथ ही साथ टूर और ट्रैवल से जुड़ी शिक्षा लेने वाले विद्यार्थी, मासकॉम या दूरसंचार आदि से जुड़े विषयों की शिक्षा लेने वाले विद्यार्थी अच्छे परिणाम प्राप्त करते रहेंगे लेकिन अन्य विद्यार्थियों को अपेक्षाकृत अधिक मेहनत करने की आवश्यकता रह सकती है। साल की मध्य अवधि भी आपके करियर को हर तरीके से ऊंचाइयां प्रदान करेगी। आप आर्थिक रुप से भी उन्नति प्रदान करेंगे। धन आगमन के रास्ते बनेंगे। छात्रों के लिए यह समय विशेष रुप से इच्छित फल प्रदान करने वाला रहेगा। आप कार्यस्थल पर अलग पहचान बनाने में कामयाब रहोगे। आपको अपने प्रोजेक्ट्स के लिए प्रशंसा मिलेगी। आप अपनी पर्सनेलिटी को निखारने में काम करोगे। इस साल आप किसी शॉर्ट कोर्स का हिस्सा बन सकते हो। मेडिकल, राइटिंग, मीडिया, फोटोग्राफी या ब्लॉगिंग से जुड़े क्षेत्र के लोगों को ट्रेवलिंग करने के खूब मौके मिलेंगे। इस साल आपको ऐसी की जगहों में काम करने का मौका मिल सकता है जो आपने कभी सोचा न होगा। जो लोग नई जॉब या किसी नए अवसर की तलाश कर रहें हैं उन्हें कुछ नए अवसर मिल सकते हैं। साल के अंतिम महीनों में आपके स्थान परिवर्तन के भी योग बन रहे हैं। आपको अपनी मेहनत के बहुत ही पॉजिटिव रिज़ल्ट मिलेंगे।

स्वास्थ्य–यह वर्ष आपकी सेहत के लिहाज से बहुत ही अच्छा रहेगा। स्वास्थ्य के नजरिये से साल आपको उत्तम सेहत का आनंद देगा। इस वर्ष आपको सेहत के मामलों को लेकर जरा भी चिंता नहीं करनी चाहिए। आप अपने खान-पान और अपनी सेहत के प्रति अधिक संवेदनशील रहोगे। वर्ष की शुरुआत आपके लिए अच्छी रहेगी लेकिन आपको समय समय पर मेडिकल चेकअप कराने की सलाह दी जाती है। आपको व्यायाम और योग करके खुद को स्वस्थ रखना होगा। इस साल आपको ज़रा भी मानसिक दबाव लेने की जरूरत नहीं है। साल की शुरुआत आपके जीवन में अच्छे परिणाम लेकर ही आएगा इसलिए आपको खुश रहने की कोशिश करनी होगी। इस वर्ष देवगुरु बृहस्पति की शुभ दृष्टि होने से आप उत्तम सेहत के मालिक रहोगे। आपका मन आध्यात्मिकता के रास्ते पर चलेगा। आपके मन में पवित्र विचार उत्पन्न होंगे। साल के अंतिम महीनों में आपको पेट से जुड़ी समस्या हो सकती हैं। आपको कब्ज, अपच या डाइजेशन से जुड़ी समस्या हो सकती है। आप अपने स्वास्थ्य को लेकर चिंतित रह सकते हो। थोड़ी सी लापरवाही भी आपके लिए बड़ी परेशानी का कारण बन सकती है। इसलिए आपको शुरू से ही अपने खान-पान का विशेष ध्यान रखना होगा। आपको अपनी डाइट में संतुलित आहार के साथ-साथ फल-सब्जियां, दूध और जूस आदि शामिल करने चाहिए। वर्ष में यदि आप अपनी सेहत के प्रति सजग रहेंगे और अपनी फिटनेस की ओर एक कदम बढ़ाएंगे तो इस वर्ष आप एक अच्छी सेहत का लाभ उठा सकते हो।

ज्योतिष उपाय –हनुमान जी की आराधना करें। हनुमान चालीसा का पाठ करें । प्रत्येक मंगलवार व शनिवार को सुंदरकांड का पाठ करें। प्रत्येक मंगलवार को हनुमान जी का व्रत रखें।

डॉ. अनीष व्यास
भविष्यवक्ता और कुण्डली विश्लेषक
पाल बालाजी ज्योतिष संस्थान,जयपुर-जोधपुर
मो.9460872809

शुक्रवार को राशि अनुसार करें इन मंत्रों का जप, आर्थिक तंगी से मिलेगी मुक्ति

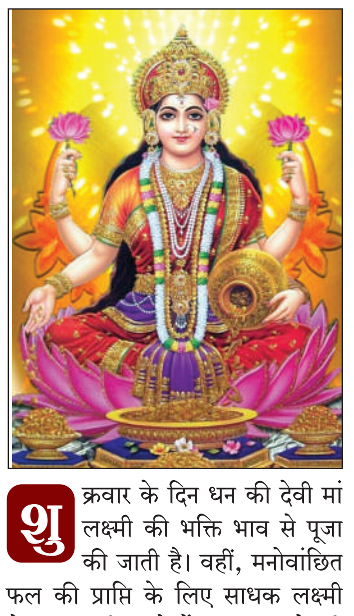

शुक्रवार के दिन धन की देवी मां लक्ष्मी की भक्ति भाव से पूजा की जाती है। वहीं, मनोवांछित फल की प्राप्ति के लिए साधक लक्ष्मी वैभव व्रत भी रखते हैं। इस व्रत को स्त्री और पुरुष दोनों कर सकते हैं। इसके अलावा, व्रत के मध्य अंतराल भी रख सकते हैं। धार्मिक मत है कि लक्ष्मी वैभव व्रत करने से साधक की हर मनोकामना पूरी होती है। साथ ही आय, सुख और सौभाग्य में वृद्धि होती है। ज्योतिष भी आर्थिक तंगी से निजात पाने के लिए मां लक्ष्मी की पूजा करने की सलाह देते हैं। अगर आप भी मां लक्ष्मी की कृपा के भागी बनना चाहते हैं, तो शुक्रवार के दिन स्नान-ध्यान के बाद विधि विधान से धन की देवी की पूजा करें। वहीं, पूजा के समय राशि अनुसार इन मंत्रों का जप अवश्य करें।

राशि अनुसार मंत्र जप

मेष राशि के जातक मां लक्ष्मी की कृपा पाने के लिए 'ऊँ विद्यायै नम:' मंत्र का जप करें।

वृषभ राशि के जातक सुखों में वृद्धि पाने के लिए पूजा के दौरान 'ऊँ श्रद्धायै नम:' मंत्र का जप करें।

मिथुन राशि के जातक कारोबार में तरक्की पाने के लिए 'ऊँ सिद्धयै नमः' मंत्र का जप करें।

कर्क राशि के जातक मानसिक तनाव से मुक्ति पाने के लिए 'ऊँ सुरभ्यै नम:' मंत्र का जप करें।

सिंह राशि के जातक करियर में सफलता पाने के लिए 'ऊँ पद्मायै नमः' मंत्र का जप करें।

कन्या राशि के जातक व्यापार में लाभ प्राप्त करने के लिए 'ऊँ स्वधायै नमः' मंत्र का जप करें।

तुला राशि के जातक आय और सौभाग्य में वृद्धि पाने के लिए 'ऊँ धन्यायै नमः' मंत्र का जप करें।

वृश्चिक राशि के जातक आर्थिक तंगी से निजात पाने के लिए 'ऊँ लक्ष्म्यै नमः ' मंत्र का जप करें।

धनु राशि के जातक पद-प्रतिष्ठा में वृद्धि पाने के लिए 'ऊँ अदित्यै नमः' मंत्र का जप करें।

मकर राशि के जातक शनि की बाधा दूर करने के लिए ' ऊँ कमलायै नमः' मंत्र का जप करें।

कुंभ राशि के जातक निवेश में लाभ प्राप्त करने के लिए ' ऊँ कान्तायै नमः' मंत्र का जप करें।

मीन राशि के जातक शुक्रवार के दिन पूजा के समय 'ऊँ कामाक्ष्यै नमः' मंत्र का जप करें।

कल वर्ष का सबसे छोटा दिन!

वैसे तो साल में 365 दिन होते हैं और हर दिन 24 घंटे का होता है। लेकिन साल में चार दिन ऐसे होतें हैं, जिनकी अलग ही खासियत है। इन चार दिनों में 21 मार्च, 21 जून, 23 सितंबर और 22 दिसंबर आते हैं। पाल बालाजी ज्योतिष संस्थान जयपुर जोधपुर के निदेशक ज्योतिषाचार्य डा. अनीष व्यास ने बताया कि सर्दियों का मौसम अब हमारे दरवाजे पर है।. दिन छोटे होते जा रहे हैं और रातें लंबी होती जा रही हैं। 21 दिसंबर का दिन विशेष है क्योंकि इस दिन साल की सबसे लंबी रात होगी। जो लगभग 16 घंटे तक चलेगी। जबकि दिन केवल 8 घंटे का होगा। इसे शीतकालीन संक्रांति के नाम से जाना जाता है। इस दिन पृथ्वी की सूर्य से दूरी अधिक होती है और चाँद की रोशनी पृथ्वी पर अधिक समय तक बनी रहती है। शीतकालीन संक्रांति का कारण यह है कि पृथ्वी अपने ध्रुव पर 23.4 डिग्री की झुकाव पर होती है। सामान्य दिनों तो 12 घंटे का दिन और 12 घंटे की रात होती है। वहीं 21 दिसंबर के बाद रात छोटी होने लगती है और दिन बड़े होने लगते हैं।

यूं तो सामान्य दिनों जब दिन और रात बराबर होते हैं। आमतौर पर ये 12-12 घंटे के होते हैं लेकिन 21 दिसंबर के बाद रातें छोटी होने लगती हैं और दिन बड़े होने लगते हैं। इस दिन उत्तरी गोलार्ध में मौजूद सभी देशों में दिन लंबा और रात छोटी होती है। खास बात ये है कि इस दिन ऐसा पल ऐसा भी आता है जब आपकी परछाई साथ छोड़ देती है।

विंटर सोल्स्टिस

सोल्सटिस एक लैटिन शब्द है।, जो सोल्स्टिम से उत्पन्न हुआ है. लैटिन में 'सोल' का अर्थ सूर्य है। जबकि 'सेस्टेयर' का अर्थ स्थिर रहना है।. इन दोनों शब्दों के संयोजन से सोल्स्टिस का निर्माण हुआ है। जिसका अर्थ है सूर्य का स्थिर रहना। इस प्राकृतिक परिवर्तन के कारण, 21 दिसंबर को वर्ष का सबसे छोटा दिन और सबसे लंबी रात होने वाली है।

इस साल 21 दिसंबर को वर्ष का सबसे छोटा दिन होगा। पृथ्वी के अपनी धुरी पर घूमने के दौरान एक ऐसा दिन आता है जब दक्षिणी गोलार्ध में सूर्य की पृथ्वी से दूरी अधिकतम होती है। इस कारण, 21 दिसंबर का दिन वर्ष का सबसे छोटा होने वाला है और इस दिन रात का समय सबसे लंबा होता है। इसे विंटर सोलस्टाइस के नाम से जाना जाता है।

कुछ वर्षों में विंटर सोलस्टाइस की तिथि में परिवर्तन होता है।लेकिन इस दिन का समय 20 से 23 दिसंबर के बीच ही होता है।21 दिसंबर को सूर्य की पृथ्वी से अधिकतम दूरी के कारण सूर्य की किरणें धरती पर देर से पहुंचती हैं। इस कारण तापमान में भी थोड़ी कमी देखी जाती है। विभिन्न देशों में इस दिन कई प्रकार के त्योहार मनाए जाते हैं। पश्चिमी देशों में सबसे प्रमुख त्योहार क्रिसमस है। जो विंटर सोलस्टाइस के तुरंत बाद आता है। इसी प्रकार, चीन और अन्य पूर्वी एशियाई देशों में बौद्ध धर्म के यीन और यांग पंथ से संबंधित लोग विंटर सोलस्टाइस को एकता और समृद्धि को बढ़ावा देने का दिन मानते हैं।. विंटर सोलस्टाइस के संबंध में विभिन्न देशों में अलग-अलग मान्यताएँ हैं।. अधिकांश देशों में इस दिन से जुड़े कुछ धार्मिक रीति-रिवाज होते हैं।

इस समय भारत में मलमास का समय

जब विंटर सोलस्टाइस आता है, तब भारत में मलमास का समय होता है, जिसे संघर्ष काल भी कहा जाता है. इस संदर्भ में, उत्तर भारत में श्रीकृष्ण को भोग अर्पित करने और गीता का पाठ करने की परंपरा है, जबकि 22 दिसंबर से राजस्थान के कुछ क्षेत्रों में पौष उत्सव की शुरुआत होती है. सूर्य के उत्तरायण की प्रक्रिया विंटर सोलस्टाइस से प्रारंभ होती है, इसलिए भारत में इसका विशेष महत्व है.

इसलिए होते हैं दिन और रात

पृथ्वी के अपने अक्ष में घूमने के कारण दिन और रात होते हैं। साथ ही समय घटता बढ़ता रहता है। यदि धरती न होती तो सूर्य के तरफ वाला हिस्सा हमेशा सूर्य के प्रकाश में रहता और दूसरी तरफ का हिस्सा अंधेरे में डूबा रहता।

30 को मनाई जाएगी सोमवती अमावस्या

इन जगहों पर जलाएं दीपक, जीवन से दूर होगा अंधेरा

सनातन धर्म में अमावस्या तिथि को विशेष महत्व दिया जाता है। इस तिथि पर पितरों की कृपा के लिए विशेष माना जाता है। साथ ही इस दिन पर किए गए दान-पुण्य का भी साधक को शुभ फल प्राप्त होता है। इस बार पौष अमावस्या, सोमवार, 30 दिसंबर को मनाई जाएगी, जिसे सोमवार के दिन पड़ने के कारण सोमवती अमावस्या भी कहा जाएगा।

ये पितरों की दिशा

अमावस्या तिथि को पितरों को प्रसन्न करने के लिए बहुत ही उत्तम माना जाता है। ऐसे में सोमवती अमावस्या के दिन आपको घर के बाहर दक्षिण दिशा में पितरों के निमित्त सरसों के तेल का दीपक जलाना चाहिए, क्योंकि यह दिशा पितरों की दिशा मानी जाती ऐसा करने से पितृ प्रसन्न होते हैं और साधक को सुख-समृद्धि का आशीर्वाद देते हैं।

यहां जरूर जलाएं दीया

हर शाम को मां लक्ष्मी के निमित्त घर के मुख्य द्वार पर दीपक जलाया जाता है। ऐसे में अमावस्या के दिन भी आपको मुख्य द्वार पर दीपक जरूर जलाना चाहिए। मां लक्ष्मी प्रसन्न होती हैं और साधक पर अपनी दया दृष्टि बनाए रखती हैं। इसके लिए आपको सरसों या फिर तिल का तेल का दीपक जलाना चाहिए। ऐसा करने से नकारात्मकता दूर होती है और घर में सकारात्मक ऊर्जा का प्रवाह बढ़ता है।

पीपल के पेड़ के पास

अमावस्या दिन पीपल के पेड़ की पूजा करना काफी शुभ फलदायक माना जाता है। क्योंकि हिंदू मान्यताओं के अनुसार, पीपल के पेड़ में देवी-देवताओं और पितरों वास होता है। ऐसे में सोमवती अमावस्या पर पीपल के पेड़ के नीचे सरसों के तेल का दीपक जलाने से आपको काफी लाभ देखने मिलेगा। आप चाहें, तो तिल के तेल का दीपक भी जला सकते हैं। ऐसा करने से आपके ऊपर देवों का आशीर्वाद बना रहेगा और सभी कष्ट दूर होंगे।

ऑस्कर 2025 के लिए शॉर्टलिस्ट हुई हिंदी फिल्म संतोष, लापता लेडीज को दी मात

ऑस्कर 2025 के लिए शॉर्टलिस्ट होने वाली फिल्मों का नाम जानने के लिए दुनियाभर के दर्शक बेहद उत्साहित थे। अब आखिरकार शॉर्टलिस्ट हुई फिल्मों की सूची जारी हो गई है।भले ही फिल्मी दुनिया के इस सबसे बड़े पुरस्कार समारोह में भारत की आधिकारिक प्रविष्टि के रूप में भेजी गई आमिर खान और किरण राव की फिल्म लापता लेडीज नामांकन पाने से पहले ही रेस से बाहर हो गई हो, लेकिन हिंदी फिल्म संतोष ने जरूर बाजी मार ली है।ऑस्कर 2025 में 15 फिल्में इंटरनेशनल फीचर फिल्म की श्रेणी में शॉर्टलिस्ट हुई हैं।इस सूची में आई एम स्टिल हीयर से लेकर, फ्लो और एमिलिया पेरेज जैसी फिल्में शामिल हैं।ऑस्कर में सुनीता रजवार और शहाणा गोस्वामी की फिल्म संतोष भी शॉर्टलिस्ट हुई है, लेकिन इस फिल्म को ब्रिटेन ने आधिकारिक प्रविष्टि के रूप में चुना था।भारत की ओर से इंटरनेशनल फीचर फिल्म की श्रेणी में ऑस्कर भेजी गई लापता लेडीज रेस से बाहर हो गई है।संतोष ब्रिटेन की तरफ से ऑस्कर 2025 में बेस्ट इंटरनेशनल फीचर फिल्म की दौड़ में शामिल है।इस फिल्म को बाफ्टा की तरफ से चुना गया था।संतोष का प्रीमियर कान्स फिल्म फेस्टिवल में भी हो चुका है, जहां इसने जमकर वाहवाही लूटी थी।इसे ब्रिटेन में बड़े पैमाने पर रिलीज किया गया था। इस फिल्म का निर्देशन संध्या सूरी ने किया है। इसे बनाने में ब्रिटिश निर्माताओं का भी काफी सहयोग रहा है।इस फिल्म में सुनीता और शहाणा मुख्य भूमिका में हैं। यह एक इंवेस्टिगेटिव थ्रिलर फिल्म है।कहानी की बात करें तो इसमें एक महिला (संतोष) है, जिसकी नई शादी हुई है, लेकिन पति के गुजर जाने के बाद उसकी पुलिस कांस्टेबल वाली नौकरी पत्नी को मिली है, जिसके बाद वह एक लड़की की हत्या की गुत्थी सुलझाती दिखती है।संतोष के किरदार में जहां शहाणा खूब जमीं, वहीं सुनीता ने भी अपने दमदार किरदार से फिल्म में जान डाल दी।

जब शहनाज गिल को मिले फुर्सत के पल, दोस्तों संग बनाया यादगार

फिल्मों के साथ टीवी जगत में अपनी खास अदायगी से छाने वाली अभिनेत्री शहनाज गिल ने सोशल मीडिया पर खूबसूरत वीडियो साझा किया, जिसमें अभिनेत्री अपने मित्रों के साथ फुर्सत के पल बिताती नजर आईं। इंस्टाग्राम पर एक वीडियो साझा कर 'पंजाब की कैटरीना' शहनाज गिल ने लिखा, जब काम के बीच मिली थोड़ी सी फुर्सत, तो हमने उसे यादगार बना दिया! दोस्तों के साथ मस्ती भरे डांस का पल, क्योंकि जिंदगी का हर लम्हा सेलिब्रेट करना बनता है।

वीडियो में गिल अपने दोस्तों के साथ पंजाबी गाने 'मेरा मन' पर झूमती नजर आईं।शहनाज गिल सोशल मीडिया पर अपने लेटेस्ट पोस्ट के साथ अक्सर अपनी उपस्थिति दर्ज कराती रहती हैं। वीडियो से पहले अभिनेत्री ने अपनी आगामी फिल्म 'इक कुड़ी' के बारे में प्रशंसकों को जानकारी देते हुए उसका पोस्टर भी शेयर किया। अभिनेत्री ने बताया कि उनकी फिल्म कब रिलीज होगी। अमरजीत सिंह सरोन के निर्देशन में तैयार फिल्म अगले साल सिनेमाघरों में रिलीज होगी। खास बात कि पंजाबी भाषा में बनी फिल्म में मुख्य भूमिका निभाने के साथ ही शहनाज ने अमरजीत सिंह सरोन और कौशल जोशी के साथ प्रोड्यूसर की जिम्मेदारी भी संभाली है। अभिनेत्री ने प्रशंसकों को बताया, खुशी से हमारी फिल्म 'इक कुड़ी' की घोषणा कर रही हूं। यह फिल्म 13 जून 2025 को दुनिया भर में रिलीज होगी। अपने प्रोजेक्ट से इतर अभिनेत्री ने हाल ही में अपने दादा-दादी का एक प्यारा वीडियो भी साझा किया था, जिसमें गिल के दादा-दादी प्यार भरे नोकझोंक करते नजर आए। वीडियो में अभिनेत्री के दादा अपनी पत्नी और शहनाज की दादी के बाल संवारते नजर आए ।

अकाय से इलई तक, चर्चा में बने रहे सेलेब्स के बच्चों के नाम

साल 2024 का अंतिम महीना चल रहा है और नया साल दस्तक देने को तैयार है। ये साल कई मीठी-कड़वी यादों से रहा। इस साल कई सितारों ने दुनिया को अलविदा कह दिया तो कई सितारों के घर किलकारी गूंजी। इस साल माता-पिता बने कलाकारों ने अपनों बच्चों का नाम भी एकदम अलग हटकर रखा, जो कि सोशल मीडिया पर छाया रहा और सुर्खियों में बना रहा। लिस्ट में दीपिका पादुकोण-रणवीर की बेटी 'दुआ' से लेकर विराट कोहली और अनुष्का शर्मा के बेटे 'अकाय' का नाम भी शामिल है।

बॉलीवुड अभिनेत्री दीपिका पादुकोण और रणवीर सिंह के लिए ये साल शानदार रहा। दीपिका पादुकोण और रणवीर सिंह इसी साल (8 सितंबर 2024) माता-पिता बने। जोड़े ने अपनी लाडली का नाम रखा है। बेटी के जन्म और नाम की घोषणा कपल ने सोशल मीडिया पर की थी। अभिनेत्री ने 'दुआ' नाम का अर्थ बताया था कि दुआ का अर्थ प्रार्थना है क्योंकि वह हमारी प्रार्थनाओं का जवाब है।

हालांकि, दीपिका के बेटी का नाम बताते ही सोशल मीडिया पर हिंदू-मुस्लिम की बहस छिड़ गई। सोशल मीडिया यूजर्स ने उन्हें बेटी का नाम 'दुआ' की जगह 'प्रार्थना' रखने की सलाह दी गई।

अमाला पॉल- जगत देसाई भी इसी साल पेरेंट्स बने (11 जून 2024) हैं। उन्होंने अपने बच्चे का नाम इलई रखा, जो कि तमिल भाषा का शब्द है और देव का नाम है। इलई अलग हटकर नाम है। सोशल मीडिया पर इस नाम की भी काफी चर्चा हुई और अमाला के प्रशंसकों ने इसे खूबसूरत नाम बताया।

इसी साल (3 जून 2024) पेरेंट्स बने वरुण धवन और नताशा दलाल ने अपनी बेटी का नाम 'लारा' रखा है। 'लारा' ग्रीक और रूसी शब्द है। नाम का अर्थ 'सुन्दर' और 'उज्जवल' है। हालांकि, अलग-अलग संस्कृतियों में इसके अलग मतलब हैं। प्राचीन मिस्र की पौराणिक कथाओं में 'लारा' का मतलब सूर्य की किरण है। वहीं, रोमन में 'लारा' एक अप्सरा और देवताओं की दूत थी। ग्रीक में इसका अर्थ 'देवताओं दूत' है।

इसी साल (10 मई 2024) माता-पिता बने यामी गौतम-आदित्य धर ने भी अपने लाडले का नाम एकदम यूनिक रखा। जोड़े ने अपने नन्हें राजकुमार का नाम 'वेदाविद' रखा। संस्कृत शब्द वेदाविद का हिंदी में अर्थ वेद को जानने वाला होता है। अभिनेत्री ने सोशल मीडिया पर एक साझा कर बताया था कि उन्होंने अपने बेटे का नाम वेदाविद क्यों रखा? उन्होंने बताया, हमारे बेटे का जन्म पवित्र अक्षय तृतीया के दिन हुआ है इसलिए हमने उसका यह नाम रखा।

अनुष्का शर्मा और विराट कोहली (15 फरवरी 2024) के भी घर भी इस साल किलकारी गूंजी। ने बेटे को जन्म दिया और अपने बेटे का नाम 'अकाय' रखा। अकाय का अर्थ है जिसकी कोई काया या शरीर न हो। जो देह रहित हो या जिसने शरीर धारण न किया हो। ऐसे में सोशल मीडिया पर 'अकाय' नाम भी सुर्खियों में छाया रहा ।

अनुपम खेर को ईशा देओल ने लाल बक्से में भेजा खास तोहफा

बॉलीवुड इन दिनों क्रिसमस सेलिब्रेशन मूड में है। आलिया से लेकर अनन्या तक सब सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर अपडेट दे रहे हैं। तोहफों का आदान प्रदान भी शुरू हो गया है। ऐसा ही एक तोहफा अनुपम खेर के पास पहुंचा। ये सौगात ईशा देओल ने उन्हें भेजी जिसका खुलासा अभिनेता ने खुद किया। सोशल मीडिया पर सक्रिय अभिनेता ने एक लाल बक्से में करीने से रखा तोहफा प्रशंसकों को दिखाया। इंस्टाग्राम के स्टोरीज सेक्शन पर वीडियो साझा कर अभिनेता ने ईशा देओल द्वारा क्रिसमस और नए साल के अवसर भेजे गए तोहफे की झलक दिखाई और पोस्ट पर लिखा, धन्यवाद डियर ईशा देओल। वीडियो में लाल रंग का एक बॉक्स है, जिसमें हॉट कोको पाउडर के साथ ड्राई फ्रूट्स के भी कई बॉक्स हैं। गिफ्ट बॉक्स पर खेर के नाम का एक नोट भी है, जिसे ईशा ने लिखा है। नोट में लिखा है, प्रिय अनुपम जी, मैरी क्रिसमस और नए साल की शुभकामनाएं, आपको ढेरों प्यार। जिंदगी के हर एक खास पल को सोशल मीडिया पर साझा करने वाले बॉलीवुड के दिग्गज अभिनेता अनुपम खेर ने हाल ही में अपनी आगामी फिल्म 'तुमको मेरी कसम' के सेट से एक पोस्ट साझा किया था। पोस्ट में उन्होंने अपनी सह-अभिनेत्री ईशा देओल के प्रति आभार व्यक्त किया था, जिन्होंने उन्हें एक दर्पण भेंट किया था। खेर ने वीडियो साझा कर बताया था कि फिल्म की शूटिंग के दौरान, उन्होंने ईशा द्वारा पकड़े गए एक आईने की प्रशंसा की थी और मजाकिया अंदाज में कहा था कि वह उसमें सुंदर लग रहे थे, उसे बाद में ईशा ने उन्हें उपहार में दिया, जिससे उन्हें बहुत खुशी हुई। खेर ने अपने इंस्टाग्राम पर वीडियो साझा कर लिखा, कल 'तुमको मेरी कसम' सेट पर मैंने जिस आईने की प्रशंसा की थी, उसे मुझे भेंट करने के लिए आपका बहुत-बहुत धन्यवाद ईशा देओल। 'तुमको मेरी कसम' का निर्देशन विक्रम भट्ट ने किया है। आगामी फिल्म में अनुपम और ईशा देओल के अलावा सुशांत सिंह, अदा शर्मा अहम भूमिका में हैं। इसके अलावा अनुपम खेर की झोली में राम वामसी कृष्ण द्वारा निर्देशित 'द इंडिया हाउस' के साथ ही 'तन्वी द ग्रेट' भी है। 'तन्वी द ग्रेट' के साथ अभिनेता निर्देशन की दुनिया में वापसी करने को तैयार हैं।

गाउन पहन प्रज्ञा जैसवाल ने शेयर किया हॉट लुक

बॉलीवुड एक्ट्रेस प्रज्ञा जैसवाल आए दिन अपनी लेटेस्ट फोटोशूट की तस्वीरें इंस्टाग्राम पर पोस्ट रहती हैं। उनका हर एक लुक इंटरनेट पर आते ही फैंस के बीच ट्रेंड करने लगता है। अब हाल ही में एक्ट्रेस ने अपने लेटेस्ट फोटोशूट की इंस्टाग्राम पर पोस्ट की हैं। इन फोटोज में उनका कातिलाना अवतार देखकर मंत्रमुग्ध हो गए हैं।इन फोटोज में आप देख सकते हैं एक्ट्रेस प्रज्ञा जैसवाल ने गोल्डन कलर का रिवीलिंग गाउन पहना हुआ है, जिसमें वो बेहद ही ग्लैमरस नजर आ रही हैं।ओपन हेयर को तस्वीरें इंस्टाग्राम पर पोस्ट की हैं। इन फोटोज में उनकी बोल्डनेस देखकर फैंस उनकी तारीफों के पुल बांधते नहीं थक रहे हैं।एक्ट्रेस जैसवाल ने भले ही कम फिल्मों में काम किया है, लेकिन आए दिन अपनी खूबसूरती से फैंस का सारा ध्यान अपनी ओर खींचती रहती हैं।अब हाल ही में एक्ट्रेस प्रज्ञा जैसवाल ने अपने लेटेस्ट फोटोशूट की तस्वीरें कर्ली स्टाइल लुक कर के, कानों में इयररिंग्स और लाइट मेकअप कर के एक्ट्रेस प्रज्ञा जैसवाल अपने आउटलुक को कंप्लीट किया है।प्रज्ञा जैसवाल की लेटेस्ट फोटोज में आप देख सकते हैं वो कैमरे के सामने एक से बढ़कर एक किलर लुक में पोज देती हुई हॉट पोज देती हुई नजर आ रही हैं। उनकी ये कातिल अदाएं देखकर फैंस उनकी तारीफ करते नहीं थक रहे सोशल मीडिया लवर हैं और इंस्टाग्राम पर काफी एक्टिव रहती हैं। प्रज्ञा जैसवाल जब भी अपनी फोटोज इंस्टाग्राम पर पोस्ट करती हैं तो वो चंद ही मिनटों में वायरल होने लगती हैं।

मां बनीं अभिनेत्री देवोलीना भट्टाचार्जी, बेटे को दिया जन्म

टीवी इंडस्ट्री की मशहूर अदाकारा देवोलीना भट्टाचार्जी ने सोशल मीडिया के जरिए प्रशंसकों को मां बनने की खबर सुनाई। उन्होंने बताया कि उनके घर में नन्हे फरिश्ते ने कदम रख दिया है। देवोलीना सोशल मीडिया पर सक्रिय रहती हैं और मां बनने की खुशखबरी से लेकर गोद भराई के पोस्ट प्रशंसकों के साथ साझा कर चुकी हैं। इंस्टाग्राम पर एक वीडियो साझा कर उन्होंने अपने लाडले के जन्म की खुशखबरी सुनाई। अभिनेत्री ने कैप्शन में लिखा, नमस्ते दुनिया! हमारा नन्हा फरिश्ता (बेबी बॉय) का जन्म हो चुका है।

वीडियो में देवोलीना के नन्हें फरिश्ते के जन्म की तारीख (18 दिसंबर) का भी उल्लेख है। अभिनेत्री ने जैसे ही पोस्ट डाला उनके प्रशंसकों के साथ ही मनोरंजन इंडस्ट्री के तमाम सितारों ने उन्हें शुभकामनाएं दी।

देवोलीना की पोस्ट पर अभिनेता शार्दुल पंडित ने लिखा, बधाई देव-ोलीना। अभिनेत्री जयति भाटिया ने लिखा, ढेरों आशीर्वाद और प्यार, अभिनेत्री काम्या शलभ डांग ने लिखा, बहुत-बहुत बधाई। इसके अलावा अभिनेत्री को भाविनी पुरोहित दवे, मदिराक्षी मुंडले, दीपिका सिंह, पारस छाबड़ा, सुप्रिया रैना शुक्ला, आरती सिंह शर्मा, जय भानुशाली, राजीव आदातिया, काजल पिसाल समेत अन्य सितारों ने शुभकामनाएं दीं।

देवोलीना ने हाल ही में अपने गोद भराई की तस्वीरें साझा की थी, जिसमें वह पति शाहनवाज शेख के साथ पोज देती नजर आई थीं।

देवोलीना भट्टाचार्जी ने पति और परिवार के साथ पंचामृत अनुष्ठान कर अपनी गर्भावस्था की जानकारी प्रशंसकों को दी थी। पूजा की तस्वीरें साझा कर देवोलीना ने बताया था कि वह मां बनने वाली हैं। साझा की गई तस्वीर में वह पति शाहनवाज के साथ सोफे पर बैठी नजर आई थीं।

देवोलीना दिसंबर 2022 में जिम ट्रेनर शाहनवाज के साथ शादी के बंधन में बंधी थीं। देवोलीना ने 2011 में शो 'सांवरे सबके सपने प्रीतो' से अभिनय की शुरुआत की थी। इसके बाद वह 'साथ निभाना साथिया', 'लाल इश्क', 'साथ निभाना साथिया 2' और 'दिल दियां गल्लां' जैसे शो में काम कर चुकी हैं। अभिनेत्री 'बिग बॉस 13', 'बिग बॉस 14' और 'बिग बॉस 15', 'डांस इंडिया डांस 2' में भी हिस्सा ले चुकी हैं।

साड़ी में नुसरत भरूचा ने दिखाईं दिलकश अदाएं

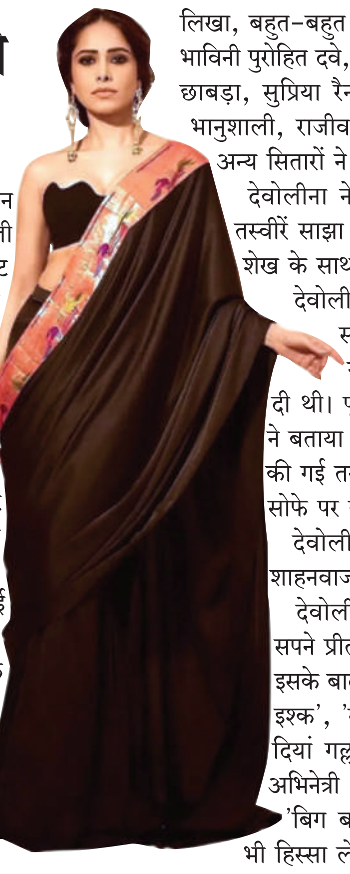

बॉलीवुड एक्ट्रेस नुसरत भरूचा हमेशा अपने स्टनिंग फैशन स्टेटमेंट्स के कारण सोशल मीडिया पर लाइमलाइट बटौरती रहती हैं। वो जब भी अपनी फोटोज और वीडियोज इंस्टाग्राम पर पोस्ट करती हैं तो वो चंद ही मिनटों में वायरल होने लगती हैं। अब हाल ही में एक्ट्रेस ने अपने लेटेस्ट फोटोशूट की तस्वीरें फैंस के बीच साझा की हैं, जिसमें उनकी किलर अदाएं देखकर फैंस मंत्र मुग्ध हो गए हैं।एक्ट्रेस नुसरत भरूचा बॉलीवुड इंडस्ट्री की फेमस अभिनेत्री हैं। उन्होंने अपनी अदाकारी से फैंस को इस कदर दीवाना बनाया है कि लोग उनकी तारीफ करते नहीं थकते हैं।अब हाल ही में एक्ट्रेस नुसरत भरूचा ने अपने लेटेस्ट फोटोशूट की तस्वीरें इंस्टाग्राम पर साझा की हैं। इन फोटोज में उनका कातिलाना अंदाज देखकर फैंस मंत्रमुग्ध हो गए हैं।नुसरत भरूचा ने अपनी इन लेटेस्ट फोटोज के दौरान ब्लैक कलर की साड़ी पहनी हुई थी, जिसमें वो बेहद ही किलर और स्टनिंग लुक में पोज देती हुई नजर आ रही हैं।कानों में इयररिंग्स, आखों में काजल और ग्लैम मेकअप लुक कर के एक्ट्रेस नुसरत भरूचा ने अपने आउटलुक को कंप्लीट किया है।नुसरत भरूचा सोशल मीडिया पर काफी एक्टिव रहती हैं। इंस्टाग्राम पर उनकी फैन फॉलोइंग लिस्ट भी काफी जबरदस्त है।बता दें कि एक्ट्रेस जब भी अपनी फोटोज इंस्टाग्राम पर पोस्ट करती हैं तो फैंस अक्सर उनकी तस्वीरों पर दिलखोलकर लाइक्स और कॉमेंट्स करते हैं।

आज का राशिफल

मेष – चू,चे,चो,ला,लि,लू,ले,लो,अ

आज आप घर से बाहर तो बहुत सकारात्मकता के साथ निकलेंगे लेकिन किसी कीमती वस्तु के चोरी होने की वजह से आपका मूड खराब हो सकता है। परिवार के सदस्यों का आपके जीवन में विशेष महत्व होगा। अपनी बातों को सही साबित करने के लिए आज के दिन आप अपने संगी से झगड़ सकते हैं। ऑफिस में आज आपको स्थिति को समझते हुए ही व्यवहार करना चाहिए। अगर आपका बोलना जरुरी नहीं है तो चुप रहें, कोई भी बात जबरदस्ती बोलकर आप खुद को परेशानी में डाल सकते हैं। लोग आपके बारे में क्या सोचते हैं आज आपको इस बात से कोई फर्क नहीं पड़ेगा। बल्कि आज आप खाली समय में किसी से मिलना जुलना भी पसंद नहीं करेंगे और एकांत में आनंदित रहेंगे।

वृषभ – इ,उ,ए,ओ,वा,वि,वु,वे,वो

अपने मानसिक स्वास्थ्य पर ध्यान दें, जो आध्यात्मिक जीवन के लिए आवश्यक है। आपके भाई–बहनों में से कोई आज आपसे पैसे उधार मांग सकता है, आप उनको पैसे उधार तो दे देंगे लेकिन इससे आपके आर्थिक हालात खराब हो सकते हैं। बच्चे भविष्य की योजनाएँ बनाने की अपेक्षा घर के बाहर ज़्यादा समय बिताकर आपको निराश कर सकते हैं। अपने प्रिय की ईमानदारी पर शक न करें। कार्यालय में सबकुछ आपके पक्ष में जाता नज़र आ रहा है। आपको ख़ुश करने के लिए आपका जीवनसाथी काफ़ी कोशिशें कर सकता है।

मिथुन – क,कि,कृ,घ,ङ,छ,के,को,ह

ख़ुशी से भरा अच्छा दिन है। जिन लोगों को आप जानते हैं, उनके ज़रिए आपको आमदनी के नए स्रोत मिलेंगे। एक ख़ुशनुमा और बढ़िया शाम के लिए आपका घर मेहमानों से भर सकता है। आप अचानक गुलाबों की ख़ुशबू से ख़ुद को सराबोर पाएंगे।कार्यालय में कोई आपको कुछ बढ़िया चीज़ या ख़बर दे सकता है। आज अपने लिए वक़्त निकालकर अपने जीवनसाथी के साथ आप कहीं घूमने जा सकते हैं। हालांकि इस दौरान आप दोनों के बीच थोड़ी बहुत कहासुनी हो सकती है। वैवाहिक जीवन के मोर्चे पर यह दिन वाक़ई बहुत बढ़िया है।

कर्क – ही,हु,हे,हो,डा,डी,डू,डे,डो

अपनी शारीरिक चुस्ती–फुर्ती को बनाए रखने के लिए आप आज का दिन खेलने में व्यतीत कर सकते हैं। माता या पिता की सेहत पर आपको आज बहुत धन खर्च करना पड़ सकता है। आपके परिवार वाले किसी छोटी–सी बात को लेकर राई का पहाड़ बना सकते हैं। आपका कोई ख़ास ही आज आपके साथ विश्वासघात कर सकता है। जिसकी वजह से आप दिनभर परेशान रह सकते हैं। आज घर के लोगों के साथ बातचीत करते दौरान आपके मुंह से कोई ऐसी बात निकल सकती है जिससे घर के लोग नाराज हो सकते हैं। आपका जीवनसाथी आपको प्यार का एहसास देना चाहता है, उसकी मदद करें।

सिंह – म,मी,मू,मे,मो,टा,टी,टू,टे

आज आप अपने घर के वरिष्ठ जनों से पैसे की बचत करने को लेकर कोई सलाह ले सकते हैं और उस सलाह को जिंदगी में जगह भी दे सकते हैं. परिवार के साथ सामाजिक गतिविधियों में सहभागिता काफ़ी मानसिक दबाव पैदा कर सकती है। आपका हमदम आपको पूरे दिन याद करता रहेगा। दफ़्तर में आप–को पता लग सकता है कि जिसे आप अपना दुश्मन समझते थे, वह दरअस्ल आपका शुभचिंतक है। आज के दिन अधिकांश समय ख़रीदारी और दूसरी गतिविधियाँ में जाएगा।

कन्या – टो,प,पी,पू,ष,ण,ठ,पे,पो

ख़ुशी से भरा अच्छा दिन है। दिन की शुरुआत भले ही अच्छी हो लेकिन शाम के वक़्त किसी वजह से आपका धन खर्च हो सकता है जिससे आप परेशान होंगे। मुमकिन है कि परिवार वाले आपकी उम्मीदों को पूरा न कर सकें। इस बात कि इच्छा न करें कि वे आपके मुताबिक़ काम करेंगे, बल्कि अपने काम करने का तरीक़ा बदलकर पहल करें। दिन को ख़ास बनाने के लिए स्नेह और उदारता के छोटे–छोटे तोहफ़े लोगों को दें। अपनी नौकरी से चिपके रहिए और दूसरों से उम्मीद मत कीजिए कि वे आकर आपकी मदद करेंगे। आध्यात्मिक गुरु से मिलने जा सकते हैं।

तुला – र,री,रू,रे,रो,ता,ति,तू,ते

आज आपको बेवजह पैसा खर्च करने से खुद को रोकना चाहिए नहीं तो जरुरत के समय आपके पास पैसे की कमी हो सकती है। कुछ समय आप अपने शौक़ और अपने परिवार वालों की मदद में भी ख़र्च कर सकते हैं। रोमांस के लिए बढ़ाए गए क़दम असर नहीं दिखाएंगे। आज फ़ायदा हो सकता है, बशर्ते आप अपनी बात भली–भांति रखें और काम में लगन व उत्साह दिखाएँ। अगर आज आप यात्रा कर रहे हैं तो आपको अपने सामान की अतिरिक्त सुरक्षा करने की ज़रूरत है। रिश्तेदारों के चलते जीवनसाथी से वाद–विवाद हो सकता है, लेकि आख़िर में सब ठिक हो जाएगा।

वृश्चिक – तो,न,नी,नू,ने,नो,या,यी,यू

धन आपके लिए जरुरी है लेकिन धन को लेकर इतने संजीदा न हो जाएं कि अपने रिश्तों को ही खराब कर दें। ऐसे दोस्तों के साथ बाहर जाएँ, जो सकारात्मक और मददगार स्वभाव के हैं। आप साथ में कहीं घूमने–फिरने जाकर अपने प्रेम–जीवन में नयी ऊर्जा का संचार कर सकते हैं। चंद्रमा की स्थिति को देखते हुए यह कहा जा सकता है कि आज आपके पास काफी खाली वक्त होगा मुमकिन है कि आपके माता–पिता आपके जीवनसाथी को कुछ शानदार आशीर्वाद दें, जिसके चलते आपके वैवाहिक जीवन में और निखार आएगा।

धनु – ये,यो,भ,भी,भू,धा,फा,ढा,भे

अपना तनाव दूर करने के लिए परिवार वालों की मदद लें। उनकी सहयता को खुले दिल से स्वीकारें। अपनी भावनाओं को दबाएँ और छुपाएँ नहीं। अपने जज़्बात दूसरों के साथ साझा करने से फ़ायदा मिलेगा। इस राशि के विवाहित जातकों को आज ससुराल पक्ष से धन लाभ होने की संभावना है। अपने परिवार की भलाई के लिए मेहनत करें। आज के दिन आप कार्यक्षेत्र में कुछ बढ़िया कर सकते हैं। बातों को सही तरीके से समझने का आज आपको प्रयास करना चाहिए नहीं तो इसकी वजह से आप खाली समय में इन्हीं बातों के बारे में सोचते रहेंगे और अपना समय बर्बाद करेंगे।

मकर – भो,ज,जी,खि,खू,खे,खो,ग,गि

दोस्तों की मदद से वित्तीय कठिनाईयाँ हल हो जाएंगी। ऐसा लगता है कि पारिवारिक–मोर्चे पर आप ज़्यादा ख़ुश नहीं हैं और कुछ अड़चनों का सामना कर रहे हैं। प्यार–मोहब्बत के लिहाज़ से दिन थोड़ा मुश्किल रहेगा। आपकी कड़ी मेहनत और निष्ठा ख़ुद आपके लिए बोलेगी व दूसरों का विश्वास और सहयोग आपको हासिल होगा। बातों को सही तरीके से समझने का आज आपको प्रयास करना चाहिए नहीं तो इसकी वजह से आप खाली समय में इन्हीं बातों के बारे में सोचते रहेंगे और अपना समय बर्बाद करेंगे। रिश्तेदारों का दख़ल शादीशुदा ज़िन्दगी में परेशानी पैदा कर सकता है।

कुम्भ – गु,गे,गो,सा,सी,सू,से,सो,द

आपके भाई–बहनों में से कोई आज आपसे पैसे उधार मांग सकता है, आप उनको पैसे उधार तो दे देंगे लेकिन इससे आपके आर्थिक हालात खराब हो सकते हैं। अगर आप हर किसी की मांग पूरी करने की कोशिश करेंगे, तो सिर्फ़ नाकामी आपके हाथ लगेगी। अपनी कार्यकुशलता बढ़ाने के लिए नयी तकनीकों का सहारा लें। आज जीवनसाथी के साथ खाली वक़्त बिताते समय आपको लगेगा कि आपको उन्हें और भी वक़्त देना चाहिए। बढ़िया खाना, रोमानी पल और जीवनसाथी का साथ यही ख़ास है आज।

मीन – दी,दू,थ,झ,ञ,दे,दो,चा,ची

आज आपका स्वास्थ्य दुरुस्त रहने की पूरी उम्मीद है। अपने अच्छे स्वास्थ्य के चलते आज आप अपने दोस्तों के साथ खेलने का प्लान बना सकते हैं। कोई बेहतरीन नया विचार आपको आर्थिक तौर पर फ़ायदा दिलायेगा। आपकी प्रेम कहानी आज एक नया मोड़ ले सकती है, आपका साथी आज आपसे शादी को लेकर बात कर सकता है। ऐसे में कोई भी फैसला लेने से पहले आपको विचार अवश्य करना चाहिए। दिन को कैसे अच्छा बनाया जाए इसके लिए आपको अपने लिए भी समय निकालना सीखना होगा।

शुक्रवार का पंचांग

दिनांक : 20 दिसंबर 2024 , शुक्रवार
विक्रम संवत : 2081
मास : पोष ,कृष्ण पक्ष
तिथि : पंचमी प्रात: 10:51 तक
नक्षत्र : मघा रात्रि 03:48 तक
योग : विष्कुंभ सायं 06:10 तक
करण : तैतिल प्रात: 10:51 तक
चन्द्रराशि : सिंह
सूर्योदय : 06:40 , सूर्यास्त 05:46 (हैदराबाद)
सूर्योदय : 06:36 , सूर्यास्त 05:58 (बैंगलोर)
सूर्योदय : 06:30 , सूर्यास्त 05:49 (तिरुपति)
सूर्योदय : 06:30, सूर्यास्त 05:39 (विजयवाडा)

शुभ चौघड़िया

चंचल : 06:00 से 07:30
लाभ : 07:30 से 09:00
अमृत : 09:00 से 10:30
शुभ : 12:00 से 01:30
राहुकाल : प्रात: 10:30 से 12:00
दिशाशूल : पश्चिम दिशा
उपाय : दूध पीकर यात्रा करें
दिन विशेष : गण्डमूल रात्रि 03:48 तक , धनुर्मास चालू है

* पाण्डित्य विषय में सम्पर्क करें *
पं.चिदम्बर मिश्र (टिल्लू महाराज)
हमारे यहाँ पाण्डित्य पूर्ण यज्ञ अनुष्ठान, भागवत कथा एवं मूल पारायण, वास्तुशान्ति, गृहप्रवेश,शतचंडी, विवाह, कुंडली मिलान, नवग्रह शान्ति, ज्योतिष सम्बन्धी शंका समाधान किए जाते हैं
फक्कड़ का मन्दिर, रिकाबगंज, हैदराबाद, (तेलंगाना)
9246159232, 9866165126
chidamber011@gmail.com

भजनलाल ने किया बीकानेर हाउस, उदयपुर हाउस और पुनर्निर्माणाधीन राजस्थान हाउस का अवलोकन

जयपुर,19 दिसंबर (एजेंसियां)। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने गुरूवार को दिल्ली स्थित बीकानेर हाउस, उदयपुर हाउस और पुनर्निर्माणधीन राजस्थान हाउस का निरीक्षण किया। मुख्यमंत्री ने पृथ्वीराज रोड़ स्थित राजस्थान हाउस के पुनर्निर्माण कार्यों का निरीक्षण करते हुए संबंधित अधिकारियों को कार्य में और अधिक गति लाते हुए इन्हें समयबद्ध पूरा करने के निर्देश दिए। शर्मा ने कहा कि समय–सीमा के साथ ही निर्माण कार्यों में गुणवत्ता का भी विशेष ध्यान रखा जाए।

निरीक्षण के दौरान अधिकारियों ने मुख्यमंत्री को भवन का अवलोकन करवाते हुए 136 करोड़ रुपये की लागत से बन रहे इस राजस्थान हाउस के निर्माण कार्यों की प्रगति से अवगत करवाया। उन्होंने मुख्यमंत्री को नवीन राजस्थान हाउस के इतिहास के बारे में बताया कि 7050 वर्ग मीटर में पुनः निर्मित हो रहा राजस्थान हाउस, राजस्थान सरकार का एक राजकीय गेस्ट हाउस है। इसके पुनर्निर्माण में राजस्थान की कलात्मक स्थापत्य शैली का खूबसूरत तरीके से समन्वय किया जाएगा। साथ ही, भवन की बाहरी दीवार पर धौलपुर सैण्ड स्टोन क्लेडिंग का कार्य किया जाएगा। नवीन राजस्थान हाउस में दो बेसमेंट, भूतल और 6 फ्लोर का प्रावधान रखा गया है। भवन के बेसमेंट में पार्किंग तथा मुख्य भवन में लॉबी, कैफेटेरिया, वेटिंग एरिया, डाईनिंग एरिया, फव्वारा, हैंगिंग झूमर, एट्रियम आदि बनाए जाएंगे। वहीं प्रथम तल पर कॉन्फ्रेंस हॉल, पुस्तकालय व जिम तथा छत पर टैरेस गार्डन, पार्टी हाल, योग कक्ष आदि की सुविधाएं मिलेंगी।

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने देश की प्रतिष्ठित दिल्ली यूनिवर्सिटी के नॉर्थ कैंपस से सटे हुए इलाके राजपुर रोड पर स्थित उदयपुर हाउस का भी निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान मुख्यमंत्री ने मौजूद अधिकारियों से उदयपुर हाउस में करवाए जाने वाले निर्माण कार्यों की जानकारी ली। मुख्यमंत्री ने गुरूवार को बीकानेर हाउस का दौरा करते हुए हाउस में स्थित राजकीय कार्यालयों का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने उपस्थित अधिकारियों को बीकानेर हाउस को कल्चरल सेंटर के रूप में विकसित करने के निर्देश दिये। इस अवसर पर राजस्थान सरकार के विभिन्न अधिकारी एवं कर्मचारी भी उपस्थित थे।

धोखाधड़ी कर भूखंड को दो जगह बेचने वाले दो आरोपी गिरफ्तार

दौसा,19 दिसंबर (एजेंसियां)। जिले के बसवा थाना पुलिस ने धोखाधड़ी के आरोप में दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है, जिन्होंने एक भूखंड को दो स्थानों पर बेचकर रजिस्ट्री करवाई थी। थानाधिकारी सचिन शर्मा ने जानकारी दी कि 1 जून को सतीशचंद पुत्र नवल किशोर माली निवासी काना का बास, वार्ड नं 32, बांदीकुई ने आरोपियों डिम्पल कुमार और पुष्पेन्द्र कुमार सैनी द्वारा धोखाधड़ी से एक प्लॉट दो स्थानों पर बेचने की शिकायत दर्ज कराई थी। दोनों आरोपियों ने इस भूमि की रजिस्ट्री दो बार करवाई थी।

गिरफ्तारी के बाद, डिम्पल कुमार सैनी पुत्र गोपालराम सैनी और पुष्पेन्द्र कुमार सैनी पुत्र गोपालराम सैनी, दोनों निवासी पंचमुखी पंडितपुरा को गिरफ्तार कर लिया गया। पुलिस टीम में थानाधिकारी सचिन शर्मा के अलावा मुकेश चंद, प्रमोद, रामानंद और देशराज भी शामिल थे।

अवैध बांग्लादेशियों से अजमेर में बढ़ रही समस्या का होगा समाधान: देवनानी

जयपुर,19 दिसंबर (एजेंसियां)। राजस्थान विधानसभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी ने गुरुवार को नई दिल्ली में विदेश मंत्री एस. जयशंकर से मुलाकात की। देवनानी ने जयशंकर से इस शिष्टाचार मुलाकात के दौरान अजमेर के पोस्ट ऑफिस पासपोर्ट केन्द्र को पासपोर्ट सेवा केन्द्र में क्रमोन्नत किये जाने, बांग्लादेश में हिन्दुओं के प्रति हो रहे दुर्व्यवहार, अजमेर में बढ़ते बांग्लादेशियों से बन रही समस्याओं से निजात दिलाने और वीजा के सरलीकरण किये जाने का अनुरोध किया। देवनानी को विदेश मंत्री ने इन सभी पर शीघ्र कार्यवाही किये जाने का भरोसा दिलाया।

देवनानी ने जयशंकर को बताया कि अजमेर ऐतिहासिक और आध्यात्मिक दृष्टि से समृद्ध है। पुष्कर तीर्थ, सूफी संत मोइनुद्दीन चिश्ती की दरगाह, एएसआई स्मारकों, किशनगढ़ में उच्च श्रेणी की संगमरमर की खदानों और अजमेर क्षेत्र के एनआरआई समुदाय के कारण अजमेर ने विश्व के पर्यटन मानचित्र पर गौरवपूर्ण स्थान बनाया है। उन्होंने कहा कि अजमेर स्थित वर्तमान डाकघर पासपोर्ट सेवा केन्द्र में प्रतिदिन 80 औसत बुकिंग होती है, जिन्हें न्यूनतम 20 दिन का प्रतीक्षा समय दिया जाता है। जो कार्य की अधिकता के कारण लगभग 60 दिन तक बढ़ जाता है। अजमेर से विदेशों में जाने वाले लोगों की संख्या अधिक है। अजमेर की अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर बढ़ते हुए प्रदर्शन को पूरा करने में पोस्ट ऑफिस पासपोर्ट केन्द्र अपर्याप्त सिद्ध हो रहा है. जिसके कारण क्षेत्रीय पासपोर्ट कार्यालय, जयपुर द्वारा भी अजमेर में बार–बार शिविर लगाये जाने की आवश्यकता पड़ती है।

देवनानी ने कहा कि वर्तमान डाकघर व्यवस्था को पूर्ण पासपोर्ट कार्यालय में अपग्रेड किया जाए ताकि स्थानीय लोगों और अंतरराष्ट्रीय यातायात की जरूरतों को समयबद्ध तरीके से पूरा किया जा सके। उन्होंने कहा कि इससे यहां के व्यवसाय के मामले में भी उत्तरोतर प्रगति हो सकेगी। इससे न केवल जयपुर कार्यालय पर काम का बोझ कम होगा बल्कि बड़ी संख्या में लोगों को अनावश्यक सड़क यात्रा से भी छुटकारा मिल सकेगा। इन परिस्थितियों में अजमेर स्थित कार्यालय और बुनियादी ढांचे को उन्नत करने के लिए तत्काल कदम उठाएं जानेका अनुरोध करते हुए श्री देवनानी ने विदेश मंत्री से कहा कि इससे लोगों को अपने निकटतम स्थान पर भारत सरकार की पासपोर्ट और अन्य संबंधित अनिवार्य सेवाएं आसानी से मिल सकेगी। अवैध बांग्लालदेशियों से अजमेर में बढ़ रही समस्या का भी होगा समाधान – देवनानी ने विदेश मंत्री से बांग्लादेश में हिन्दुओं के प्रति हो रहे दुर्व्यवहार पर गहरी चिन्ता व्यक्त की। देवनानी ने अजमेर में अवैध बांग्लादेशियों से बढ़ रही समस्याओं के समाधान का मार्ग भी निकालने का विदेश मंत्री से आग्रह किया।

देवनानी ने विदेश मंत्री को बताया कि वीजा को सरल बनाया जाये। उन्होंने कहा कि हाल ही उनकी जापान यात्रा के दौरान भारतीयों ने जापान में वीजा में आ रही तकनीकी समस्याओं का जिक्र किया था। श्री देवनानी ने इसके समाधान के लिए भी विदेश मंत्री से अनुरोध किया।

किसान आंदोलन को नई दिशा देने के लिए खाप नेताओं की बैठक

29 दिसंबर को होगी महापंचायत

चंडीगढ़,19 दिसंबर (एजेंसियां)। किसान आंदोलन की मौजूदा स्थिति और भविष्य की रणनीति को लेकर चंडीगढ़ स्थित किसान भवन में हरियाणा के प्रमुख खाप नेताओं द्वारा एक प्रेस वार्ता का आयोजन किया गया। इस बैठक में विभिन्न खापों के प्रतिनिधियों ने अपने विचार साझा किए और आंदोलन को नई दिशा देने के लिए महत्वपूर्ण निर्णय लिए।टटोली गांव का धरना ऐतिहासिकसतरोल खाप प्रतिनिधि सतीश कुमार ने बताया कि किसान आंदोलन के दौरान हरियाणा में तीन बड़े धरने आयोजित किए गए, जिसमें टटोली गांव का धरना विशेष महत्व रखता है। इस धरने में 102 पंचायतों ने भाग लिया। साथ ही 11 सदस्यीय कमेटी का गठन किया, जिसने आंदोलन को प्रभावी ढंग से संचालित किया। दलजीत सिंह दल्लेवाल के स्वास्थ्य को लेकर चिंता

सतीश कुमार ने बताया कि 11 सदस्यीय कमेटी ने खनौरी बॉर्डर पर आंदोलन के प्रमुख नेता दलजीत सिंह दल्लेवाल से मुलाकात की। इस दौरान दल्लेवाल का स्वास्थ्य ठीक नहीं पाया गया। खाप नेताओं ने उनके स्वास्थ्य को लेकर चिंता जताई और उनसे अनशन समाप्त करने की अपील की। हालांकि, दल्लेवाल ने साफ किया कि जब तक उनकी सभी मांगें पूरी नहीं हो जातीं, वह अपना अनशन जारी रखेंगे।

खाप नेताओं ने हरियाणा सरकार की किसान विरोधी नीतियों की कड़ी आलोचना की। उन्होंने कहा, सरकार किसानों को ट्रैक्टर से प्रदर्शन करने से रोकती है और अब जब किसान पैदल मार्च कर रहे हैं, तो उन पर आंसू गैस के गोले दागे जा रहे हैं। यह किसानों के अधिकारों का खुला उल्लंघन है।

खाप नेताओं ने ऐलान किया कि 29 दिसंबर को हिसार जिले के बास गांव में महापंचायत का आयोजन किया जाएगा। इस महापंचायत में किसान आंदोलन की आगामी रणनीति पर चर्चा की जाएगी।सतीश कुमार ने सभी किसान संगठनों से इस महापंचायत में भाग लेने की अपील की। खाप नेताओं ने संयुक्त किसान मोर्चा के नेताओं से आपसी मतभेद भुलाकर एकजुट होने की अपील की। सतीश कुमार ने कहा, यह किसी एक संगठन की नहीं बल्कि पूरे देश के किसानों की मांग है। सभी संगठनों को एकजुट होकर एक मजबूत और सशक्त आंदोलन चलाना चाहिए।

अनिल विज ओपी धनखड़ के आवास पर पहुंचे घायल हुए आशुतोष का हालचाल जाना

पंचकूला,19 दिसंबर (एजेंसियां)। पंचकूला में हरियाणा के ऊर्जा, परिवहन एवं श्रम मंत्री अनिल विज ने भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय सचिव और हरियाणा के पूर्व प्रदेश अध्यक्ष ओ पी धनखड़ के बेटे आशुतोष धनखड़ पर जानलेवा हमले के बाद उनके आवास पर पहुंच घायल आशुतोष का हालचाल जाना। उन्होंने इस घटना की जानकारी ली तथा आशुतोष के जल्द स्वस्थ होने की कामना भी की।

गौरतलब है कि हमले के बाद प्रदेश के परिवहन मंत्री अनिल विज ने पंचकूला स्थित ओ पी धनखड़ के आवास पर जाकर उनसे मुलाकात की और पूरी घटना के बारे में जानकारी ली।

उल्लेखनीय है कि ओ पी धनखड़ के बेटे आशुतोष धनखड़ पर पंचकूला में बुधवार रात जानलेवा हमला हुआ था। घर से 200 मीटर की दूरी पर ही हमलावरों ने आगे–पीछे गाड़ी लगाकर उन्हें रोका। जिसके बाद दोनों गाड़ियों से उतरे 5–6 युवकों ने आशुतोष पर हमला कर दिया। बताया जा रहा है कि बेसबॉल बैट से आशुतोष के सिर पर वार किए गए। भीड़ जमा होने पर वारदात के बाद हमलावर वहां से फरार हो गए। हमले के बाद जख्मी हालत में आशुतोष ने तुरंत घर में और पुलिस को इसकी सूचना दी। अभी इस मामले में पुलिस जांच कर रही है, लेकिन हरियाणा में भाजपा के वरिष्ठ नेता और राष्ट्रीय महासचिव ओ पी धनखड़ के बेटे आशुतोष धनखड़ पर हमला करने वाले 3 आरोपियों को पंचकूला पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है।

तेंदुए की घुसपैठ से हड़कंप

वाइल्डलाइफ टीम ने 5 घंटे की मशक्कत के बाद किया काबू

रेवाड़ी,19 दिसंबर (एजेंसियां)। हरियाणा के रेवाड़ी जिले के कनुका गांव में बुधवार देर शाम तेंदुए की घुसने से अफरा–तफरी मच गई। तेंदुआ एक प्लॉट में बने टीन शेड में घुसकर आराम करने लगा। गांव के एक युवक ने सूझबूझ दिखाते हुए टीन शेड का गेट बंद कर दिया और तुरंत वन्यजीव विभाग को सूचना दी।

गुरुग्राम से वाइल्डलाइफ टीम पहुंची, लेकिन जैसे ही शेड का दरवाजा खोला गया, तेंदुआ दौड़ते हुए इधर–उधर भागने लगा। इस घटना से गांववालों में दहशत फैल गई। ग्रामीणों ने अपने घरों और पशुओं के कमरों के दरवाजे बंद कर दिए। वन्यजीव टीम ने लगभग 5 घंटे की कड़ी मशक्कत के बाद तेंदुए को पकड़ने में सफलता पाई। राहत की बात यह रही कि इस घटना में किसी व्यक्ति या जानवर को कोई नुकसान नहीं पहुंचा। तेंदुए को सुरक्षित रूप से पकड़कर जंगल क्षेत्र में छोड़ने के लिए ले जाया गया।

किसान कालाबाजारी में खरीद रहा है डीएपी खाद

एक जनवरी से सरकार बढ़ाने जा रही है दाम : कुमारी सैलजा

चंडीगढ़,19 दिसंबर (एजेंसियां)। अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी की महासचिव, पूर्व केंद्रीय मंत्री एवं सिरसा की सांसद कुमारी सैलजा ने कहा कि केंद्र सरकार किसानों के सब्र की परीक्षा ले रही है, उनकी मांग मानने के बजाय कभी लाठी बरसवाती है तो कभी पानी की बौछार तो कभी आंसू गैस के गोले दागती है पर देश का अन्नदाता किसान न तो डरेगा और न ही झुकेगा, न हताश है और न ही बेबस है। आज भी किसान डीएपी खाद के संकट से जूझ रहा है, फसलों की बिजाई के लिए उसे यह खाद ब्लैक में खरीदनी पड़ रही है तो दूसरी ओर सरकार एक जनवरी–2025 से डीएपी खाद के दाम और बढ़ाने जा रही है। एक ओर जहां फसलों का लागत मूल्य बढ़ रहा है तो उस हिसाब से किसानों को उसकी फसल का उचित भाव नहीं मिल रहा है।

मीडिया को जारी बयान में कुमारी सैलजा ने कहा कि किसानों का आंदोलन आज भी जारी है पर सरकार है कि किसानों की अनदेखी करने में लगी हुई है, वार्ता के नाम पर किसानों के साथ खेल किया जा रहा है। सरकार को किसानों से बातचीत के लिए समय निकालना ही होगा, साथ ही उन्होंने कहा कि भाजपा सरकार किसानों के सब्र की परीक्षा न लें। उन्होंने कहा कि सरकार डीएपी खाद का संकट आज तक दूर नहीं कर पाई है तो दूसरी ओर इस खाद पर कालाबाजारी जारी है, 150 वाला डीएपी खाद का बैग किसानों को 1800 रुपये में खरीदना पड़ रहा है। डीएपी की कमी से किसान सरकारी आपूर्ति पर निर्भर हैं, लेकिन इसकी सीमित उपलब्धता के कारण कुछ किसान प्राइवेट मार्केट का सहारा ले रहे हैं। यहां पर डीएपी के दाम आसमान छू रहे हैं। जहां सरकारी दरों पर खाद्य मिलना मुश्किल हो रहा है, वहीं प्राइवेट विक्रेता डीएपी के एक कट्टे के लिए 1800 से 1900 रुपये तक वसूल रहे हैं। इस कालाबाजारी का सीधा असर किसानों की आर्थिक स्थिति पर पड़ रहा है, क्योंकि ऊंची कीमतों पर खाद खरीदना उनकी जेब पर भारी पड़ रहा है।डीएपी की कमी का सीधा असर फसल की पैदावार पर पड़ सकता है। समय पर खाद नहीं मिलने से फसलों की गुणवत्ता और उत्पादन दोनों पर बुरा असर पड़ता है, जिससे किसानों को आर्थिक नुकसान का सामना करना पड़ सकता है। डीएपी की अनुपलब्धता के कारण फसलों की बुवाई प्रक्रिया बाधित हो रही है, जो कि उनकी खेती की आय का प्रमुख स्रोत है। बुवाई में देरी से फसल का उत्पादन समय पर नहीं हो पाएगा, जिससे किसानों की आय में गिरावट की संभावना बढ़ जाती है। डीएपी खाद की किल्लत को देखते हुए, शासन और प्रशासन को इस दिशा में ठोस कदम उठाने की आवश्यकता है।

मौजूदा समय में डीएपी खाद के एक बैग की कीमत 1350 रुपये है पर एक जनवरी –25 से इस बैग का दाम 1590 रुपये किया जा रहा है। टीएसपी–46 प्रतिशत का दाम 1300 से बढाक़र 1350, 10:26:26 का दाम 1470 से 1725 और 12:31:16 का दाम 1470 से बढाक़र 1725 रुपपे किया जा रहा है। कुमारी सैलजा ने कहा कि डीएपी खाद के दाम बढाक़र सरकार किसानों के जख्मों पर नमक छिडक़ रही है। खाद के दाम बढऩे से फसलों का लागत मूल्य भी बढ़ेगा पर विड़ंबना ये है कि फसलों के लागम मूल्य को देखते हुए भी सरकार फसलों का दाम नहीं बढ़ा रही है और न ही एमएसपी पर कानून ला रही है।सांसद कुमारी सैलजा ने ग्रामीण विकास मंत्रालय भारत सरकार को पत्र लिखकर पूछा था कि बीपीएल प्रणाली में विसंगतियों को दूर करने की दिशा में सरकार ने कोई कदम उठाया है, सरकार किस प्रकार सुनिश्चित करती है कि बीपीएली योजनाओं का लाभ जरूरतंद तक कैसे पहुंचेगा, और बीपीएल परिवारों की संख्या में बढ़ोत्तरी कैसे हो रही है।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक, सम्पादक गोपाल अग्रवाल द्वारा श्री शेषसाई इंटरप्राइजेज प्लॉट नंबर. 98/1, को-ऑपरेटिव इंडस्ट्रीयल एस्टेट, गांधी नगर, बालानगर के पास मेडचेल-मल्काजगिरि जिला. हैदराबाद 500037, तेलंगाना स्टेट से मुद्रित तथा प्लॉट नं. ए-23/5 तथा 6, दूसरा माला, ओपीआईई, बालानगर, हैदराबाद, मेडचल मलकाजगिरी जिला, तेलंगाना राज्य-500037 से प्रकाशित। आर. एन. आई रजिस्टर्ड नं. TELHIN/2019/78163, फोन नं. 040-29551811. E-mail : dailyshubhlabh@gmail.com.